नई दिल्ली । मंगलवार, 02 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :147/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिपः 'यह उपलब्धि भारत...
@ विचार जब ट्रेंड तय करने लगे जनमत...
@ व्यापार वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत में भारत की खपत और...

संक्षिप्त खबर

114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद शुरू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

यह सौदा वायुसेना के मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम का हिस्सा है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास केवल 29 स्क्वाड्रन हैं, जबकि स्वीकृत आवश्यकता 42.5 स्क्वाड्रन की है। 2016 के समझौते के तहत 36 राफेल जेट्स पहले ही शामिल हो चुके हैं। भारत सरकार ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। रक्षा मंत्रालय के अधिग्रहण विंग ने पिछले सप्ताह फ्रांसीसी सरकार को लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया है। इस डील की अनुमानित लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये है, जो देश के सबसे बड़े सैन्य खरीद कार्यक्रमों में से एक है। सूत्रों के अनुसार, फ्रांसीसी पक्ष दो-तीन महीने में जवाब देगा और एक साल के अंदर समझौता अंतिम रूप ले सकता है। यह खरीद भारतीय वायुसेना की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ईरान ने अमेरिका से सीजफायर वार्ता रोकी

होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद करने की तैयारी, जापान के जहाजों की आवाजाही में मदद करेंगे

एजेंसी ■ तेल अवीव

ईरान ने अमेरिका के साथ सीजफायर वार्ता फिलहाल रोक दी है। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, तेहरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में इजराइली हमले नहीं रुकते, तब तक मध्यस्थों के जरिए अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का कहना है कि लेबनान में शांति बनाए रखना सीजफायर की अहम शर्तों में शामिल था। लेकिन अब लेबनान समेत कई मोर्चों पर इस समझौते का उल्लंघन हो रहा है। ईरान ने गाजा और लेबनान में इजराइल की सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने और लेबनानी क्षेत्र से इजराइली सेना की पूरी वापसी की मांग की है। तेहरान का कहना है कि जब तक इन मुद्दों पर उसकी और उसके सहयोगियों मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक बातचीत दोबारा शुरू नहीं होगी।

तस्नीम की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान और उसके सहयोगी होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह बंद करने और अन्य मोर्चों को एक्टिव करने के ऑप्शन पर भी विचार कर रहे हैं। इनमें लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में स्थित बाब अल-मंदेब स्ट्रेट भी शामिल है।

ईरान बोला- जापान के जहाजों की आवाजाही में मदद करेंगे

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि उनका देश होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही आसान बनाए रखने के लिए तैयार है। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के साथ फोन पर बातचीत में उन्होंने कहा कि ईरान चाहता है कि जहाज बिना किसी परेशानी के अपने रास्ते से गुजर सकें। पजशकियान ने कहा कि मौजूदा दिक्कतों की बड़ी वजह अमेरिका की तरफ से ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध हैं। ईरान कोशिश करेगा कि जापान के जहाज आसानी से और सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकें।

ईरान-अमेरिका वार्ता रुकने से कच्चे तेल के दाम बढ़े

ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही बातचीत रोक दी है। इसके बाद दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने लेबनान से दागे गए तीन प्रोजेक्टाइल को अपने क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही रोक दिया। सेना के मुताबिक, इन हमलों के बाद उत्तरी इजराइल के कई इलाकों में सायरन बजाए गए। इसके साथ ही सेना ने दो संदिग्ध एयर टारगेट का भी पता लगाया।

क्या है लेबनान का ब्यूफोर्ट कैसल, जिस पर इजराइल ने किया कब्जा

दक्षिणी लेबनान में स्थित ब्यूफोर्ट कैसल पर इजराइल ने कब्जा कर लिया है। यह किला नबातियेह शहर के पास एक ऊंची पहाड़ी पर बना है और इसे इलाके की सबसे महत्वपूर्ण सैन्य जगहों में से एक माना जाता है। इस किले की सबसे बड़ी खासियत इसकी ऊंचाई है। यहां से आसपास के कई गांवों, कस्बों और बड़े इलाकों पर नजर रखी जा सकती है। यही वजह है कि इस जगह पर कंट्रोल सैन्य दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है।

इजराइल का कहना है कि उसने यह कार्रवाई हिजबुल्लाह के ठिकानों को कमजोर करने और सीमा के पास के ऊंचे इलाकों पर कंट्रोल हासिल करने के लिए की है। जानकारों के मुताबिक, ब्यूफोर्ट कैसल पर कब्जे से इजराइली सेना को हिजबुल्लाह की एक्टिविटी पर नजर रखने में आसानी होगी। साथ ही आसपास के इलाकों में होने वाली गतिविधियों की निगरानी भी बेहतर तरीके से की जा सकेगी।

फिर महंगा हुआ कमर्शियल सिलेंडर

घरेलू उपभोक्ताओं को राहत, रेट में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एक बार फिर एलपीजी उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगा है। दिल्ली में 1 जून से 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपये की जगह अब 3,113.50 रुपए का मिलेगा। इसमें 42 रुपये का इजाफा हुआ है। बेंगलुरु में अब कमर्शियल 3198 रुपए में बिक रहा है। गुजरात के अहमदाबाद में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 1 जून से 920 रुपये और 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 3135 रुपये का हो गया है।

मुंबई में कमर्शियल 3,024 रुपये से बढ़कर 3067.50 रुपये का हो गया है। चेन्नई में कमर्शियल पहले 3,237 रुपये था और 1 जून से 3283 रुपये का हो गया है। वहीं, लखनऊ में 1 जून से 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर का दाम 3236 रुपये हो गया है। जयपुर में एलपीजी घरेलू सिलेंडर 916.5 रुपए और 19 किलो वाला कमर्शियल 3155 रुपये में बिक रहा है।

बता दें युद्ध के बाद से कमर्शियल सिलेंडर के दाम 1373 रुपये बढ़ चुके हैं, जिसमें पिछले महीने की सबसे बड़ी 993 रुपये की बढ़ोतरी भी शामिल है। हालांकि, इस दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम केवल 60 रुपये बढ़े।

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए क्या हैं रेट ?

दिल्ली समेत पूरे देश में घरेलू उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। इसके रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अगर दिल्ली की बात करें तो घरेलू ग्राहकों के लिए 14.2 किलो का रसोई गैस सिलेंडर 913 रुपए में उपलब्ध है। वहीं 5 किलो का छोटा घरेलू सिलेंडर 339 रुपए में मिल रहा है। इसके अलावा 10 किलो एक्स्ट्रालाइट एलपीजी सिलेंडर की कीमत 652 रुपए तय की गई है।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम

दिल्ली में कमर्शियल यूज के लिए 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 3,113.50 रुपए है। इसमें 42 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वहीं 19 किलो इंडेन एक्स्ट्रातेज सिलेंडर 3,136 रुपए और 19 किलो नॉनकट सिलेंडर 3,262 रुपए में उपलब्ध है।

छोटे सिलेंडरों के रेट

5 किलो नॉन-डोमेस्टिक सिलेंडर की रीफिल कीमत 821.50 रुपए है, जबकि नया सिलेंडर 1,765.50 रुपए से 1,779.50 रुपए के बीच उपलब्ध है। 2 किलो एफटीएल सिलेंडर की कीमत 1,062.50 रुपए और रीफिल 354.50 रुपए तय की गई है।

औद्योगिक उपयोग वाले सिलेंडर भी महंगे

औद्योगिक और बड़े व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए 47.5 किलो वाला सामान्य एलपीजी सिलेंडर 105 रुपये बढ़कर 7,779.50 रुपए का हो गया है। वहीं 47.5 किलो इंडेन एक्स्ट्रातेज सिलेंडर 7,836 रुपए में मिल रहा है। इसके अलावा 425 किलो वाले बड़े एलपीजी सिलेंडर की कीमत 69,651 रुपए तय की गई है, जबकि 425 किलो इंडेन एक्स्ट्रातेज सिलेंडर 70,153 रुपए में उपलब्ध है।

तृणमूल कांग्रेस को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत कर रहे हैं विरोधी : ममता बनर्जी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर विपक्ष और पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कुछ लोगों के पार्टी छोड़ने से टीएमसी कमजोर नहीं होगी, बल्कि और अधिक मजबूत होकर उभरेगी।

ममता बनर्जी ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को अराजक बताते हुए कहा कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि उनका वर्णन करने के लिए शब्द भी कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ विधायकों और सांसदों को डराकर, धमकाकर या प्रलोभन देकर टीएमसी को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे पार्टी की ताकत और बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रचार किया जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा नहीं है, जबकि यह पूरी तरह भ्रामक और गलत जानकारी है।

उन्होंने सांसद पर हुए कथित हमले की आलोचना करते हुए कहा कि घायल सांसद के इलाज के लिए डॉक्टरों को बुलाया गया था, लेकिन अस्पतालों को उपचार न करने के निर्देश दिए गए हैं। ममता ने इसे तानाशाही मानसिकता का उदाहरण बताया। पूर्व मुख्यमंत्री ने छात्रों से भी सवाल किया कि वे विभिन्न मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे पहले भी अन्याय के खिलाफ लगातार आंदोलन करती थीं आगे भी करती रहेंगी। उन्होंने नीट में कथित अनियमितताओं का भी उल्लेख किया और कहा कि छात्रों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी चाहिए।

भारत-म्यांमार के रिश्तों को मिली नई मजबूती

पीएम मोदी ने म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग से की मुलाकात

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि म्यांमार भारत के 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट' और हिंद-प्रशांत नीति के लिए बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने बताया कि दोनों देसों के बीच समुद्री सुरक्षा, साइबर सिक्योरिटी और दूसरे क्षेत्र में मिलकर काम करने पर सहमति बनी।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'म्यांमार के प्रेसिडेंट यू मिन आंग ह्लाइंग के साथ एक अच्छी मीटिंग हुई। हम भारत में इस बात से सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि उन्होंने प्रेसिडेंट के तौर पर अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। उतनी ही खुशी की बात यह है कि उन्होंने भगवान बुद्ध के आशीर्वाद के साथ बोधगया से अपनी यात्रा शुरू की। हमने भारत-म्यांमार संबंधों की पूरी रेंज की समीक्षा की। म्यांमार भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट' और हिंद-प्रशांत नीति के लिए बहुत जरूरी है।'

प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'हमारी बातचीत में व्यापार, रेयर अर्थ्स, हेल्थकेयर, कनेक्टिविटी, हेरिटेज रेस्टोरेशन और कैपेसिटी बिल्डिंग में सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर बात हुई। हम समुद्री सुरक्षा, साइबर सिक्योरिटी और दूसरे क्षेत्र में मिलकर काम करने पर भी सहमत हुए।'

इससे पहले, नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में हुई विस्तृत वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि म्यांमार में शांति और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए भारत हर तरह की मदद को तैयार है। उन्होंने संघीय शासन व्यवस्था और आर्थिक विकास के अनुभव साझा करने की भी बात कही। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति की बातचीत व्यापक रही और दोनों देशों ने शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि भारत म्यांमार के लिए एक भरोसेमंद पड़ोसी और संकट के समय में पहला सहयोगी है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीतियों के अनुरूप भारत हमेशा म्यांमार का सहयोग करता रहेगा।

मानसून 2-3 दिन में केरलम पहुंचेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है।

आईएमडी के मुताबिक अरब सागर, लक्षद्वीप, केरलम और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल है। बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने पहले अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरलम पहुंचेगा, लेकिन बाद में इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई। अब इसके जून के पहले सप्ताह में पहुंचने की संभावना है। देशभर में फिलहाल हीटवेव का असर खत्म हो गया है। सोमवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और राजस्थान के कई इलाकों में बारिश हुई। राजस्थान के अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में सोमवार को ओलावृष्टि हुई। मध्य प्रदेश के 4 जिलों में आंधी और बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर में तेज बारिश हुई, जबकि 63 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी है। बिहार के सासाराम में भी दोपहर बाद बारिश हुई। वहीं झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पंजाब समेत 27 राज्यों में हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

जेईई एडवांस में शुभम कुमार ने हासिल की टॉप रैंक

छात्रों को बताया सफलता का मूल मंत्र, लगन के साथ मेहनत करें

एजेंसी ■ जयपुर

देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में बैचलर पाठ्यक्रमों जैसे-बीटेक और बीआर्क में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई)-एडवांस 2026 का परिणाम सोमवार को जारी कर दिया गया। इस वर्ष जेईई (एडवांस) की परीक्षा में आईआईटी दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने ऑल इंडिया रैंक 1 प्राप्त की है। शुभम ने 360 में से 330 अंक हासिल कर मेरिट सूची में शीर्ष पर अपनी जगह बनाई।

इस वर्ष जेईई एडवांस्ड में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कोटा के छात्रों में से एक शुभम कुमार ने शानदार प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिससे आईआईटी-जेईई की तैयारी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में जाने वाले शहर कोटा की प्रतिष्ठा और मजबूत हुई। कोटा में जेईई एडवांस्ड के परिणामों के बाद छात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया गया, जिसमें शुभम कुमार ने पहला स्थान, कबीर छिल्लर ने दूसरा और अर्नव गौतम ने शीर्ष 10 में जगह बनाई। इस दौरान छात्रों और कोचिंग संस्थानों में व्यापक उत्साह का माहौल छा गया।

इसी को लेकर शुभम ने मी डिया से बात करते हुए बताया कि इस सफलता की जर्नी काफी शानदार रही। परिणाम आने के बाद बहुत ज्यादा उत्सुक हूं। रिजल्ट से परिवार सहित संस्थान में खुशी का माहौल है। उन्होंने अपने जूनियर्स को सलाह देते हुए कहा कि बस लगन के साथ मेहनत करते रहें, बाकी जो होगा अच्छा ही होगा।

शुभम ने बताया कि जब वो कोटा आए थे, तब उन्हें बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि उनका पहला स्थान आएगा, लेकिन जैसे-जैसे टेस्ट में बेहतर परिणाम आता गया, अंदर का कॉन्फिडेंस बढ़ता गया और अच्छी रैंक आने की उम्मीद बढ़ी। उन्होंने बताया कि पढ़ाई का सफर काफी शानदार रहा। हालांकि थोड़ी बहुत ऊपर-नीचे तो होती रहती है, लेकिन मैंने खुद को हमेशा पढ़ाई के प्रति प्रेरित और फोकस्ड रखा। उन्होंने रैंक-1 लाने का मूल मंत्र डेडिकेशन के साथ हार्ड वर्क और कभी हार नहीं मानना बताया। शुभम आगे की पढ़ाई आईआईटी मुंबई से करने की तैयारी में हैं। इसके बाद वो कंप्यूटर साइंस (सीएस) डिपार्टमेंट में नौकरी करना चाहते हैं।

वहीं, बेटे की इतनी बड़ी उपलब्धि को लेकर शुभम के माता-पिता ने कहा कि यह उनके परिवार के लिए बहुत बड़ी जीत है। उन्होंने बताया कि शुभव शुरू से ही काफी मेहनती है। उसने इस सफलता को हासिल करने के लिए काफी परिश्रम किया है।

जेईई (एडवांस) में दूसरी रैंक प्राप्त करने वाले कबीर छिल्लर ने कहा कि इन दो वर्षों की जर्नी में शिक्षकों का बहुत सहयोग रहा। इस सफलता में खुद की मेहनत तो सबसे ऊपर होती है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि दी कि टास्क का बैकलॉग नहीं बनने देना है और निरंतर मेहनत के साथ आत्मविश्वास से आप अच्छी रैंक प्राप्त कर सकते हैं। कबीर ने छात्रों को सलाह दी कि अगर आपने 2 वर्ष मेहनत कर ली तो आपको अच्छे कॉलेज में एडमिशन मिल जाएगा, जिससे जीवन में एक राह मिल जाती है। शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले अर्नव गौतम ने बताया कि मैंने प्रतिदिन 10 से 12 घंटे की पढ़ाई की। इस जर्नी में मेरे माता-पिता का बहुत सहयोग रहा, जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे और मुझे मोटिवेट किया।

पेन-पेपर मोड में ही हो परीक्षा : सुप्रीम कोर्ट

नीट : पुणे के टीचर ने लीक किया पेपर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी की 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा पेन-पेपर के बजाए कंप्यूटर बेस्ड मोड से कराए जाने की मांग सोमवार को ठुकरा दी। कोर्ट ने मांग स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हालांकि याचिका खारिज नहीं की है और मुख्य याचिका पर सुनवाई जुलाई तक टाल दी है।

कंप्यूटर बेस्ड मोड से परीक्षा कराए जाने की मांग ठुकराई

नीट यूजी परीक्षा 3 मई को हुई थी लेकिन पेपर लीक के कारण 12 मई को परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। इसके बाद अब 21 जून को दोबारा परीक्षा होनी है।

आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह ने नीट यूजी पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी है जिसमें कई मांगे की गई हैं जिसमें से एक मांग यह भी थी।

सोमवार को यह याचिका न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगी थी। सुधाकर सिंह की ओर से पेश वकील सत्यम सिंह राजपूत ने मामले को अर्जेन्ट बताते हुए कहा कि याचिका में की गई पहली मांग पर यह जोर देना चाह रहे हैं वो महत्वपूर्ण है।

वकील ने कहा कि उनकी मांग है कि नीट यूजी की 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा पेन-पेपर के बजाए कंप्यूटर बेस्ड मोड से कराई जाए। लेकिन कोर्ट ने अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए कहा कि परीक्षा कराने वाली अथारिटीज की व्यावहारिक दिक्कतें समझिए।

तीन आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार तीन आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इनमें एनटीए से संबद्ध भौतिकी की लेक्चरर मनीषा संजय हवलदार, महाराष्ट्र के लातूर निवासी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और पुणे के भौतिकी शिक्षक तेजस हर्षद कुमार शाह हैं।

विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने सीबीआइ की ओर से दायर आवेदन पर सुनवाई करते हुए तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इससे पूर्व मनीषा की सीबीआइ हिरासत शनिवार को दो दिन के लिए बढ़ाई गई थी, जबकि डॉ. मनोज शिरुरे और तेजस हर्षद कुमार शाह को 27 मई को पांच दिन की सीबीआइ रिमांड पर भेजा गया था।

द्विपक्षीय व्यापार समझौता लागू होने से भारत का ओमान को वस्तु निर्यात 50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) या द्विपक्षीय व्यापार समझौता सोमवार को लागू होने से बाद, देश का ओमान को वस्तु निर्यात अगले तीन वर्षों में 50 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है।

इस समझौता का उद्देश्य भारत के निर्यात को पिछले वर्ष के 4.06 अरब डॉलर से बढ़ाकर 6 अरब डॉलर तक ले जाना है और मध्य अवधि में लक्ष्य 10 अरब डॉलर तक ले जाना है।

ओमान ने भारत को अपनी 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर जीरो ड्यूटी की पेशकश की है। इसमें भारत द्वारा ओमान को किया जाने वाला 99.38 प्रतिशत निर्यात कवर होता है। इसमें अधिक श्रम उपयोग वाले सेक्टर जैसे जेम एंड ज्वेलरी, टेक्सटाइल, चमड़ा, जूता, सपोर्ट्स गुड्स, प्लास्टिक, फर्नीचर, इंजीनियरिंग, फार्मा, मेडिकल डिवाइस और ऑटोमोबाइल शामिल हैं।

वहीं, भारत अपनी कुल टैरिफ लाइनों में से 77.79 प्रतिशत पर उदारीकरण की पेशकश की है, जो मूल्य के हिसाब से ओमान से भारत के आयात का 94.81 प्रतिशत है। ओमान के निर्यात के लिए महत्वपूर्ण और भारत के लिए संवेदनशील उत्पादों के लिए, यह पेशकश मुख्य रूप से शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित है।

अपने हितों की रक्षा के लिए, भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बिना किसी रियायत के समझौते से बाहर रखा है। इसमें विशेष रूप से कृषि उत्पाद, जिनमें डेयरी, चाय, कॉफी, रबर और तंबाकू उत्पाद शामिल हैं। वहीं, अन्य में सोना और चांदी के आभूषण और अन्य श्रम-प्रधान उत्पाद जैसे जूते, खेल सामग्री; और कई आधार धातुओं का स्क्रैप शामिल है।

भारत और ओमान ने पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मस्कट यात्रा के दौरान सीईपीए पर हस्ताक्षर किए थे। इससे भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले सर्विस सेक्टर को भी फायदा होगा। ओमान का सर्विसेज सेक्टर का आयात 12.52 अरब डॉलर है, जो भारतीय सर्विसेज कंपनियों के लिए अपार संभावनाओं को दर्शाता है। ओमान के अलावा, भारत अन्य कई देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहा है।

भारत ने जुलाई 2025 में ब्रिटेन और अप्रैल 2026 में न्यूजीलैंड के साथ इसी तरह के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और इस वर्ष 27 जनवरी को यूरोपीय संघ (27 देशों का समूह) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी की है। वहीं, भारत अमेरिका कसे भी द्विपक्षीय समझौते को लेकर बातचीत कर रहा है।

भारत में औद्योगिक उत्पादन अप्रैल में 4.9 प्रतिशत बढ़ा, विनिर्माण क्षेत्र रहा आगे

मुंबई। अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर अप्रैल में सालाना आधार 4.9 प्रतिशत रही है। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

मंत्रालय ने पहली बार नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ आंकड़े जारी किए है। पिछले आंकड़ों में आधार वर्ष 2011-12 था।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। जल आपूर्ति,सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन में यह 6.6 प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति में 4.9 प्रतिशत रही है। वहीं, खनन एवं उत्खनन में विकास दर नकारात्मक 5.1 प्रतिशत रही है।

विनिर्माण क्षेत्र के अंदर मौजूद 23 उद्योग समूहों में से 17 ने अप्रैल 2026 में अप्रैल 2025 की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। अप्रैल 2026 माह के लिए शीर्ष तीन सकारात्मक योगदानकर्ताओं में मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर का निर्माण (12.7 प्रतिशत), विद्युत उपकरण का निर्माण (19.2 प्रतिशत) और मशीनरी और उपकरण का निर्माण (12.9 प्रतिशत) के साथ शामिल हैं।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने औद्योगिक क्षेत्र की वर्तमान संरचना और गतिशीलता को बेहतर ढंग से दर्शाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आधार वर्ष 2011-12 से संशोधित करके 2022-23 कर दिया है। संशोधित श्रृंखला में एक अपडेटेड आइटम बास्केट, एक संशोधित भार संरचना और व्यापक क्षेत्रीय कवरेज शामिल है, ताकि अर्थव्यवस्था में औद्योगिक गतिविधि के हालिया घटनाक्रमों को बेहतर ढंग से समझा जा सके।

अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार वर्ष संशोधन का यह अभ्यास अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार वर्ष संशोधन के लिए गठित तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी-आईआईपी) की देखरेख में किया गया। समिति की रिपोर्ट 25 मई 2026 को जारी की गई, जिसने भारत में औद्योगिक उत्पादन को मापने के लिए एक अधिक मजबूत, प्रासंगिक और व्यापक प्रणाली की नींव रखी।

संक्षिप्त खबरें

गोवा क्राइम ब्रांच ने अंतर्राज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का किया भांडाफोड

गोवा। गोवा पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतर्राज्यीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई के तहत उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से नेटवर्क के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी गोवा में तीन नेपाली नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुई विस्तृत जांच का परिणाम है। जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच ने विशेष खुफिया सूचना के आधार पर मांडवी पुल के नीचे स्थित बेतिम जेटी के पास थोक मछली बाजार क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी में शामिल दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लगभग 39.88 ग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत 8.88 लाख रुपए आंकी गई है। इसके अलावा एक स्कूटर और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

जीरो टॉलरेंस, मिशन शक्ति और साइबर एक्शन से बदली यूपी पुलिस की तस्वीरः राजीव कृष्ण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने कहा कि बीते सात-आठ वर्षों में प्रदेश में अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति, साइबर अपराध नियंत्रण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पुलिसिंग और सड़क सुरक्षा अभियानों ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने सोमवार को बीते एक वर्ष की उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आने वाले समय में पुलिस बल को एडवांस ट्रेनिंग दी जाएगी तथा पुलिस मुख्यालय में साइबर सुरक्षा को और सशक्त बनाने के लिए केंद्रीय स्तर पर एक अत्याधुनिक साइबर सेंटर स्थापित किया जाएगा।

बिहार के सीएम सम्राट चौधरी का आवास प्रधानमंत्री बंगला से भी बड़ा : राजद

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास को खाली करने को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच, राजद ने सोमवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का आवास देश के प्रधानमंत्री के बंगले से भी बड़ा है।

राजद कार्यालय में पार्टी के प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि देश के सबसे गरीब राज्य के मुख्यमंत्री का बंगला भारत के सबसे आलीशान, भव्य और सात सितारा बंगले जैसा है। सीएम सम्राट चौधरी का बंगला प्रधानमंत्री के बंगले से भी बड़ा है। मुख्यमंत्री ने पूर्व में उपमुख्यमंत्री के नाम आवंटित 5, देशरत्न मार्ग को भी मुख्यमंत्री निवास में मिला लिया है। सम्राट चौधरी ने दिल्ली में बिहार निवास और बिहार भवन के बजाय टाइप-8 बंगला भी लिया है। मुख्यमंत्री ने अपना निवास लगभग 15 एकड़ से भी अधिक में कर लिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार में अभी तक उपमुख्यमंत्री के लिए दो आवास आवंटित थे, लेकिन सम्राट चौधरी ने पक्षपात करके उपमुख्यमंत्री के नाम के आवास को भी अपने निवास में समाहित कर लिया। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि सीएम सम्राट चौधरी इतने ही नियम और कानून के पाबंद हैं तो फिर उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव को पूर्व से क्रमांकित उपमुख्यमंत्री आवास में उन्हें शिफ्ट क्यों नहीं कर रहे हैं?

उन्होंने कहा कि अगर विजय चौधरी और विजेंद्र यादव मंत्री की हैसियत से आवंटित पूर्व के आवास में रह रहे हैं तो फिर नेता प्रतिपक्ष, बिहार विधान परिषद एवं बिहार की प्रथम महिला मुख्यमंत्री रही राबड़ी देवी के साथ एक अपरिपक्व और राजनीतिक विद्वेषपूर्ण, पक्षपातपूर्ण तथा बदले की भावना वाला व्यवहार क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि ईर्ष्या, द्वेष और शत्रुता की भावना से प्रेरित होकर सरकार कार्य कर रही है।

अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सीएम सम्राट चौधरी से कई सवाल भी किए, जिसमें कई सरकारी आवासों के आवंटन को लेकर प्रश्न किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'लोक लाज और स्थापित लोकतांत्रिक मूल्य और परंपराओं को त्याग कर सम्राट चौधरी अगर ऐसे ही द्वेषपूर्ण निम्नस्तरीय राजनीति करेंगे तो राष्ट्रीय जनता दल के लोग अपना आवास और सुरक्षा सम्राट चौधरी को वापस देंगे ताकि वह उन सभी आवास और सुरक्षा को स्वयं के प्रयोग में ला सके।'

इस प्रेस वार्ता को प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल और अनुसूचित जाति, जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवचंद्र राम ने भी संबोधित किया। बता दें कि सरकार ने 10 सर्कुलर रोड को खाली करने का नोटिस पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को दिया है। बदले में उन्हें 39, हार्डिंग रोड वाला बंगला अलॉट किया गया है, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने 10 सर्कुलर रोड वाला बंगला छोड़ने से इनकार कर दिया है।

इस बीच पटना जिला प्रशासन ने राजद नेता राबड़ी देवी से नव-आवंटित आवास संख्या 39, हार्डिंग रोड में शिफ्ट करने का अनुरोध किया है। प्रशासन ने राजद नेता को 15 दिन का समय दिया है, जिसके बाद कानूनी कार्रवाई की बात कही गई है।

तृणमूल ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को निष्कासित किया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को दो विधायकों, ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया। पार्टी के अनुसार, इस निर्णय की सूचना उन्हें ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से, साथ ही पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बसु को भी दे दी गई है। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा राज्य सचिवालय नबन्ना से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने के कुछ ही मिनट बाद हुआ, जिसमें उन्होंने घोषणा की कि तृणमूल विधायकों ऋतब्रत और संदीपन ने ही विधानसभा हस्ताक्षर जालसाजी मामले के संबंध में अध्यक्ष को लिखित शिकायत सौंपी थी।

केरल हाई कोर्ट ने मेडिकल कॉलेजों में परिसर में होने वाले उत्पीड़न के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने कुछ मेडिकल कॉलेजों में व्याप्त संस्कृति की कड़ी निंदा की है। कोर्ट ने सोमवार को शिक्षकों द्वारा उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने और छात्रों की सुरक्षा के लिए सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन का सुझाव दिया।

ये टिप्पणियां हाल ही में एक छात्र की आत्महत्या से जुड़े मामले में आरोपी एक दंत चिकित्सा कॉलेज के प्रोफेसर द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान की गईं।

हालांकि, कोर्ट की टिप्पणियां व्यक्तिगत मामले के तथ्यों से कहीं आगे बढ़कर व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों के भीतर एक व्यापक और गंभीर समस्या को छू गईं। जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने कहा कि यह मुद्दा इतना गंभीर हो गया है कि राज्य सरकार द्वारा व्यवस्थित जांच की आवश्यकता है। जस्टिस ने कार्यवाही के दौरान टिप्पणी की कि केरल में मेडिकल कॉलेज छात्रों को बर्बाद कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। वे छात्रों, यहां तक ??कि स्नातकोत्तर छात्रों के साथ भी बहुत क्रूरता से व्यवहार कर रहे हैं। कई शिकायतें हैं। यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। शैक्षणिक परिणामों के डर से कई छात्रों के चुप रहने पर चिंता व्यक्त करते हुए कोर्ट ने कहा कि पीड़ित अक्सर निरंतर उत्पीड़न झेलने के बावजूद शिक्षकों या कॉलेज अधिकारियों को चुनौती देने से कतराते हैं।

न्यायाधीश ने सुझाव दिया कि छात्रों से गोपनीय प्रतिक्रिया प्राप्त करने, समस्या की सीमा का अध्ययन करने और उपचारात्मक उपायों की सिफारिश करने के लिए एक स्वतंत्र समिति का गठन किया जाए। कोर्ट ने संस्थागत व्यवहार के एक खतरनाक चक्र की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसकी तुलना उसने 'सास सिंड्रोम' से की, एक ऐसी स्थिति जहां उत्पीड़न का शिकार हुए व्यक्ति अधिकार प्राप्त करने के बाद उसी तरह की प्रथाओं को दोहराते हैं। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब देश भर के व्यावसायिक कॉलेजों से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक दबाव और शिक्षकों द्वारा कथित रूप से धमकाने की आशंकाओं के बारे में लगातार शिकायतें आ रही हैं। इस साल की शुरुआत में कन्नूर में एक डेंटल कॉलेज के छात्र की मौत के बाद यह मुद्दा फिर से चर्चा में आया।

पीएम स्वनिधि योजना ने व्यवसाय को दी नई दिशा छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के छह वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर के लाखों रेहड़ी-पटरी और छोटे कारोबारियों की सफलता की कहानियां सामने आ रही हैं। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता का माध्यम बनी है, बल्कि छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके व्यवसाय को नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

हरियाणा के फरीदाबाद निवासी राजेश कुमार इसकी एक मिसाल हैं। वर्षों से चोले-भटूरे का ठेला लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाले राजेश कुमार सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे थे। बढ़ती महंगाई और कारोबार की चुनौतियों के बीच उनके लिए व्यवसाय को आगे बढ़ाना आसान नहीं था। ऐसे समय में पीएम स्वनिधि योजना उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। योजना के तहत मिले ऋण ने उन्हें अपने कारोबार को संभालने और विस्तार देने में मदद की। इसके अलावा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के वेबिनार के माध्यम से उन्हें खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण सेवा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त हुईं। उन्होंने साफ-सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता और सुरक्षित खाद्य सामग्री के उपयोग जैसी अच्छी आदतों को अपनाया, जिससे ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा।

झील, जंगल और घाट... गर्मियों में राहत का पूरा पैकेज है उत्तर प्रदेश

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तपन, चिलचिलाती धूप और लू की वजह से खानपान से लेकर घूमना-फिरना तक मुश्किल हो चुका है। ऐसे में जो शब्द सबसे खास है वो है ठंडक... फिर वो खाने की चीज हो या घूमने की जगह। ऐसे में गर्मी के मौसम में पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र बनकर उत्तर प्रदेश उभर रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था, वन्यजीव पर्यटन और शांत वातावरण का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है।

राज्य के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद पर्यटन स्थल लोगों को गर्मी से राहत देने के साथ यादगार अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग भी लोगों को इन खास स्थलों की यात्रा के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यूपी में जहां एक तरफ चिलचिलाती धूप है, वहीं दूसरी तरफ कई पर्यटन स्थल हैं, जो प्राकृतिक ठंडक, हरी-भरी वादियां, शीतल जलाशय और आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं। उत्तर प्रदेश में हर सफर कुछ नया लेकर आता है। खूबसूरत नजारों से लेकर ताजगी भरी जगहों तक, हर कोना एक नया अनुभव और यादें देता है।

कुसुम सरोवर, गोवर्धन, मथुरा:- मथुरा के गोवर्धन में स्थित कुसुम सरोवर राधा-कृष्ण की लीलाओं से जुड़ा पवित्र स्थल है। 450 फीट लंबा और 60 फीट गहरा यह तालाब चारों ओर फूलों और हरियाली से घिरा है। राजस्थानी शैली के घाट और शांत वातावरण गर्मियों में मानसिक शांति देता है। सूर सरोवर पक्षी अभयारण्य (कीथम झील), आगरा:- यह अभयारण्य गर्मियों में पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग की तरह है। साल 1991 में अभयारण्य घोषित यह जगह 126 से अधिक जलपक्षी प्रजातियों का घर है। हॉग हिरण, चित्तीदार हिरण और मॉनिटर छिपकली आसानी से दिख जाते हैं। हरे-भरे जंगलों और शांत झील के किनारे गर्मी की थकान उतर जाती है। आगरा से मात्र 20 किमी दूर यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए बेहद खास है।

रामगढ़ ताल, गोरखपुर:- पूर्वांचल का मरीन ड्राइव कहे जाने वाले रामगढ़ ताल गर्मियों में और भी खूबसूरत दिखता और नया रूप ले लेता है। पहले उपेक्षित यह ताल अब पर्यटकों से खचाखच भरा रहता है। 678 हेक्टेयर में फैली यह झील शाम को बेहद मनमोहक लगती है। योगी सरकार ने इसे विकसित किया है। एनजीटी की निगरानी में संरक्षित यह ताल गोरखपुर घूमने वालों के लिए प्रमुख आकर्षण बन गया है।

18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन शुरू

नई दिल्ली। 27 राज्यसभा सीटों (जिसमें द्विवार्षिक और उपचुनाव शामिल हैं) और तीन राज्यों की राज्य विधान परिषदों के चुनावों के लिए नामांकन प्रारंभ हो गए हैं। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने एक औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी।

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि अगर चुनाव में मुकाबला होता है तो मतदान 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, जिसके बाद शाम 5 बजे वोटों की गिनती होगी। बयान में कहा गया, 'आयोग ने चुनाव कार्यक्रम के संबंध में अधिसूचनाएं जारी कर दी हैं और रिटर्निंग अधिकारियों तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारियों (द्विवार्षिक और उपचुनाव दोनों के लिए) की नियुक्ति कर दी है। नियुक्ति का विवरण सोमवार को भारत के राजपत्र/राज्य राजपत्रों में प्रकाशित किया गया है।'

इसके साथ ही, इन सभी चुनावों के लिए नामांकन सोमवार को सुबह 11 बजे शुरू हो गए। चुनाव आयोग ने बताया कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून, दोपहर 3 बजे तक है।

बयान में कहा गया, 'इनमें से प्रत्येक चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) द्वारा 9 जून, 2026 को की जाएगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून निर्धारित की गई है।' राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक और मिजोरम में होंगे। चुनाव आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में राज्यसभा के उपचुनाव होंगे, जिनमें प्रत्येक राज्य में एक-एक सीट के लिए चुनाव होगा। बिहार में राज्य विधान परिषद के लिए द्विवार्षिक चुनाव नौ सीटों पर होगा। कर्नाटक में, राज्य विधान परिषद के लिए द्विवार्षिक चुनाव सात सीटों पर होगा।

संक्षिप्त खबरें

गैस पाइप लाइन में अनियमितता, एकता कॉलोनीवासी प्यासे, नेता प्रतिपक्ष से मिले

रायपुर। रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत आने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 02 के अंतर्गत आने वाले एकता नगर जहां हजारों की संख्या में लोग निवास करते हैं आज सभी बुजुर्ग महिला बच्चे अपने परिवार सहित रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी मिलकर अपनी एकता नगर की कॉलोनी में विगत 10 दिनों से पानी नहीं आ पाने की शिकायत की उन्होंने बताया कि हम सभी कॉलोनी वासी दैनिक उपयोग हेतु और पीने के पानी हेतु लगातार इस भीषण गर्मी में परेशान हो रहे हैं, जिससे कि हमारे रोजमर्रा के कार्यों में भी असर पड़ रहा है, हम अपने काम पर नहीं जा पा रहे हैं। हम रोज कमाने खाने वाले लोग हैं पानी के कारण हम काफी परेशान हो गए है, जिस पर तत्काल नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने जोन क्रमांक 8 के जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल जी से एकता नगर की पानी की समस्या की जानकारी ली जिस पर जोन कमिश्नर ने बताया की एससी जी कंपनी जो रायपुर में गैस की पाइपलाइन डाल रही है उक्त गैस की पाइपलाइन के कारण कई जगह पीने के पानी की पाइप लाइनों में छेद हो गए हैं कई जगह पीने के पानी की पाइपलाइन डैमेज हो गई है लीकेज के कारण मिट्टी का भराव इतना हो गया है कि पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही जिस पर नेता के विपक्ष तिवारी ने जोन कमिश्नर को कहा की जल्द से जल्द पाइपलाइन को सुधारा जाए लोगों को गैस की पाइपलाइन से ज्यादा पीने के पानी की आवश्यकता है।

अमित जोगी ने की शिकायत साइबर सेल ने शुरू की जांच

रायपुर। जेसी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के नाम से सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित बकरीद शुभकामना पोस्टर विवाद को देखते हुए अमित जोगी की शिकायत पर गौरेला थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से मामले की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से फेसबुक सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्टर में अमित जोगी की तस्वीर के साथ बकरीद की शुभकामनाएं दी गई थीं। हालांकि पोस्टर में बकरे के साथ गाय की तस्वीर भी दिखाई गई थी, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया था।

हिंदूवादी संगठनों का आरोप था कि इस तरह के पोस्टर से धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं और क्षेत्र का सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। विवाद बढ़ने के बाद अमित जोगी ने सामने आकर पोस्टर को पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया था। अमित जोगी ने आरोप लगाया था कि राजनीतिक द्वेष के चलते उनकी छवि खराब करने और जिले का सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। भारतीय न्याय संहिता की धाराएँ 196, 336(3), 356 (2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत कार्रवाई प्रारंभ हो चुकी है।

3 महीने में फैसला, वरना एक्शन!

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन विभाग में सालों से धूल खा रही विभागीय जांच फाइलों पर अब बड़ा एक्शन होने वाला है। वन मंत्री केदार कश्यप ने साफ कह दिया है कि पुराने सभी जांच प्रकरण अगले 3 महीने के भीतर निपटाए जाएं, नहीं तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी और कार्रवाई भी होगी। मंत्री ने कहा कि कई मामलों में जांच प्रस्ताव 4-5 साल बाद भेजे जाते हैं, जबकि कुछ केस तो कर्मचारियों के रिटायर होने के बाद सामने आते हैं। ऐसी व्यवस्था न सुशासन के अनुरूप है और न ही कर्मचारियों के हित में। केदार कश्यप ने कहा कि लंबे समय तक जांच लंबित रहने से कर्मचारियों को मानसिक, सामाजिक और सेवा संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। पदोन्नति, पेंशन और करियर तक प्रभावित हो जाता है। अगर कर्मचारी दोषी है तो समय पर कार्रवाई होनी चाहिए और अगर निर्दोष है तो उसे जल्द राहत मिलनी वन मंत्री ने विभाग को निर्देश दिए हैं कि एक महीने के भीतर सभी लंबित मामलों का पूरा ब्यौरा तैयार किया जाए और प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि जवाबदेही तय किए बिना प्रशासनिक सुधार संभव हो सके।

करोड़ों की शासकीय जमीन को प्लॉट बनाकर बेच दिया

अब राजस्व मंत्री ने मांगी है जानकारी

रायपुर। खैरागढ़ में सरकारी जमीन का ऐसा मामला सामने आया है, जिसने शासकीय रिकॉर्ड, राजस्व व्यवस्था और वर्षों से चल रही रजिस्ट्रियों की पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिन जमीनों को सरकारी दस्तावेजों में एडवर्ड पार्क, छोटे झाड़ का जंगल, सार्वजनिक उपयोग की भूमि बताया गया, उन्हीं जमीनों को प्लॉट में तब्दील कर करोड़ों रुपये में बेच दिया गया। अब जब जांच रिपोर्ट सामने आई है तो शहर में एक ही चर्चा है, आखिर इतने साल तक सिस्टम सोता रहा या सब कुछ देखकर भी आंखें मूंदे रहा?

पूरा मामला खैरागढ़ के खसरा नंबर 114, 115, 169 और 170 से जुड़ा है। संयुक्त जांच प्रतिवेदन में इन जमीनों के स्वरूप को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बड़ी मात्रा में जमीन की खरीदी-बिक्री हुई, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में भूमि का स्वरूप सामान्य निजी जमीन जैसा नहीं बताया गया था। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे प्रकरण में जमीन की कीमत ने भी कई रंग बदले। सूत्र बताते हैं कि मूल विक्रेता ने कई हिस्से लगभग

दो से तीन हजार रुपये प्रति वर्गफीट की दर से बेचे थे। इसके बाद बिचौलिये मैदान में उतरे और वही जमीन सात से आठ हजार रुपये प्रति वर्गफीट तक पहुंच गई। यानी सरकारी रिकॉर्ड चाहे जो कहते रहे, लेकिन बाजार में जमीन सोने की तरह बिकती रही।

जानकारी के अनुसार, जब रियासतकालीन जमीनों का रिकॉर्ड तैयार हुआ तब कई जमीनों का प्रकार तो सरकारी, सार्वजनिक उपयोग या जंगल मद में दर्ज किया गया, लेकिन मेंटेनेंस खसरों के स्वामित्व कॉलम में तत्कालीन राजपरिवार के नाम बने रहे। धीरे-धीरे यही कॉलम असली मालिकाना हक की तरह इस्तेमाल होने लगा और यहीं से शुरू हुआ करोड़ों की जमीनों का खेल। कानूनी जानकार भी मानते हैं कि केवल मेंटेनेंस खसरे में नाम दर्ज होने से पूर्ण स्वामित्व सिद्ध नहीं हो जाता। कई न्यायिक टिप्पणियों में भी यह कहा गया है कि राजस्व रिकॉर्ड या खसरा प्रविष्टियां अपने आप मालिकाना हक का अंतिम प्रमाण नहीं होतीं। यानी सवाल अब और बड़ा हो गया है, यदि जमीन का मूल स्वरूप सरकारी या सार्वजनिक उपयोग का था तो फिर वर्षों तक रजिस्ट्री, नामांतरण और निर्माण कार्य किस आधार पर होते रहे?

नगर एवं ग्राम निवेश विभाग ने भी स्पष्ट किया है कि संबंधित भूमि का कोई स्वीकृत ले-आउट नहीं था। जांच में बिना अनुमति भूमि विभाजन और उपविभाजन की बात सामने आई है। इसके बावजूद जमीन के टुकड़े हुए, रजिस्ट्रियां हुईं, लोगों ने मकान बनाए और करोड़ों रुपये का कारोबार चलता रहा। यही वजह है कि अब लोगों का गुस्सा केवल जमीन बेचने वालों पर नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर है। शहर में छोटे-छोटे मामलों में जंगल मद और राजस्व नियमों का हवाला देकर निर्माण रोक दिया जाता है, लेकिन यहां करोड़ों रुपये की जमीन पर सालों तक सब कुछ चलता रहा और किसी विभाग को कुछ गलत दिखाई नहीं दिया।

मामला शासन स्तर तक पहुंचा

यह मामला अब शासन स्तर तक पहुंच चुका है। छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने साफ कहा है- 'मामले से संबंधित शिकायत और जांच प्रतिवेदन मुझे उपलब्ध कराइए। यदि जांच में अनियमितता सामने आई है, तो मैं यह जानकारी लूंगा कि अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। पूरे प्रकरण की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।' राजस्व मंत्री का यह बयान आते ही अब पूरा मामला और गर्मा गया है। शहर में चर्चा है कि यदि जांच सचमुच गहराई तक गई तो सवाल सिर्फ जमीन बेचने वालों तक सीमित नहीं रहेंगे।

ढेबर-टुटेजा नेटवर्क की संपत्तियां अटैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने बाल विकास अधिकारी और पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा से जुड़ी 1 हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति बाजार मूल्य से जुड़ी है।

ईडी का दावा है कि 2019 से 2023 के बीच आरोपियों ने शराब घोटाला कर 2883 करोड़ रुपये से ज्यादा की अवैध कमाई की है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए विकास अग्रवाल और अटल ढेबर के साथ कई संपत्तियां जुड़ी हुई हैं। रायपुर के ढेबर शहर सहित कई जमीनें ईडी ने कुर्क की हैं। गोवा के अंजुना स्थित विला होटल 'वेस्टिन गोवा' को भी इसमें शामिल किया गया है।

एचडी ने जो स्टोरी जारी की है उसमें धन शोधन चोट अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत तीन अनंतिम कुर्की ऑर्डर (पीएओ) जारी किए गए हैं, जिसमें 200 करोड़ रुपये की विलेख कीमत और 1000 रुपये से अधिक के संयुक्त बाजार मूल्य के साथ इकाई को अल्प रूप से जोड़ा गया है। ईओडब्ल्यू/एसीबी, रायपुर के संस्थापक एवं संस्थापक के आधार पर पीएचडी की जांच से पता चला है कि 2019 से 2023 के बीच छत्तीसगढ़ उत्पाद शुल्क तंत्र में स्थायी रूप से कारोबार और 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने वाले एक शेयरधारक ने पुराने राज्य अधिकारियों, शराब बनाने वाली भट्टियों के उद्यमियों और निजी अनुयायियों के साथ साझेदारी की। शराब की खरीद में कृत्रिम वृद्धि, अवैध रूप से बिना खाते वाली शराब का निर्माण और पसंदीदा संपत्तियों को दिए गए एफएल-10ई लाइसेंस के माध्यम से कमीशन की खरीद के जरिए 2,883 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। पहले पीएओ ने विकास अग्रवाल और अटल ढेबर के रिश्ते में अचल संपत्ति को कुर्क किया था। विकास अग्रवाल सिंडिकेट के जमीनी स्तर के वित्तीय प्रबंधक के रूप में काम करते थे। डिस्टिलरी और एफएल -10 ए लाइसेंस स्ट्राट से कमीशन इकठ्ठा करते थे और सीधे असलियत ढेबर को फंड जुटाते थे। विकास अग्रवाल के परिवार के समूह के नाम पर मौजूद समूह का नाम उनके अपराध की आय के बराबर मूल्य के रूप में संलग्न है।

अव्यवस्था पर रमन सिंह ने अधिकारियों को लगाई फटकार

बेमेतरा। बेमेतरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम उस वक्त चर्चा में आ गया, जब विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह अधिकारियों पर खुलकर नाराज हो गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में उन्होंने कलेक्टर और एसपी को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

तेज आंधी और बारिश के चलते कार्यक्रम की व्यवस्थाएं पूरी तरह बिगड़ गईं। मंच पर स्वागत-सम्मान की व्यवस्था से लेकर वैकल्पिक इंतजाम तक कई खामियां सामने आईं। हालात ऐसे बन गए कि मुख्यमंत्री का आशीर्वाद समारोह, लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम तक रद्द करना पड़ा। बारिश के दौरान लोग कुर्सियां सिर पर रखकर खुद को बचाते नजर आए। वहीं मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और कई मंत्री घंटों तक कार्यक्रम के आगे बढ़ने का इंतजार करते रहे, लेकिन प्रशासन वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर सका। रेस्ट हाउस में आयोजित छोटे कार्यक्रम के दौरान रमन सिंह ने अधिकारियों को जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि अपने 15 साल के मुख्यमंत्री कार्यकाल में उन्होंने ऐसी अव्यवस्था कभी नहीं देखी।

तहसीलदार और नायब तहसीलदार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। मैनपाट के राजापुर उप तहसील में नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ हुई मारपीट के मामले में अब पूरे प्रदेश के राजस्व अधिकारियों ने आर-पार की जंग छेड़ दी है। मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के आह्वान पर आज से प्रदेशभर के तहसीलदार और नायब तहसीलदार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। सभी अधिकारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे।

क्यों भड़का है कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ?

दरअसल इस गंभीर घटना के विरोध में बीते 29 मई को भी प्रदेशव्यापी सामूहिक अवकाश लेकर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध जताया गया

था। अधिकारियों ने शासन-प्रशासन से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। इसके बावजूद अब तक पुलिस ने मुख्य आरोपियों पर हाथ नहीं डाला है। संघ का कहना है कि अगर फील्ड पर काम करने वाले कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों और अधिकारियों के साथ ऐसी गुंडागर्दी होगी और कार्रवाई नहीं की जाएगी, तो अधिकारियों का मनोबल टूटेगा और वे खौफ के साए में काम करने को मजबूर होंगे।

जानिए 27 मई की शाम राजापुर उप तहसील में क्या हुआ था

पूरे विवाद की शुरुआत मैनपाट की राजापुर उप तहसील से हुई। बताया जा रहा है कि सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो की चचेरी बहन सीमा धनकी ने शाख शोध पत्र के लिए 14 मई को फाइल जमा की थी। आरोप है कि वे काम के सिलसिले में दफ्तर के चक्कर काट रही थीं। बुधवार (27 मई) को जब वे दोबारा दफ्तर पहुंचीं, तो उनकी नायब तहसीलदार तुषार मानिक से फाइल साइन करने को लेकर बहस हो गई। सीमा धनकी का आरोप है कि नायब तहसीलदार ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और दफ्तर से बाहर जाने को कह दिया। इसकी जानकारी जब उन्होंने विधायक को दी, तो विधायक के समर्थक भारी संख्या में उप तहसील कार्यालय पहुंच गए।

एसडीएम की मौजूदगी में हुई मारपीट, गाड़ी में बैठाकर भागे

मामला तब और बिगड़ गया जब शाम करीब 6 बजे विधायक रामकुमार टोप्पो ने सीतापुर लौट चुके नायब तहसीलदार को वापस राजापुर बुलाया। मौके पर स्थिति को संभालने के लिए एसडीएम फागेश सिन्हा भी पहुंचे।

सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में की ये गलती तो सीधे सस्पेंड होंगे अधिकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरों में अब सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई को लेकर सरकार ने बेहद कड़ा रुख अपना लिया है। रायपुर से लेकर बिलासपुर और दुर्ग तक, अगर किसी भी गटर या सेप्टिक टैंक में बिना मशीन और बिना सुरक्षा के किसी सफाईकर्मी को उतारा गया, तो सीधे उस इलाके के नगर निगम कमिश्नर या सीएमओ नपेंगे। नगरीय प्रशासन विभाग ने इसके लिए बकायदा कड़ा आदेश जारी कर दिया है। सरकार का साफ कहना है कि अब हादसों पर कोई बहाना नहीं चलेगा, सीधे अफसरों की कुर्सी जाएगी।

अब सीधे साहब की तय होगी जिम्मेदारी

रायपुर के डंगनिया और पंडरी जैसे इलाकों में पहले भी गटर सफाई के दौरान हादसे हो चुके हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विभाग ने साफ कर दिया है कि अगर किसी सफाईकर्मी को चोट आई या कोई अनहोनी हुई, तो इसके लिए

संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। सूत्रों की मानें तो लापरवाही मिलने पर तत्काल सस्पेंशन और विभागीय जांच शुरू कर दी जाएगी। सरकार ने इसे 'गंभीर कर्तव्यहीनता' की कैटेगरी में डाला

बिना ट्रेनिंग गटर में उतरे तो ठेका रद्द

नियम अब इतने सख्त हो गए हैं कि कोई भी ठेकेदार या प्राइवेट एजेंसी किसी भी ऐरे-गैरे को सफाई के काम पर नहीं लगा सकती।

सिर्फ उन्हीं लोगों से काम लिया जाएगा जो पूरी तरह ट्रेंड हैं और जिनका रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अगर कोई ठेकेदार बिना ट्रेनिंग वाले मजदूर से जोखिम भरा काम कराता पकड़ा गया, तो उसका ठेका तुरंत रद्द होगा। साथ ही उस पर कानूनी केस भी दर्ज कराया जाएगा।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली रद्द की गई 86 ट्रेन फिर से बहाल

एम.पी. महाराष्ट्र, बिहार और प. बंगाल के लाखों यात्रियों को मिलेगी राहत

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर ने 7 से 19 जून के बीच बिलासपुर से चलने वाली 86 ट्रेनों को रद्द कर दिया था। रेलवे ने फिर से घोषणा की है कि ये सभी 86 ट्रेनें उक्त तिथि में भी अपने निर्धारित समय और रूट पर चलेंगी। अर्थात इन ट्रेनों को रद्द करने के आदेश को वापस ले लिया गया है।

रायपुर, 1 जून 2026। छत्तीसगढ़ और आसपास के राज्यों के लाखों रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन ने 7 जून से 19 जून के बीच रद्द की गई सभी 86 ट्रेनों को दोबारा संचालित करने का फैसला किया है। इनमें 76 एक्सप्रेस और 10 पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। पहले चांपा स्टेशन पर चौथी रेल लाइन के निर्माण कार्य के चलते इन ट्रेनों को रद्द किया गया था, लेकिन यात्रियों की बढ़ती परेशानी को देखते हुए रेलवे ने फिलहाल इस कार्य को स्थगित कर दिया है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि चांपा स्टेशन पर चौथी रेल लाइन के लिए प्रस्तावित नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कई ट्रेनों को रद्द और कुछ के रूट में बदलाव किया गया था। हालांकि अब इस कार्य को आगामी आदेश तक टाल दिया गया है। इसके चलते पहले से घोषित सभी रद्द ट्रेनें फिर से अपने निर्धारित समय और मार्ग पर संचालित की जाएंगी। इस फैसले से छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

चंदखुरी में बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का शुभारंभ

रायपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी बैंकिंग सेवाओं के विस्तार एवं ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चंदखुरी में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया। शाखा का उद्घाटन अजय कुमार यादव, आईपीएस, निदेशक, राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी, रायपुर एवं दिवाकर पी. सिंह, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, रायपुर अंचल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

उद्घाटन समारोह में राज बीर सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक एवं अंकित जायसवाल, उप क्षेत्रीय प्रबंधक सहित बैंक के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राहक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने शाखा परिसर का अवलोकन कर बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर अतिथियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा बैंकिंग सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि चंदखुरी में नई शाखा के प्रारंभ होने से क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों एवं उद्यमियों को बैंकिंग सेवाएं अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक रूप से उपलब्ध होंगी। इससे न केवल ग्राहकों को लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

जनता से अशिष्ट व्यवहार पर दुर्ग जनपद सीईओ निलंबित

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से अशिष्ट व्यवहार और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दुर्ग संभागायुक्त को दिए थे। मुख्यमंत्री साय के निर्देशों के परिपालन में कमिश्नर दुर्ग ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग, रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

संभागायुक्त दुर्ग द्वारा जारी निलंबन आदेश में उल्लेखित है कि कलेक्टर दुर्ग से प्राप्त प्रस्ताव एवं ग्राम थनौद में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में पाण्डेय द्वारा आम जनता से अशिष्ट व्यवहार संबंधी वीडियो क्लिप के अवलोकन से प्रथम

दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार एवं शिविर में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही तथा अशिष्टतापूर्ण व्यवहार किया। यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के विपरीत है। इस संबंध में आयुक्त दुर्ग द्वारा पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किंतु उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के तहत प्रत्येक शासकीय सेवक को सदैव पूर्ण रूप से सत्यनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण रहना है तथा ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जो शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय हो। नियम 3-क के खण्ड (क) के अनुसार, कोई भी शासकीय सेवक अपने पदीय कृत्यों के पालन में अशिष्टता से कार्य नहीं करेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासन तंत्र आम नागरिकों के प्रति उत्तरदायी होता है, इसलिए प्रत्येक लोकसेवक द्वारा आम नागरिकों से शिष्ट व्यवहार को आचरण संहिता का महत्वपूर्ण घटक माना गया है। तदनुसार रूपेश कुमार पाण्डेय को कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही एवं कदाचरण के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

संपादकीय

भारत नेपाल सीमा विवाद के ऐतिहासिक और राजनीतिक आयाम

महेन्द्र तिवारी

भारत और नेपाल के मध्य सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध रहे हैं जो विश्व पटल पर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। दोनों देशों के बीच लगभग 1751 किलोमीटर की लंबी खुली सीमा है। दोनों राष्ट्रों के नागरिक बिना किसी विशेष अनुमति पत्र के एक दूसरे के देश में अबाध रूप से आ जा सकते हैं, कार्य कर सकते हैं और व्यापार कर सकते हैं। पशुपतिनाथ और काशी विश्वनाथ जैसे पवित्र स्थल दोनों देशों की आस्था को एक समान सूत्र में बांधते हैं। इसके अतिरिक्त दोनों देशों के बीच अत्यंत प्रगाढ़ पारिवारिक और सामाजिक संबंध हैं। आर्थिक रूप से भी नेपाल अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए मुख्य रूप से भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर करता है। भारत नेपाल को पेट्रोलियम, खाद्यान्न, दवाइयाँ और बिजली जैसी आवश्यक वस्तुएँ निरंतर प्रदान करता है। वर्ष 1950 की शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के संबंधों की आधारशिला है। इस संधि ने नेपाल के नागरिकों को भारत में रोजगार और निवास करने के वे सभी अधिकार दिए हैं जो किसी भारतीय नागरिक को प्राप्त हैं। भारतीय सेना में गोरखा सैनिक इसका एक गौरवशाली प्रमाण हैं जो दशकों से भारत की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च योगदान देते आए हैं। इतनी गहरी मित्रता और निर्भरता के बावजूद दोनों देशों के बीच सीमा से जुड़े कुछ संवेदनशील विषय समय समय पर कूटनीतिक तनाव का कारण बनते रहे हैं।

हाल ही में काठमांडू के महापौर बालेन्द्र शाह के एक वक्तव्य ने इस पुराने सीमा विवाद को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। नेपाल की संसद और सार्वजनिक मंचों पर इस विषय ने एक नई बहस को जन्म दिया है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है बल्कि नेपाल के लोगों ने भी कुछ स्थानों पर भारतीय भूमि का उपयोग किया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दोनों देशों को कूटनीतिक वार्ताओं, इतिहासकारों और सर्वेक्षण विशेषज्ञों की सहायता से इस विवाद का स्थायी समाधान खोजना चाहिए। नेपाल की राजनीति में जहाँ अक्सर राजनीतिक लाभ लेने के लिए भड़काऊ भावनाएं फैलाई जाती हैं, वहाँ एक लोकप्रिय युवा नेता द्वारा इस प्रकार का संतुलित और दोनों पक्षों की कमियों को स्वीकार करने वाला वक्तव्य आना एक अप्रत्याशित घटना थी। उनके इस बयान का नेपाल के भीतर कड़ा विरोध भी हुआ जिसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि महापौर का आशय सीमा पार खेती और स्थानीय निवासियों द्वारा भूमि के उपयोग से था न कि किसी राजनीतिक कब्जे से।

भारत और नेपाल के बीच मुख्य सीमा विवाद कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता क्षेत्रों को लेकर है। कालापानी क्षेत्र भारत के उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जिले के पास स्थित है और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र भारत, नेपाल और तिब्बत के त्रिकोणीय भूभाग के पास स्थित है। वर्ष 1962 के युद्ध के बाद से भारत ने यहाँ अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। लिपुलेख दर्रा कैलाश मानसरोवर यात्रा के मुख्य मार्ग के रूप में भी जाना जाता है। इस विवाद की ऐतिहासिक जड़ें वर्ष 1816 की सुगौली संधि में निहित हैं जो ब्रिटिश शासकों और नेपाल के राजा के बीच हुई थी। इस संधि के अनुसार महाकाली नदी को दोनों देशों के बीच की पश्चिमी सीमा माना गया था। सारा विवाद इस बात पर केंद्रित है कि महाकाली नदी का वास्तविक उद्गम स्थल कौन सा है। नेपाल का दावा है कि नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है जिसके आधार पर कालापानी और लिपुलेख उसके भूभाग का हिस्सा बन जाते हैं। दूसरी ओर भारत का स्पष्ट मानना है कि नदी का उद्गम कालापानी के पास से होता है और इसलिए यह पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है।

वर्ष 2020 में यह कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर पहुँच गया था जब भारत ने धारचूला से लिपुलेख तक एक नई सड़क का निर्माण किया ताकि तीर्थयात्रियों को सुविधा हो सके। इसके प्रतिक्रिया स्वरूप नेपाल सरकार ने अपना नया राजनीतिक मानचित्र जारी कर दिया जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दर्शाया गया। इस कदम ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक संवाद को लगभग रोक दिया था। नेपाल के कुछ नेताओं ने इस विवाद में ब्रिटेन और चीन के साथ संवाद करने की बात भी कही थी। भारत हमेशा से यह दृढ़तापूर्वक मानता रहा है कि भारत और नेपाल के बीच का सीमा विवाद पूरी तरह से एक द्विपक्षीय विषय है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल के पूर्व कूटनीतिज्ञों और सीमा विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि भारत और नेपाल के बीच लगभग 97 प्रतिशत सीमा का निर्धारण सफलतापूर्वक हो चुका है और केवल कुछ ही स्थानों पर सीमा स्तंभों की स्थिति को लेकर भ्रम है। सुस्ता क्षेत्र का विवाद गंडक नदी के मार्ग बदलने के कारण उत्पन्न हुआ है। नदियों के प्राकृतिक बहाव में परिवर्तन अक्सर सीमावर्ती क्षेत्रों में नई चुनौतियाँ पैदा करता है जिनका समाधान तकनीकी और सर्वेक्षण समितियों द्वारा किया जा सकता है। दोनों देशों के बीच संयुक्त सीमा कार्यसमूह पहले से ही इन विषयों पर कार्य कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो शेष 3 प्रतिशत विवादित सीमा का समाधान भी शांतिपूर्ण ढंग से किया जा सकता है। वर्तमान भूराजनीतिक परिदृश्य में चीन का बढ़ता प्रभाव भी इस विवाद को जटिल बनाता है। चीन नेपाल में भारी मात्रा में आर्थिक निवेश कर रहा है और सड़क, रेल तथा अन्य आधारभूत ढांचों का निर्माण कर रहा है। भारत की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि नेपाल के साथ उसके संबंध मधुर बने रहें ताकि कोई अन्य देश इस कूटनीतिक दूरी का लाभ न उठा सके।

जब ट्रेंड तय करने लगे जनमत

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनमत होता है। यह जनमत किसी एक दिन या एक चुनाव के दौरान निर्मित नहीं होता, बल्कि समाज में निरंतर चलने वाले संवाद, बहस, विचार-विमर्श, सामाजिक अनुभवों, राजनीतिक चेतना और नागरिक भागीदारी की लंबी प्रक्रिया से आकार लेता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का सूचित निर्णय, विभिन्न विचारों का आदान-प्रदान और असहमति के प्रति सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लंबे समय तक भारत में जनमत के निर्माण का आधार प्रत्यक्ष संवाद, जनसभाएँ, सामाजिक संगठन, समाचार-पत्र, पुस्तकें, शिक्षण संस्थान और जनआंदोलन रहे। लेकिन डिजिटल क्रांति के बाद यह परिदृश्य तेजी से बदला है। आज सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह जनमत निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। ऐसे समय में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अब जनमत नागरिकों के स्वतंत्र चिंतन से अधिक सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम द्वारा निर्धारित होने लगा है?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और साथ ही दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता समूहों में से एक भी। करोड़ों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं। समाचारों से लेकर राजनीतिक विचारों तक, समाज के बड़े वर्ग की प्राथमिक जानकारी अब इन्हीं प्लेटफॉर्मों से प्राप्त होती है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहले जहाँ नागरिक किसी मुद्दे पर अखबार पढ़कर, बहस सुनकर या स्थानीय स्तर पर चर्चा करके राय बनाते थे, वहीं अब राय निर्माण की प्रक्रिया काफी हद तक डिजिटल मंचों पर निर्भर हो गई है। इस प्रक्रिया में सोशल मीडिया एल्गोरिदम की भूमिका केंद्रीय हो गई है।

एल्गोरिदम ऐसे तकनीकी तंत्र हैं जो यह तय करते हैं कि किसी उपयोगकर्ता को कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी और कौन-सी नहीं। वे उपयोगकर्ता की पसंद, गतिविधियों, खोज इतिहास और ऑनलाइन व्यवहार का विश्लेषण करके सामग्री का चयन करते हैं। तकनीकी दृष्टि से उनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना होता है, क्योंकि डिजिटल कंपनियों का आर्थिक मॉडल इसी पर आधारित है। लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से यह प्रक्रिया कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि नागरिकों को वही सामग्री दिखाई जाए जो उनकी पूर्व मान्यताओं से मेल खाती हो, तो क्या वे विविध विचारों से परिचित हो पाएँगे? यदि एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि कौन-सा मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो क्या लोकतांत्रिक विमर्श स्वतंत्र रह पाएगा?

आज सोशल मीडिया पर ट्रेंड होना किसी विषय की लोकप्रियता का प्रमुख संकेतक माना जाता है। कोई हैशटैग लाखों बार साझा हो जाए तो वह राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन जाता है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि जो ट्रेंड कर रहा है वही जनभावना का प्रतिनिधित्व कर रहा है। किंतु यह आवश्यक नहीं कि ट्रेंड वास्तव में समाज की व्यापक राय का प्रतिबिंब हो। अनेक बार ट्रेंड संगठित डिजिटल अभियानों, राजनीतिक प्रचार, भुगतान आधारित प्रचार रणनीतियों या बॉट नेटवर्क द्वारा भी निर्मित किए जाते हैं। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल दृश्यता और वास्तविक जनसमर्थन हमेशा समानार्थी नहीं होते।

जमीनी स्तर की राजनीतिक भागीदारी और डिजिटल सक्रियता के बीच का अंतर भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास प्रत्यक्ष जनसहभागिता के अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों ने जेल यात्राएँ कीं, सत्याग्रह किए और सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्तिगत जोखिम उठाए। बाद के दशकों में भी अनेक आंदोलनों ने नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से संगठित किया। इन आंदोलनों में लोगों के बीच संवाद, विश्वास और सामूहिकता का निर्माण होता था। इसके विपरीत डिजिटल सक्रियता अक्सर प्रतीकात्मक भागीदारी तक सीमित रह जाती है। किसी पोस्ट को साझा करना, किसी हैशटैग का समर्थन करना या प्रोफाइल फोटो बदलना आसान है, लेकिन यह हमेशा वास्तविक सामाजिक हस्तक्षेप में परिवर्तित नहीं होता। परिणामस्वरूप राजनीतिक भागीदारी का एक नया स्वरूप विकसित हुआ है जिसमें दृश्यता अधिक और प्रत्यक्ष सामाजिक प्रतिबद्धता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है।

सोशल मीडिया एल्गोरिदम का एक महत्वपूर्ण प्रभाव तथाकथित 'इको चैंबर' और 'फिल्टर बबल' के रूप में सामने आता है। जब कोई व्यक्ति किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखता या पसंद करता है, तो एल्गोरिदम उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाने लगते हैं। धीरे-धीरे वह व्यक्ति ऐसे डिजिटल वातावरण में पहुँच जाता है जहाँ उसे मुख्यत: वही विचार दिखाई देते हैं जिनसे वह पहले से सहमत होता है। इससे वैचारिक विविधता कम हो जाती है और विरोधी विचारों के प्रति असहिष्णुता बढ़ने लगती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने और समझने के लिए तैयार हों। लेकिन यदि एल्गोरिदम नागरिकों को वैचारिक रूप से अलग-अलग खेमों में बाँट दें, तो लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है।

भारत में राजनीतिक ध्रुवीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर विभिन्न राजनीतिक समूह अपने-अपने डिजिटल समुदायों में सक्रिय रहते हैं। इन समुदायों के भीतर साझा की जाने वाली सामग्री अक्सर एक विशेष दृष्टिकोण को पुष्ट करती है और विरोधी विचारों को संदेह, उपहास या शत्रुता की दृष्टि से प्रस्तुत करती है। इससे समाज में संवाद की जगह टकराव की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन जब असहमति संवाद के बजाय वैमनस्य का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है।

फेक न्यूज़ और दुष्प्रचार का प्रश्न भी सोशल मीडिया एल्गोरिदम से गहराई से जुड़ा हुआ है। एल्गोरिदम उन सामग्रियों को अधिक बढ़ावा देते हैं जिन पर लोग तेजी से प्रतिक्रिया देते हैं। अक्सर भावनात्मक और सनसनीखेज सामग्री तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री की तुलना में अधिक तेजी से फैलती है। यही कारण है कि झूठी खबरें, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक वीडियो और मनगढ़ंत दावे सोशल मीडिया पर अत्यंत तेजी से वायरल हो जाते हैं। भारत में कई अवसरों पर फेक न्यूज़ ने सामाजिक तनाव, सांप्रदायिक विवाद और सार्वजनिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न की है। चुनावी राजनीति में भी गलत सूचनाओं का उपयोग मतदाताओं की राय को प्रभावित करने के लिए किया जाता रहा है। जब नागरिकों के निर्णय तथ्यात्मक जानकारी के बजाय दुष्प्रचार पर आधारित होने लगें, तो लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है।

सोशल मीडिया ने राजनीतिक संचार को भी पूरी तरह बदल दिया है। पहले राजनीतिक दलों को जनता तक पहुँचने के लिए रैलियों, सभाओं, पोस्टरों और पारंपरिक मीडिया का सहारा लेना पड़ता था। अब वे सीधे नागरिकों के मोबाइल फोन तक पहुँच सकते हैं। यह सुविधा लोकतंत्र के लिए सकारात्मक भी है क्योंकि इससे सूचना का प्रवाह तेज हुआ है। लेकिन इसके साथ ही माइक्रो-टार्गेटिंग जैसी नई रणनीतियाँ भी विकसित हुई हैं।

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

नीरज कुमार दुबे

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है।

बोध कथा

ज्ञान रुपी दिपक ...

'परम मित्रों ', एक बार एक आदमी बड़े ही धार्मिक भाव से रोज संध्या को दीपक जला कर अपने घर के आगे रखने लगा । लेकिन पड़ोस के लोग उसके दिए को उठा कर ले जाते या कुछ लोग तो उसे बुझा भी देते थे । उसके अपने ही उसे कहने लगे कि क्या तू ज्यादा प्रकाश करना जानता है ? हमने भी अंधेरे बहुत देखे हैं, हमें तो किसी ने प्रकाश नहीं दिखाया आज तक । तुम अपने आपको ज्यादा साधन संपन्न समझते हो क्या

लेकिन दीपक जलाने वाला अपने उसी नियम से रोजाना दीपक जलाता रहा । ना तो वह प्रकाश करने की कोई घोषणा करता था और ना ही अपने दीपक का कोई प्रचार करता था । क्योंकि उसे यह मंजूर नहीं था कि उसके ही घर के सामने कोई भी अंधेरे में ठोकर खाए । इसलिए वह निरंतर ही प्रकाश का दीया प्रकाशित करता रहा । आखिर धीरे-धीरे लोगों को बात समझ में आनी शुरु हो गई । अंधेरे रास्ते पर राहगीरों को दूर से ही प्रकाश में दिखाई पड़ने लगा ।

वही प्रकाश राहगीरों को कहने लगा कि आ जाओ, यह रास्ता सुगम है । यहां प्रकाश है, यहां अंधेरा नहीं है ; रास्ते की ठोकरें साफ नजर आती हैं । जब राहगीर प्रकाश के पास आते, तो वह कहता कि देख कर चलना वहां सामने पत्थर है । इधर पीछे की गली कहीं भी नहीं जाती है, वहां पीछे गली समाप्त हो जाती है । यहां से आगे कोई रास्ता नहीं है । धीरे-धीरे प्रकाश में साफ ही नजर आने लगा कि मार्ग किधर है और किधर नहीं है । कुछ समय पाकर उस प्रकाश के प्रति गांव के लोगों में आदर भरना शुरु हो गया । फिर सभी लोगों ने अपने-अपने घरों के आगे दीपक जलाने शुरू कर दिए ।

फिर उस नगर कमेटी के प्रबंधकों ने भी नगर में प्रकाश की व्यवस्था को सुचारु करने का काम शुरू कर दिया था । फिर सारे नगर में ही प्रकाश फैल गया और धीरे-धीरे पूरी दुनिया ही प्रकाशित होने लगी ।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

जागो मोहन प्यारे!

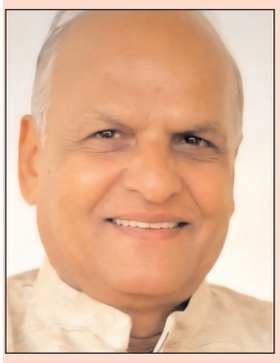

गिरीश पंकज

जागो, मोहन प्यारे, जागो कहते हुए सोते हुए 'महापुरूषों' को जगाने में भयंकर राष्ट्रीय मशक्कत करनी पड़ती है. हमारे देश में दो तरह के लोग होते हैं—एक वो जो सो रहे हैं, और दूसरे वो जो उन्हें जगाने में अपनी ज़िंदगी तबाह कर रहे हैं। वैसे शास्त्रों में लिखा है कि सोते हुए को जगाना पुण्य का काम है, लेकिन आज के कलयुग में यह किसी 'मिशन इम्पॉसिबल' से कम नहीं है।

सोए हुए व्यक्ति को जगाना एक उच्च स्तरीय कूटनीतिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध है. ?शुरुआत डिजिटल क्रांति से होती है। प्राणी रात को पूरे जोश में सुबह चार बार का अलार्म लगाता है. हर पाँच दस मिनट में अलार्म बजता है. सुबह अलार्म बजता है, देश जाग जाता है, पड़ोस का कुत्ता भौंकने लगता है, लेकिन वो महान आत्मा नहीं जागती। उसका हाथ नींद में ही 'स्नूज़' बटन पर ऐसे चलता है जैसे कोई अर्जुन मछली की आंख पर तीर मार रहा हो। अलार्म हार मान लेता है, पर वो नहीं हारता।

जब अलार्म फेल हो जाता है, तो घर के 'कमांडर-इन-चीफ' ये माताजी या पत्नी) की एंट्री होती है। शुरुआत मीठे वचनों से होती है—'बेटा उठ जाओ, सुबह हो गई।' जब इससे कुछ नहीं होता, तो टोन बदलती है— 'सात बज गए हैं!'

जबकि असल में छह बज रहे होते हैं। यह समय का वो ब्रह्मांडीय हेरफेर है जो केवल जगाने वाले ही कर सकते हैं।

इसके बाद शुरू होता है 'ध्वनि प्रदूषण' का दौर:

शुरू होता है. जैसे पंखा बंद कर देना...सिर के नीचे से तकिया खींच लेना आदि आदि । ?और अंत में, रसोई से बर्तनों के टकराने की ऐसी आवाज़ें आना जैसे कोई युद्ध छिड़ गया हो।

लेकिन सोने वाले की प्रतिबद्धता तो देखिए! वह इस पूरे माहौल में भी अपनी चादर ऐसे लपेट लेता है जैसे कोई सैनिक मोर्चे पर खुद को बंकर में छुपा रहा हो। वह करवट बदलेगा, एक गहरी सांस लेगा, और उस शोर को अपनी नींद के सपने में 'बैकग्राउंड म्यूज़िक' की तरह इस्तेमाल कर लेगा।

तमाम कोशिशों के बाद जब वो महाशय अपनी एक आंख खोलते हैं, तो ऐसा अहसान जताते हैं मानो उन्होंने जागकर देश का कोई बहुत बड़ा भला कर दिया हो। उठते ही पहला सवाल दागेंगे— 'क्यों फालतू में चिल्ला रहे हो? अभी तो सिर्फ साढ़े छह हुए हैं!'

सोचिए, जो इंसान खुद को जगाने के लिए पूरे घर को कुरुक्षेत्र बना देता है, वही इंसान जब ऑफिस या समाज में जाता है, तो सिस्टम के खिलाफ आवाज़ उठाने के नाम पर फिर से सो जाता है।सच तो यह है कि हमारे देश में सोने वालों की नींद बहुत पक्की है—चाहे वो सुबह बिस्तर पर सो रहे हों, या ज़िम्मेदारी के वक्त दफ्तर की कुर्सी पर।

उन्हें जगाने के लिए सिर्फ आवाज़ की नहीं, कभी-कभी 'हिला देने वाले' झटके की ज़रूरत होती है। इसलिए अगली बार जब किसी को जगाना हो, तो पानी की बाल्टी तैयार रखिएगा, क्योंकि कूटनीति वहां खत्म होती है जहाँ पानी की बौछार शुरू होती है!

इतिहास

01 जून के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। यहाँ आज के दिन की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं का संक्षिप्त ब्यौरा दिया गया है:1836: हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद का जन्म हुआ था।

1874: ईस्ट इंडिया कंपनी को आधिकारिक रूप से भंग (dissolve) कर दिया गया था।

1924: महान अभिनेता राज कपूर का जन्म हुआ था।1996: एच.डी. देवगौड़ा ने भारत के 11वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी।2001: नेपाल के राजपरिवार में एक दुखद घटना के तहत शाही महल में 'रॉयल नरसंहार' हुआ था। 2021: देश के महान धावक मिल्खा सिंह का कोरोना के कारण निधन हुआ था।

प्रत्येक दिन की तरह आज का दिन भी अतीत की कई खास घटनाओं और सफलताओं की याद दिलाता है।

संक्षिप्त खबरें

तालाब में डूबने से तीन साल की बच्ची की मौत

राजनांदगांव। बसंतपुर इलाके में सोमवार को एक मासूम बच्ची खेलते हुए तालाब के गहरे पानी में चले गई और बच्ची को निकालकर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 11 से 12 बजे के बीच बसंतपुर वार्ड नं. 46 के रहने वाले शेख पीरू की 3 साल की मासूम साहिब खान घर के आसपास खेल रही थी। इसी दौरान उक्त बच्ची खेलते हुए पास के तालाब तक पहुंच गई। मासूम खेलते हुए तालाब के गहरे पानी में चली गई। जिससे उसके डूबने से मौत हो गई। इधर परिजन द्वारा बच्ची की खोज खबर लेने पर तालाब में डूबने की सूचना मिली। इस घटना के बाद तत्काल मासूम को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिजनों व मोहल्ले में शोक का माहौल है।

अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। जिले की पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए चोरी के 16 मामलों का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों जगदीश बंजारा, परमेश्वर राठौर एवं मंहगू मरकाम को गिरफ्तार करते हुए लाखों का चोरी का सामान जब्त किया गया। पुलिस ने इस दौरान कांकेर जिले में लगातार सोलर पंप, सोलर प्लेट पैनल, स्टार्टर एवं केबल वायर चोरी की घटनाओं पर लगाम लगा है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में अपराधिक मामले दर्ज थे, जिसमें थाना नरहरपुर,चौकी दुधावा,चौकी हल्बा,थाना चारामा में 16 मामलों में धारा 303(2) के अंतर्गत मामला सिद्ध होने पर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कर दिया गया है। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा ने बताया कि पिछले लगभग 6 से 8 माह के दौरान थाना नरहरपुर, चौकी दुधावा, चौकी हल्बा तथा थाना चारामा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में किसानों एवं सिंचाई कार्यों में उपयोग किए जाने वाले सोलर प्लेट पैनल सिस्टम, सोलर पंप, स्टार्टर एवं केबल वायर की लगातार चोरी की घटनाए सामने आ रही थी।

महतारी वंदन योजना की लंबित राशि और ई-केवाईसी पर कलेक्टर ने मांगी सप्ताहभर में रिपोर्ट

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले में कुपोषण उन्मूलन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और महिला कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत परीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी गंभीर कुपोषित बच्चा उपचार से वंचित नहीं रहना चाहिए तथा महतारी वंदन योजना के लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के सभी परियोजना अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने गंभीर कुपोषित और मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे होम विजिट, बच्चों के नियमित वजन मापन, स्वास्थ्य परीक्षण और पोषण गतिविधियों की समीक्षा की।

नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए मतदान शुरू, 1300 से अधिक पदों पर मुकाबला

सहसपुर लोहारा में अध्यक्ष पद के लिए रोचक मुकाबला

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम व उपचुनाव के लिए मतदान शुरू हो गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। प्रदेशभर में 1,310 रिक्त पदों के लिए वोटिंग शुरू हुई है। शाम 5 बजे तक मतदान किया गया है। मतगणना 4 जून को होगी और उसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

1,300 से अधिक पदों के लिए मतदान

निर्वाचन आयोग के अनुसार चुनाव में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष के 5 पद, पार्षद के 77 पद, जनपद पंचायत सदस्य के 10 पद, सरपंच के 82 पद और पंच के 1,136 पदों के लिए वोटिंग हो रही है। निकाय चुनाव में कुल 31,928 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं, जबकि पंचायत चुनाव में 1,02,797 मतदाता मतदान किया है। नगरीय निकाय में सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। वहीं पंचायतों में सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक वोटिंग हुई है।

कबीरधाम जिले की नगर पंचायत सहसपुर लोहारा में अध्यक्ष पद के उपचुनाव के लिए आज मतदान हो रहा है। यहां अध्यक्ष पद के लिए 6 प्रत्याशी मैदान में हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष स्वर्गीय संतोष मिश्रा के निधन के बाद यह पद रिक्त हुआ था। भाजपा ने सरिता संतोष मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस ने रोशन वैष्णव पर दांव लगाया है। वहीं कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय मैदान में उतरे अजय यादव मुकाबले को त्रिकोणीय बना रहे हैं।

5,142 मतदाता करेंगे फैसला

नगर पंचायत के 15 वार्डों में 15 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। यहां कुल 5,142 मतदाता हैं, जिनमें 2,651 पुरुष और 2,491 महिला मतदाता शामिल हैं। मतदान सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 4 जून को की जाएगी।

शिवनंदनपुर नगर पंचायत में भी आज वोटिंग

सूरजपुर जिले के नगर पंचायत शिवनंदनपुर के आम निर्वाचन के लिए भी मतदान शुरू हो चुका है। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में भाजपा, कांग्रेस समेत तीन प्रत्याशी उतरे हैं। वहीं 15 वार्डों में पार्षद पद के लिए 52 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। निर्वाचन के लिए कुल 15 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां कुल 4,642 मतदाता अपने मताधिकारों का प्रयोग करेंगे। इनमें 2,335 पुरुष और 2,307 महिला मतदाता शामिल हैं।

बैंक में लगी आग, महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर खाक

रायगढ़। रायगढ़ जिले के लोईंग स्थित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। देखते ही देखते आग ने पूरे बैंक को अपनी चपेट में ले लिया। बैंक किराए के एक मकान में संचालित हो रहा था। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानियों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची, जिसने कुछ देर में आग पर काबू पा लिया। हालांकि बैंक दफ्तर में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कंप्यूटर जलकर खाक हो गए हैं। फिलहाल आग का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

जानकारी के मुताबिक, घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है। बैंक परिसर से धुआं निकलता दिखाई दिया। बैंक जिस भवन में संचालित हो रहा था, उसके ऊपरी हिस्से में मकान मालिक मनोज प्रधान का परिवार और अन्य किरायेदार रहते हैं। धुआं देखते ही परिजनों ने तत्काल बैंक प्रबंधन को सूचना दी, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही बैंक प्रबंधक कुणाल कुमार ने पुलिस और दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम ने आग पर काबू पा लिया। हालांकि, जब तक राहत दल पहुंचा, तब तक आग बैंक के अधिकांश हिस्से को जल चुका था।

शॉर्ट सर्किट की आशंका

प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि जांच के बाद ही असल वजह सामने आ सकेगी। बैंक प्रबंधन का कहना है कि आग में महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर सिस्टम और अन्य रिकॉर्ड जल गए हैं।

कांग्रेस नेता ने की युवक से मारपीट

बिलासपुर। शहर के पूर्व महापौर और कांग्रेस नेता राजेश पांडेय एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उन पर और उनके बेटे राहुल पांडेय पर एक व्यक्ति के साथ रास्ता रोककर मारपीट करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। घटना का कथित सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे शहर में इसकी चर्चा तेज हो गई है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता अमित शर्मा, जो शिवम एन्कलेव के निवासी हैं, ने पुलिस को बताया कि सोसायटी की एक बैठक खत्म होने के बाद उनका राजेश पांडेय और राहुल पांडेय से विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों ने उनका रास्ता रोक लिया और बहस के दौरान गाली-गलौज शुरू कर दी। मामला बढ़ने पर कथित तौर पर मारपीट की गई। अमित शर्मा का आरोप है कि विवाद के दौरान उन पर पत्थर से हमला किया गया। पत्थर उनके सिर और कंधे पर लगा, जिससे उन्हें चोटें आईं। उन्होंने बताया कि इस दौरान उनका चश्मा भी टूट गया और चेहरे, पीठ व घुटनों में भी चोट लगी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी गई। सिविल लाइन पुलिस ने शिकायत के आधार पर राजेश पांडेय और राहुल पांडेय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(3), 126(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, शिकायत और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खेत बचाओ अभियान को मिल रहा समर्थन

जैविक खेती, मृदा संरक्षण और फसल विविधीकरण अपनाने किसानों से अपील

बलरामपुर। जिले में खेत बचाओ अभियान के माध्यम से किसानों को मृदा संरक्षण, प्राकृतिक खेती और संतुलित कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य खेतों की उर्वरा शक्ति को सुरक्षित रखते हुए टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है।

जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की जैविक सक्रियता कम होती है, सूक्ष्म पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है तथा भूमि की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। इसके साथ ही पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक खाद तथा नील हरित शैवाल जैसे प्राकृतिक विकल्पों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ने, भूमि की संरचना में सुधार होने तथा फसलों को प्राकृतिक पोषण मिलने में मदद मिल रही है। बलरामपुर जिले में किसानों को नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के संतुलित उपयोग के प्रति भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग के अनुसार इनका उपयोग पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों की खपत कम करने के साथ फसलों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक है। अभियान के अंतर्गत फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। किसानों को दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के साथ आय में भी वृद्धि हो सके। किसानों को पीएम-आशा योजना के तहत दलहन एवं तिलहन फसलों का लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में चल रहे इस अभियान के माध्यम से किसानों को टिकाऊ खेती अपनाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए उपजाऊ भूमि के संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

दो कॉलोनियों के बीच पहुंच मार्ग को लेकर विवाद, दर्ज हुई एफआईआर

बिलासपुर। शिवम एन्क्लेव और मिनोचा कॉलोनी के बीच स्थित रास्ते के पास सफाई कार्य के दौरान पहुंच मार्ग को लेकर 31 मई को हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद सिविल लाईंस पुलिस ने कांग्रेस नेता एवं पूर्व महापौर राजेश पांडेय और उनके पुत्र राहुल पांडेय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(3), 126 (2) और 3 (5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो सहित सभी उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

शिकायतकर्ता अमित शर्मा ने आरोप लगाया है कि 31 मई की सुबह शिवम एन्क्लेव और मिनोचा कॉलोनी के बीच स्थित रास्ते के पास सफाई कार्य चल रहा था। बताया गया कि सोसायटी की बैठक के बाद रहवासी और सफाई कर्मचारी मुख्य द्वार के आसपास सफाई कर रहे थे। इसी दौरान करीब 10 बजे राजेश पांडेय और राहुल पांडेय वहां पहुंचे, जिसके बाद रास्ते को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान उनके साथ गाली-गलौज की गई। उन्होंने हाथ जोड़कर स्थिति को शांत करने की कोशिश की, लेकिन मामला और बढ़ गया। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने उन्हें पकड़कर नीचे गिरा दिया और लात-घूंसों से मारपीट की।

शिकायतकर्ता के अनुसार उनके पैर पकड़कर जमीन पर गिराया गया और सिर तथा दाहिने कंधे पर पत्थर से हमला किया गया। इस घटना में उन्हें चोटें आई और उनका चश्मा भी टूट गया। अमित शर्मा ने पुलिस को बताया कि लगभग दो महीने पहले उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आया था और वर्तमान में उनका इलाज एम्स में चल रहा है।

डिप्टी सीएम ने आम पेड़ की छांव में लगाई चौपाल

मुंगेली। उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय नेता अरुण साव ने सोमवार को लोरमी के ग्राम जरहापारा में आम पेड़ के नीचे जन चौपाल आयोजित कर आत्मीय संवाद किया। उन्होंने इस दौरान गांव में हुए विकास कार्य पर चर्चा कर जन कल्याण संकल्प का फ़ायदा उठाया। उन्होंने जरहापारा में देवगुड़ी निर्माण के लिए 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

साव ने विरोधियों के पसंदीदा को उनके समाधान से सराबोर कर दिया। उन्होंने के आवेदनों को पुन: आरंभ करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार वनांचलों के सर्वांगीण विकास के लिए उपयुक्त है। सरकार जनमन योजना एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्थान अभियान के माध्यम से वन ग्रामों के विकास की नई शिक्षा तक के संकल्प को लेकर आगे बढ़ना जारी है।

सुकमा में दो समूह के बीच हिंसक झड़प में 13 घायल

सुकमा। जिले के साडरापाल गांव में दो समूह के बीच हिंसक झड़प होने से 13 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस इस मामले में दस ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। सुकमा पुलिस ने इस घटना को जमीन विवाद और आपसी विवाद की परिणति बताया है।

पुलिस के अनुसार घटना रविवार 31 मई को हुई, जिसमें आरोपियों ने लामबंद होकर मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में धारा 191(2),191(3),190,296,351(2), 115(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। दर्ज एफआईआर में हड़मा मांडवी, गंगाराम कवासी, बुधरा कवासी, महादेव कवासी, हनीस करटामी, आयता कवासी, लच्छु कवासी, हांदा वेट्टी, गुड्डी राम बेट्टी और सन्ना आयता के नाम आरोपी के रुप में दर्ज है। आधिकारिक रुप से दी गई जानकारी में यह बताया गया है कि, इस घटना में कोई गंभीर रमप से घायल नहीं है। यह सामान्य मारपीट का मामला है। वहीं इस घटना को छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फ़ोरम ने ईसाईयों पर हमला बताते हुए कहा है कि मिट्टी के घर में ईसाईजन रविवार की प्रार्थना कर रहे थे, तब लकड़ी की लाठियों से लैस होकर प्रार्थना कर रहे लोगों के सर पर हमला किया गया। सुकमा एसपी किरण चौहान ने सोमवार को बताया कि ग्राम साडरापाल में भूमि विवाद को लेकर कुछ व्यक्तियों द्वारा प्रार्थी हिडमा कवासी एवं उसके साथियों के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारपीट की गई, जिससे कई व्यक्तियों को चोटें आईं ।

घटना की सूचना प्राप्त होते ही थाना तोंगपाल पुलिस मौके पर पंहुचकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। उन्होने बताया कि पुलिस द्वारा घायलों को आवश्यक चिकित्सीय उपचार हेतु भेजा गया तथा घटना के संबंध में विस्तृत पूछ-ताछ एवं साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना तोंगपाल में अपराध क्रमांक 14/2026 अंतर्गत धारा 191(2), 191(3), 190, 296, 351(2), 115(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।उन्होने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा सिंडिकेट पर पुलिस की कार्रवाई, 31.99 लाख रुपये जब्त

रायगढ़। जिले में जुआ-सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन पुलिस' के तहत रायगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। आईपीएल फाइनल कैपिटल जीटी बनाम आरसीबी पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले एक सहयोगी गिरोह का धमाका करते हुए टेक्सास क्रिकेट और टीम खरसिया की संयुक्त टीम ने दो सट्टा ऑपरेशन को गिरफ्तार किया है और उनके व्यवसाय से सट्टा ऑपरेशन में मोबाइल फोन, नोट गिनने की मशीन और सट्टा की चाबी से जुड़े 31 लाख 99 हजार 700 रुपये बरामद हुए हैं। केस में सिंडिकेट से जुड़े 3 अन्य लोगों का भी आरोपी बनाया गया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि खरसिया के गंज बाजार क्षेत्र में कुछ व्यक्तिगत आईपीएल फाइनल मैच की हार-जीत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना की तलाश में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक मखिया मिश्रा एवं टीम कर्सिया प्रभात पटेल के निर्देशन में प्रभारी खरसिया पर्यवेक्षक त्रिनाथ त्रिनाथ के नेतृत्व में साइबर थाना एवं शाखा खरसिया के अधिकारियों-कर्मचारियों की अलग-अलग भूमिकाएं एक साथ जारी की गईं।

वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत में भारत की खपत और आर्थिक गतिविधियां मजबूत, वस्तुओं की कर योग्य आपूर्ति में हुई 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। मजबूत घरेलू मांग के चलते वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआती अवधि में भारत की खपत और आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी रहीं। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि अप्रैल में वस्तुओं (गुड्स) की कर योग्य आपूर्ति में 27 प्रतिशत और सेवाओं (सर्विसेज) की कर योग्य आपूर्ति में 22.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 में वस्तुओं के सभी क्षेत्रों की कर योग्य आपूर्ति सालाना आधार पर 26.9 प्रतिशत बढ़कर 40.10 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 31.61 लाख करोड़ रुपए थी। इसमें सभी 27 कमोडिटी समूहों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

मई में दाखिल किए गए जीएसटी रिटर्न में रिपोर्ट किए गए अप्रैल के आंकड़ों से पता चला कि कृषि, विनिर्माण, रसायन, धातु, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता वस्तुओं सहित लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों में वृद्धि व्यापक रूप से देखने को मिली।

इसके अलावा, सोना और कीमती धातुओं से जुड़े क्षेत्रों में कर योग्य आपूर्ति 46.9 प्रतिशत बढ़ी, जबकि इलेक्ट्रिक मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के क्षेत्र में 34.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

दूरसंचार उपकरणों की कर योग्य आपूर्ति 24.6 प्रतिशत बढ़ी। वहीं, यात्री वाहन और बसों के क्षेत्र में 21.3 प्रतिशत तथा तैयार खाद्य उत्पादों (प्रिपेयर्ड फूड प्रोडक्ट्स) में 27.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इस बीच, सेवा क्षेत्र ने भी मजबूत प्रदर्शन जारी रखा। अप्रैल में सेवाओं की कर योग्य आपूर्ति सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत बढ़कर 11.50 लाख करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 9.41 लाख करोड़ रुपए थी।

रियल एस्टेट, निर्माण, परिवहन, पेशेवर सेवाएं और आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। रियल एस्टेट सेवाओं में 50 प्रतिशत की तेज वृद्धि हुई, जबकि परिवहन, डाक और कूरियर सेवाओं में 21.3 प्रतिशत का विस्तार देखा गया। इसी तरह, आवास, भोजन और पेय पदार्थ सेवाओं (अकॉमोडेशन, फूड एंड बेवरेज सर्विसेज) में 41.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। वस्तुओं और सेवाओं, दोनों क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन यह संकेत देता है कि घरेलू मांग में वृद्धि केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से दिखाई दे रहा है।

इसके अलावा, मई में आयात पर एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) संग्रह में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स आयात में सबसे अधिक योगदान देने वाले क्षेत्रों में शामिल रहे। प्रोसेसिंग यूनिट्स के आयात में 387 प्रतिशत और मेमोरी चिप्स के आयात में 205 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इसके साथ ही आयात से जुड़े कर संग्रह में भी मजबूत वृद्धि देखने को मिली। मई में आयात पर आईजीएसटी संग्रह 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ा। केवल कोयले का योगदान आईजीएसटी वृद्धि में 8 प्रतिशत से अधिक रहा, जबकि प्रोसेसिंग यूनिट्स और मेमोरी चिप्स ने क्रमशः 387 प्रतिशत और 205 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

आरबीआई अगली कुछ तिमाही तक ब्याज दरों को रख सकता है स्थिरः रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) 3-5 जून तक होने वाली बैठक में ब्याज दरों को स्थिर रख सकती है। इसकी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण महंगाई को लेकर चिंताओं में इजाफा होना है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल के बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 22 प्रतिशत की गिरावट हुई है, जिससे पिछले दो हफ्तों में भारत के एक्सटर्नल अकाउंट के आउटलुक में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

कंपनी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आरबीआई अगले हफ्ते ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है और यह भारत की कंजप्शन रिकवरी स्टोरी और आय साइकिल के लिए बहुत अच्छा है।'

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने के बाद कच्चा तेल फिर से 75-80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ सकता है और इससे डॉलर के मुकाबले रुपए को भी सपोर्ट मिल सकता है। वहीं, आरबीआई को भी इससे अगले कुछ तिमाही में रेपो रेट को स्थिर रखने में मदद मिलेगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7 प्रतिशत की वृद्धि होने से महंगाई 4.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

लिक्विडिटी को लेकर, रिपोर्ट में बताया गया है कि आरबीआई द्वारा रुपए-डॉलर स्वैप के माध्यम से 5 अरब डॉलर का तरलता प्रवाह करने के बाद सरप्लस की स्थिति घटकर शुद्ध मांग और सावधि देनदारियों के लगभग 0.2 प्रतिशत तक सीमित हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमें तत्काल चिंता का कोई कारण नहीं दिखता; एक बार कच्चे तेल पर दबाव कम हो जाए और परिणामस्वरूप मुद्रा पर भी दबाव कम हो जाए, तो आरबीआई तरलता की स्थिति को बहाल करने में सक्षम होगा।'

जमा वृद्धि 12.2 प्रतिशत वार्षिक दर से स्वस्थ बनी हुई है, लेकिन ऋण वृद्धि के साथ तालमेल नहीं रख पा रही है।

7,000 रुपए से कम में बेस्ट टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स: रियलमी बड्स एयर8 प्रो को खरीदने के 5 कारण

नई दिल्ली। भारत का टीडब्ल्यूएस (ट्रू वायरलेस स्टीरियो) ईयरबड्स बाजार तेजी से विकसित हुआ है। अब यूजर्स सिर्फ अच्छे साउंड तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे प्रीमियम फीचर्स जैसे इमर्सिव ऑडियो, बेहतर नॉइज कैंसिलेशन, साफ कॉलिंग, आसान कनेक्टिविटी और लंबी बैटरी लाइफ की भी उम्मीद करते हैं।

7,000 रुपए से कम कीमत वाले बेहद प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में इन सभी फीचर्स का संतुलन बनाए रखना पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

6,699 रुपए की कीमत पर उपलब्ध रियलमी बड्स एयर8 प्रो को फ्लैगशिप स्तर का वायरलेस ऑडियो अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें हाई-रेज ऑडियो, दमदार एक्टिव नॉइज कैंसिलेशन, स्मार्ट कॉलिंग फीचर्स और लंबी बैटरी लाइफ का संयोजन मिलता है। कंपनी इसे अगली पीढ़ी का हाई-रेज ऑडियो बीस्ट बता रही है, जिसे म्यूजिक लवर्स, गेमर्स, प्रोफेशनल्स और लगातार यात्रा करने वाले यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

1. शानदार कॉल क्वालिटी के लिए डेडिकेटेड वीपीयू और 6-माइक सिस्टम

रियलमी बड्स एयर8 प्रो की सबसे बड़ी

खासियतों में से एक इसका डेडिकेटेड वीपीयू (वॉयस प्रोसेसिंग यूनिट) और 6-माइक सिस्टम है, जिससे बेहतरीन नेक्स्ट-लेवल कॉल क्लैरिटी मिलती है।

7,000 रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट में यह पहला ऐसा डिवाइस है जिसमें डेडिकेटेड वीपीयू दिया गया है। बोन कंडक्शन तकनीक की मदद से यह कॉल के दौरान यूजर की आवाज को ज्यादा सटीक तरीके से कैप्चर करता है।

ईयरबड्स आसपास के शोर को 90 डेसिबल तक कम करने में सक्षम हैं, जिससे भीड़भाड़ वाली सड़कों, कैफे, ट्रैफिक और अन्य शोरगुल वाले माहौल में भी कॉलिंग अनुभव बेहतर बना रहता है।

प्रत्येक ईयरबड में तीन माइक्रोफोन दिए गए हैं, यानी कुल छह माइक्रोफोन, जो बेहतर वॉयस पिकअप और बैकग्राउंड नॉइज को कम करने में मदद करते हैं।

मई में हुंडई और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बिक्री में दर्ज की मजबूत बढ़त, घरेलू मांग बनी रही मजबूत

मुंबई। देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों ने मई में भी बिक्री के मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) और महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने घरेलू बाजार में मजबूत मांग के दम पर बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की।

एचएमआईएल ने मई में घरेलू बाजार में 47,837 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 9.1 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने 13,300 वाहनों का निर्यात भी किया, जिसके साथ उसकी कुल बिक्री 61,137 यूनिट रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मई में निर्यात सहित कुल 99,636 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की

बढ़ोतरी है।

यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) सेगमेंट में एमएंडएम ने घरेलू बाजार में 58,021 वाहन बेचे, जो एक साल पहले की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है।

इसके अलावा, निर्यात सहित कंपनी की कुल यूटिलिटी व्हीकल बिक्री 59,573 यूनिट रही। मई के दौरान कंपनी की घरेलू कमर्शियल व्हीकल बिक्री 24,079 यूनिट रही, जिसमें 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के अनुसार, मई में उसके निर्यात में सालाना आधार पर 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 5,000 यूनिट तक पहुंच गया। एमएंडएम लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने कहा कि कंपनी के पूरे पोर्टफोलियो में मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। हालांकि, कुछ सप्लायरों के यहां श्रमिकों की कमी के कारण आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियां अभी भी बाधा बनी हुई हैं।

ताजा बिक्री आंकड़े बताते हैं कि आपूर्ति पक्ष की चुनौतियों के बावजूद घरेलू बाजार में खासकर एसयूवी और यूटिलिटी व्हीकल की मजबूत मांग ऑटोमोबाइल कंपनियों की वृद्धि को समर्थन दे रही है। इन आंकड़ों के बाद शेयर बाजार में हुंडई मोटर इंडिया के शेयरों में गिरावट देखी गई। एनएसई पर शुरुआती कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर 1.48 प्रतिशत तक गिरकर 1,900.60 रुपए के इंट्राडे निचले स्तर पर पहुंच गए। शेयर ने एक्सचेंज पर 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 2,890 रुपए और न्यूनतम स्तर 1,658 रुपए दर्ज किया है।

वैश्विक अस्थिरता से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 508 अंक फिसला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 508.40 अंक या 0.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,267.34 और निफ्टी 165.15 अंक या 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,382.60 पर बंद हुआ।

बाजार में चौतरफा गिरावट देखी गई। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 895.85 अंक या 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,827.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 159 अंक या 0.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,979.80 पर था।

निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इन्फ्रा सबसे ज्यादा गिरने वाले सूचकांक थे।

वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल हरे निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, इंडिगो, एचसीएल टेक और टाटा स्टील गेनर्स थे। एचयूएल, आईटीसी, एनटीपीसी, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति सुजुकी और बजाज फिनसर्व लूजर्स थे।

एसबीआई सिक्योरिटीज के टेक्निकल और डेरिवेटिव्स रिसर्च प्रमुख सुदीप शाह ने कहा कि निफ्टी के लिए तत्काल समर्थन स्तर 23,250-23,230 के आसपास है। अगर यहां से गिरावट बढ़ती है तो यह 23,100 तक भी जा सकता है। छोटी अवधि में रुकावट का स्तर 23,530-23,550 का जोन है।

उन्होंने आगे बताया कि बैंक निफ्टी के लिए सपोर्ट 53,200-53,100 के बीच है। वहीं, रुकावट का स्तर 54,000-54,100 के बीच मौजूद है।

बाजार के गिरने की वजह अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर अनिश्चितता होना है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ अमेरिका का समझौता न्यूक्लियर को लेकर है। साथ ही, कहा कि वह डील को लेकर जल्दबाजी में नहीं है।

दूसरी तरफ विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली बाजार पर दबाव बनाने का काम कर रही है। शुक्रवार को एफआईआई ने भारतीय बाजारों में 21,106 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मई में बढ़कर 55 पर पहुंचा, नए ऑर्डरों और उत्पादन में मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का विनिर्माण यानी मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मई में बढ़कर 55.0 पर पहुंच गया, जो कि अप्रैल के 54.7 और शुरुआती अनुमान 54.3 से अधिक है। इसका मुख्य कारण खरीद गतिविधियों, नए ऑर्डरों और उत्पादन में अप्रैल की तुलना में तेज वृद्धि रहा, जिसके चलते कंपनियों ने स्टॉक जमा करना भी बढ़ा दिया।

मई के आंकड़ों से पता चला कि भारत के विनिर्माण उद्योग में वृद्धि लगभग 10 दिन पहले जारी किए गए शुरुआती अनुमानों की तुलना में अधिक मजबूत रही।

वहीं, कच्चे माल और खरीद लागत में बढ़ोतरी अप्रैल 2022 के बाद दूसरी सबसे तेज गति से दर्ज की गई। केवल अप्रैल 2026

में इससे अधिक वृद्धि देखी गई थी। हालांकि, तैयार उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की दर पिछले एक वर्ष के औसत से कम रही।

अंतिम पीएमआई आंकड़े बताते हैं कि मई में विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति पिछले तीन महीनों में सबसे अधिक मजबूत हुई है।

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का अंतिम मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई संकेत देता है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कंपनियों ने एहतियात के तौर पर स्टॉक बढ़ाना जारी रखा है। उत्पादन वृद्धि में तेजी आई है, जबकि खरीद गतिविधियां और तैयार माल का भंडार भी तेज गति से बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि नए ऑर्डरों में वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू मांग की वजह से हुई, जबकि निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि दर कुछ धीमी पड़ी है। भंडारी के अनुसार, कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी की रफ्तार मई में थोड़ी कम हुई, जबकि तैयार उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी और अधिक धीमी हो गई। इससे निर्माताओं के लाभ मार्जिन पर दबाव बढ़ने की आशंका है। पीएमआई आंकड़ों से यह भी पता चला कि वस्तुओं का उत्पादन करने वाली कंपनियों में नए ऑर्डर और उत्पादन दोनों की वृद्धि फरवरी के बाद सबसे तेज रही।

चौथी तिमाही में मुनाफा घटने का असर, आईनॉक्स विंड का शेयर करीब 10 प्रतिशत फिसला

मुंबई । आईनॉक्स विंड के शेयर सोमवार को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में करीब 10 प्रतिशत तक फिसल गए। इसकी वजह कंपनी की ओर से वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में खराब नतीजे पेश करना था।

विंड एनर्जी सॉल्यूशंस कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए 105.68 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए 190.34 करोड़ रुपए से लगभग 45 प्रतिशत कम है।

मुनाफे में यह गिरावट तिमाही

के दौरान परिचालन व्यय में तेज वृद्धि के कारण हुई।

चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन से कुल आय 1,305.50 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 1,310.65 करोड़ रुपए से मामूली रूप से कम है।

कुल व्यय पिछले वर्ष की इसी अवधि के 1,103.01 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,161.59 करोड़ रुपए हो गया, जिससे आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

तिमाही प्रदर्शन में कमजोरी के बावजूद, इनॉक्स विंड ने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक उसका ऑर्डर बुक 3.1 गीगावॉट पर मजबूत बनी हुई है, जिससे दो साल से अधिक समय के लिए आय की स्पष्टता सुनिश्चित होती है।

कंपनी ने अपने वित्तीय प्रदर्शन पर दबाव का कारण क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों, उपकरण और घटकों की आपूर्ति को प्रभावित करने वाले भू-राजनीतिक व्यवधानों, रसद संबंधी बाधाओं और चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक वातावरण के बीच ग्राहकों द्वारा भुगतान में देरी को बताया।

कंपनी ने कहा कि इन कारकों के कारण तिमाही के दौरान कार्यशील पूंजी की आवश्यकता अधिक बनी रही। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा कि इनॉक्स विंड का वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही का प्रदर्शन उम्मीदों से काफी कम रहा।

गमले में उगाएं पपीता, जानें स्टेप बाय स्टेप आसान तरीका, 7-12 महीने के अंदर पौधे पर लद जाएगा मीठा फल

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे पाचन तंत्र के लिए बहुत अच्छा माना गया है. इसके सेवन से पेट संबंधित समस्याएं दूर होती हैं. पपीते में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं जैसे विटामिन सी, ए, फाइबर, पोटैशियम, पपेन एंजाइम. इसके सेवन से इम्यूनिटी बूस्ट होती है. पाचन सही तरीके से होता है. स्किन के लिए हेल्दी है पपीता. आप मार्केट से पपीता खरीद कर लाते हैं, क्यों न इसे घर पर ही उगाया जाए? जी हां, आप पपीते को गमले में भी उगा सकते हैं. बस, फॉलो करें ये स्टेप बाय स्टेप तरीका।

घर के फल हमेशा से ही मार्केट में मिलने वाले फलों या सब्जियों से फ्रेश, हेल्दी होते हैं. इनमें किसी भी प्रकार का कोई केमिकल नहीं होता है. छत या बालकनी में पपीते का पौधा उगाकर आप केमिकल-फ्री और फ्रेश पपीता खाने का लुत्फ उठा सकते हैं. जानिए गमले में आप किस तरह से पपीता उगा सकते हैं.

आप पपीता मार्केट से लाए हैं तो उसे छीलने-काटने के बाद अंदर से निकले बीजों को ना फेंके. इन्हें अच्छी तरह से पानी से साफ कर लें. इससे बीजों पर लगी चिपचिपी परत हटा जाएगी. अब एक से दो दिनों के लिए बीज को धूप में रख दें, ताकि ये सूख जाएं.

पपीते को गमले में उगाने के लिए आप 18 से 24 इंच गहरा और चौड़ा गमला चुनें. पानी सही से निकल सके, इसलिए गमले के तले में छेद होना जरूरी है. गमले के अंदर अधिक पानी रहने से जड़ें सड़ सकती हैं. मिट्टी में आप कम्पोस्ट, रेत, कोको पीट आदि मिक्स करें.

अब गमले में मिट्टी को डालें. बीज सूख गए हों तो इन्हें लगभग आधा इंच गहराई में मिट्टी के अंदर दबा दें. सिर्फ 4-5 बीजों को गमले में डालें और फिर पानी डाल दें. धूप में गमले को रखें. धूप और नमी दोनों ही बीजों को जल्दी अंकुरित होने में मदद करती हैं.

अंकुरण जल्दी हो इसके लिए गमले को पतली प्लास्टिक शीट से ढक सकते हैं. इसमें हवा का प्रवाह बना रहे, इसके लिए छोटे-छोटे छेद कर दें. आप दस से बीस दिनों में देखेंगे कि इसमें से अंकुर निकल गए हैं. पौधे लगभग 7-8 इंच के हो जाएं तो इसमें जो भी मजबूत पौधा हो उसे रखें, बाकी को निकाल दें.

पपीते के पौधे को धूप चाहिए होता है, इसलिए 6 से 8 घंटे डायरेक्ट धूप में गमले को रखना जरूरी है. बहुत अधिक छांव, ठंड का वातावरण पपीते का पौधा झेल नहीं सकता है. मिट्टी को नर्म रखना भी जरूरी है. बहुत अधिक पानी डेली ना डालें. जब मिट्टी सूख जाए तभी गमले में पानी दें. अंकुरण होने के दो सप्ताह बाद जैविक खाद डालें. प्रत्येक 3-4 सप्ताह बाद खाद डालें.

आप चाहें तो तीन-चार गमले में पपीते के पौधे उगा सकते हैं. इससे आपको फल खाने को जल्दी मिल सकता है।

तेज हवा चले तो गमले को सुरक्षित जगह पर रख दें वरना नाजुक पत्ते, तने टूट सकते हैं. ठंड के मौसम में पौधे को हेल्दी रखने और सूखने से बचाने के लिए गर्म स्थान पर रखें. पपीते का पौधा लगाने के लगभग 7 से 12 महीने के अंदर फल देने लगता है।

सिर्फ 1 महीने के लिए मिलता है ये फल, लोग सालभर करते हैं इंतजार, अनोखा क्यों है ये Red Fruit?

गर्मियों में आने वाले फलों की बात हो और लिची का नाम न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता. लाल छिलके और मीठे रस से भरपूर यह फल सालभर नहीं मिलता, बल्कि इसका सीजन केवल मई और जून के आसपास कुछ हफ्तों का ही होता है. आइए जानते हैं इसके फायदे...

गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में कई तरह के मौसमी फल दिखाई देने लगते हैं, लेकिन कुछ फल ऐसे होते हैं जिनका इंतजार लोग पूरे साल करते हैं. लिची भी उन्हीं फलों में से एक है. यह फल आमतौर पर मई और जून के बीच सीमित समय के लिए बाजार में मिलता है और इसका सीजन बहुत छोटा होता है. रस से भरपूर, मीठे स्वाद वाली लिची बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी की पसंद होती है. जैसे ही बाजार में इसकी पहली खेप पहुंचती है, लोग इसे खरीदने के लिए उत्साहित हो जाते हैं. यही वजह है कि इसे गर्मियों के सबसे खास फलों में गिना जाता है. स्वाद के साथ-साथ इसमें कई ऐसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं जो इसे सेहत के लिए फायदेमंद बनाते हैं.

कम समय के लिए मिलता है यह खास फल

लिची का सीजन बहुत लंबा नहीं होता. भारत के कई हिस्सों में यह केवल कुछ हफ्तों के लिए ही उपलब्ध रहती है. इसकी खेती मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कुछ अन्य राज्यों में की जाती है. खासकर बिहार की लिची देशभर में काफी मशहूर है. कम समय के लिए मिलने की वजह से इसकी मांग हमेशा बनी रहती है और लोग इसके आने का बेसब्री से इंतजार करते हैं.

गर्मियों में शरीर को रखती है तरोताजा

लिची में पानी की मात्रा अच्छी होती है, जिससे यह गर्मी के मौसम में शरीर को तरोताजा रखने में मदद कर सकती है. तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच इसका रसदार स्वाद राहत का एहसास देता है. यही कारण है कि कई लोग इसे गर्मियों का परफेक्ट फल मानते हैं.

विटामिन ष्ट का अच्छा स्रोत

लिची में विटामिन ष्ट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है. यह पोषक तत्व शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. साथ ही यह त्वचा के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है. नियमित रूप से संतुलित मात्रा में लिची का सेवन शरीर को जरूरी पोषक तत्व प्रदान कर सकता है.

स्वाद और सेहत का बेहतरीन मेल

लिची की सबसे बड़ी खासियत इसका स्वाद है. मीठा और रसीला गूदा इसे अन्य फलों से अलग बनाता है. इसे सीधे खाने के अलावा जूस, शेक, आइसक्रीम और कई मिठाइयों में भी इस्तेमाल किया जाता है. सीमित समय के लिए उपलब्ध होने और शानदार स्वाद के कारण लिची का इंतजार लोग हर साल करते हैं।

यही वजह है कि यह छोटा सा फल गर्मियों के सबसे पसंदीदा फलों में अपनी खास जगह बनाए हुए है।

गर्मी में अंडे कितने दिन तक रहते हैं सुरक्षित? जानिए अंडे स्टोर करने का सही तरीका, कौन सी गलतियां बना सकती हैं खराब

गर्मियों में अंडे बहुत जल्दी खराब हो सकते हैं, इसलिए उन्हें सही तापमान और सही तरीके से स्टोर करना जरूरी है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अंडों को बिना धोए ठंडी जगह पर रखना और फ्रिज के अंदर सुरक्षित तरीके से स्टोर करना उनकी ताजगी लंबे समय तक बनाए रखता है.

गर्मियों का मौसम आते ही खाने-पीने की चीजों को संभालकर रखना बेहद जरूरी हो जाता है. खासकर दूध, दही, मांस और अंडे जैसी चीजें ज्यादा तापमान में बहुत जल्दी खराब होने लगती हैं. अंडा लगभग हर घर की जरूरत बन चुका है, क्योंकि इसमें भरपूर प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन अगर अंडों को सही तरीके से स्टोर न किया जाए, तो ये कुछ ही दिनों में खराब होकर सेहत के लिए नुकसानदायक बन सकते हैं.

कई लोग अंडों को फ्रिज के बाहर रख देते हैं और फिर समझ नहीं पाते कि वे कितने दिन तक सुरक्षित रहेंगे. वहीं कुछ लोग अंडों को धोकर रखते हैं, जो एक बड़ी गलती मानी जाती है. पोल्ट्री फार्मिंग एक्सपर्ट्स का कहना है कि अंडों की ताजगी बनाए रखने के लिए तापमान, रखने की जगह और स्टोर करने का तरीका बहुत मायने रखता है, अगर सही सावधानी रखी जाए, तो गर्मी में भी अंडों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है.

गर्मी में कितने दिन तक सुरक्षित रहते हैं अंडे?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गर्मियों में अंडों की शेल्फ लाइफ घर के तापमान पर निर्भर करती है, अगर कमरे का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से कम है, तो अंडों को फ्रिज के बाहर लगभग 10 से 12 दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है, लेकिन तापमान ज्यादा होने पर अंडे जल्दी खराब होने लगते हैं. अगर अंडों को फ्रिज के अंदर रखा जाए, तो वे करीब 20 से 25 दिनों तक ताजे बने रह सकते हैं. वहीं अगर अंडे सीधे धूप या ज्यादा गर्म जगह पर रखे हों, तो सिर्फ 1-2 दिन में ही खराब हो सकते हैं.

फर्टाइल और अनफर्टाइल अंडों में क्या फर्क होता है?

बाजार में मिलने वाले अंडे दो तरह के होते हैं -फर्टाइल और अनफर्टाइल. फर्टाइल अंडों में भ्रूण विकसित होने की संभावना रहती है, जबकि अनफर्टाइल अंडों में ऐसा नहीं होता. एक्सपर्ट्स का कहना है कि अनफर्टाइल अंडे ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रहते हैं. ये फर्टाइल अंडों की तुलना में लगभग 4 से 5 दिन ज्यादा चलते हैं. यही वजह है कि बाजार में मिलने वाले ज्यादातर अंडे लंबे समय तक खराब नहीं होते.

अंडों को धोकर रखना क्यों गलत है?

अक्सर लोग बाजार से अंडे लाने के बाद उन्हें पानी से धोकर फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स इसे बड़ी गलती मानते हैं. अंडों के ऊपर एक प्राकृतिक सुरक्षा परत होती है, जो बैक्टीरिया को अंदर जाने से रोकती है. जब अंडों को धो दिया जाता है, तो यह सुरक्षा परत हट जाती है. इसके बाद अंडे जल्दी खराब होने लगते हैं और उनमें बैक्टीरिया पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है, अगर अंडे गंदे हों, तो उन्हें पकाने से ठीक पहले साफ करना बेहतर माना जाता है.

अंडों को स्टोर करने का सही तरीका

अंडों को रखने का तरीका भी उनकी ताजगी पर असर डालता है. एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि अंडों को हमेशा नोक वाले हिस्से को नीचे करके रखना चाहिए. चौड़ा हिस्सा ऊपर की तरफ होना चाहिए. ऐसा करने से अंडे के अंदर मौजूद एयर सेल सही जगह पर बनी रहती है और जर्दी सेंटर में रहती है. इससे अंडा ज्यादा समय तक फ्रेश बना रहता है।

45°C से ऊपर पहुंचा तापमान! जानिए हीटवेव के दौरान क्या करें और किन गलतियों से बचें, नहीं तो बिगड़ सकती है सेहत

हीटवेव के दौरान पर्याप्त पानी पीना, दोपहर की धूप से बचना, हल्का भोजन करना और हीट स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है. थोड़ी सावधानी आपको भीषण गर्मी के खतरों से सुरक्षित रख सकती है.

गर्मी का मौसम हर साल आता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हीटवेव यानी लू का असर पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक होता जा रहा है. कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच रहा है, जिससे लोगों की सेहत पर सीधा असर पड़ रहा है. ऐसे में जब मौसम विभाग हीटवेव अलर्ट जारी करता है, तो इसे सामान्य चेतावनी समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है. विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक गर्मी शरीर के तापमान को तेजी से बढ़ा देती है. इससे डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, थकान, हीट एग्जॉशन और गंभीर मामलों में हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं. यही वजह है कि इस दौरान कुछ खास सावधानियां अपनाना बेहद जरूरी हो जाता है.

हीटवेव आखिर इतनी खतरनाक क्यों होती है?

हीटवेव केवल अधिक तापमान का नाम नहीं है. जब लगातार कई दिनों तक सामान्य से काफी ज्यादा गर्मी पड़ती है और रात में भी तापमान कम नहीं होता, तब शरीर को आराम नहीं मिल पाता. इससे शरीर की प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम प्रभावित होने लगती है. बुजुर्ग, छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और पहले से बीमार लोग हीटवेव के दौरान सबसे ज्यादा जोखिम में रहते हैं. हालांकि स्वस्थ व्यक्ति भी लापरवाही करने पर इसकी चपेट में आ सकता है.

दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें

अगर बहुत जरूरी काम न हो तो सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए. यही वह समय होता है जब सूरज की किरणें सबसे ज्यादा तेज होती हैं और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है. अगर बाहर जाना जरूरी हो, तो सिर को टोपी, गमछे या छाते से ढंककर रखें. साथ ही हल्के और ढीले कपड़े पहनें ताकि शरीर को हवा मिलती रहे.

पानी पीने में न करें लापरवाही

गर्मी के दौरान शरीर से पसीने के रूप में काफी मात्रा में पानी निकलता है. ऐसे में प्यास लगने का इंतजार किए बिना नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए. सिर्फ पानी ही नहीं, बल्कि नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और घर में बने शरबत भी शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी पूरी करने में मदद करते हैं. कई लोग ऑफिस या बाजार के काम में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि पानी पीना भूल जाते हैं, जो बाद में परेशानी की वजह बन सकता है.

खानपान पर भी दें ध्यान

हीटवेव के दौरान बहुत ज्यादा तला-भुना और मसालेदार खाना खाने से बचना चाहिए. हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन बेहतर माना जाता है. तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी और संतरा जैसे मौसमी फल शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं. यही कारण है कि डॉक्टर भी गर्मी में फलों और तरल पदार्थों का सेवन बढ़ाने की सलाह देते हैं.

इन संकेतों को कभी नजरअंदाज न करें

अगर किसी व्यक्ति को तेज सिरदर्द, चक्कर, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, तेज बुखार या बेहोशी जैसी समस्या महसूस हो, तो यह हीट स्ट्रोक का संकेत हो सकता है. ऐसी स्थिति में व्यक्ति को तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं, शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें और जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें. समय पर इलाज मिलने से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है।

लिफ्ट नहीं सीढ़ियां हैं बेहतर फिटनेस का राज, जानें क्या हैं फायदे

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में इंसानों की निर्भरता मशीनों पर बढ़ती जा रही है। ये सुविधा भले देते हों मगर शारीरिक गतिविधियों को धीरे-धीरे खत्म भी करते जा रहे हैं। लिफ्ट या एस्केलेटर को ही ले लें तो इनकी वजह से लोग सीढ़ियां चढ़ने से कतराने लगे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट इसे सेहत के लिए सही नहीं मानते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने सीढ़ियों को बेहतर फिटनेस और एनर्जी का जरिया बताते हुए बताया कि छोटी-छोटी आदतें ही बड़े बदलाव लाती हैं। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए रोजमर्रा की छोटी गतिविधियों को सकारात्मक तरीके से बदलना बेहद जरूरी है। इसी क्रम में एनएचएम ने सलाह दी है कि दिन की शुरुआत स्वस्थ तरीके से करने के लिए लिफ्ट की बजाय सीढ़ियां चुनें। हर कदम आपको बेहतर फिटनेस, नई ऊर्जा और स्वस्थ जीवन की ओर ले जाता है।

एनएचएम के अनुसार, आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में ज्यादातर लोग लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर हम थोड़ा प्रयास करें और सीढ़ियां चढ़ने की आदत डालें तो इससे कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। यह छोटी आदत न सिर्फ शरीर को सक्रिय बनाती है बल्कि लंबे समय में गंभीर बीमारियों से भी बचाव करती है।

सीढ़ियां चढ़ने के एक नहीं कई फायदे हैं। सीढ़ियां चढ़ना एक बेहतरीन व्यायाम है, जो बिना किसी उपकरण के किया जा सकता है। इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, वजन नियंत्रण में रहता है और शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है। नियमित रूप से सीढ़ियां चढ़ने से हृदय स्वस्थ रहता है, ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी संतुलित रहता है। इसके अलावा यह आदत पूरे दिन ऊर्जा से भर देती है। सुबह ऑफिस या घर में सीढ़ियां चढ़कर शुरू किया गया दिन ज्यादा सक्रिय और तरोताजा रहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि 'एक्टिव बॉडी' बनाए रखने के लिए ऐसी छोटी आदतें बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस छोटी सी आदत से बेहतर हार्ट हेल्थ होती है, ज्यादा एनर्जी और स्फूर्ति मिलती है, पैर और हड्डियां मजबूत होती हैं। वजन नियंत्रण में रहता है, सांस संबंधित समस्याएं दूर होती हैं और तनाव कम व मूड बेहतर होता है।

एनएचएम ने लोगों से अपील की है कि जहां भी संभव हो, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें।

अगर ऑफिस की मंजिल

बुद्धिमान, मिलनसार और इकोसिस्टम के मददगार रंग-बिरंगे तोते, जानें 'मिट्ठू' से जुड़े मजेदार तथ्य

दुनियाभर में आज (31 मई) के दिन बुद्धिमान, मिलनसार और इकोसिस्टम के मददगार रंग-बिरंगे तोते का जश्न विश्व तोता दिवस के रूप में मनाया जाता है। तोते सिर्फ सुंदर और बोलने वाले पक्षी नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। आज हम बात करेंगे भारत में आमतौर पर देखे जाने वाले तीन खास तोतों की रोज-रिंग्ड तोता, एलेक्जेंड्रिन तोता और प्लम-हेडेड पैरेट।

ये तीनों तोते बुद्धिमान, सामाजिक और बेहद सक्रिय होते हैं। आमतौर पर भारतीय घरों में तोतों को मिट्ठू पुकारा जाता है। वहीं, जंगलों या बाग-बगीचों में इन्हें अक्सर जोड़ों में या छोटे-छोटे झुंड में देखा जाता है। इनकी मुड़ी हुई मजबूत चोंच खाने के लिए बेहद उपयोगी है, जबकि पैरों की खास बनावट इन्हें पेड़ की डालियों को अच्छी तरह पकड़ने और भोजन चुनने में मदद करती है। ये पक्षी जहां जाते हैं, बीजों को फैलाते हैं और इस तरह प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं।

गुलाबी छल्ले वाला तोता (रोज-रिंग्ड पैरेट) :- यह भारत का सबसे प्रसिद्ध और आम तोता है। खासकर राजस्थान के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में इसे बहुत आसानी से देखा जा सकता है। शहरों के बगीचों, खेतों, पेड़ों और यहां तक कि बालकनियों पर भी ये चहचहाते नजर आते हैं। तोते के बारे में मजेदार तथ्य है कि इस तोते की याददाश्त बहुत तेज होती है। यह पुरानी जगहों और आवाजों को आसानी से याद रख लेता है। ये होशियार, मिलनसार और हमेशा ऊर्जा से भरे रहते हैं। इनकी वजह से बीज फैलते हैं और पर्यावरण स्वस्थ रहता है।

एलेक्जेंड्रिन तोता :- यह रोज-रिंग्ड तोते से थोड़ा बड़ा होता है। इसकी चोंच गहरे लाल रंग की और काफी ताकतवर होती है। इसके कंधे पर एक खास मैरून रंग का पैच होता है, जो इसे देखने में और आकर्षक बनाता है। इसकी मजबूत चोंच इसे सख्त बीज, मेवे और कठोर फलों को आसानी से तोड़ने में सक्षम बनाती है। यही वजह है कि यह अन्य तोतों की तुलना में ज्यादा बड़े-बड़े खाद्य पदार्थ खा सकता है।

दर्शकों को खास नजरिए से देखती हैं जान्हवी कपूर, फिल्म मेकिंग को मानती हैं 'सेवा कार्य'

नई दिल्ली। अभिनेत्री जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री को उम्मीद है कि दर्शक उन्हें और उनकी फिल्म को वैसा ही प्यार देंगे, जैसा हमेशा देते आए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि व दर्शकों को खास नजरिए से देखती हैं।

फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज से पहले उन्होंने कहा कि ईमानदारी और मेहनत से बनी फिल्म सही लोगों तक जरूर पहुंचती है। उन्होंने दर्शकों की राय को बेहद महत्वपूर्ण बताया और कहा कि कलाकारों को उनकी फीडबैक से सीखना चाहिए।

साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जान्हवी कपूर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि फिल्म बनाना एक तरह का सेवा कार्य है। हम दर्शकों को मनोरंजन देने के लिए फिल्में बनाते हैं। अगर फिल्म अच्छे इरादे, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से बनाई जाए तो वह उन लोगों तक पहुंचती है, जहां पहुंचनी चाहिए।'

जान्हवी ने सोशल मीडिया पर फिल्म रिलीज से पहले ही नकारात्मक टिप्पणियां करने वाले लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन उनकी राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, 'दर्शक ईश्वर की तरह हैं और हम उनकी सेवा या बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी हर राय का स्वागत है। अगर इससे हमें बेहतर काम करने में मदद मिले तो हम सब कुछ स्वीकार करेंगे।'

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्मों के प्रति उनका नजरिया पूरी तरह सकारात्मक है। वह मानती हैं कि दर्शकों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना हर कलाकार की जिम्मेदारी है।

मैं कम 'कांड' करूंगी... तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा से तुलना पर माधुरी दीक्षित का मजेदार जवाब

नई दिल्ली। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने को-एक्टर्स तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा के साथ मजेदार बातचीत की।

बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि अगर फिल्म की कहानी दिल्ली में सेट होती, तो सबसे ज्यादा 'कांड' कौन करता। इस सवाल पर माधुरी ने हंसते हुए दिलचस्प जवाब दिया।

माधुरी दीक्षित ने कहा कि उन्हें लगता है कि तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा उनसे ज्यादा 'कांड' कर सकती हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दोनों कलाकार दिल्ली से जुड़ी हुई हैं और उन्हें यहां के माहौल के बारे में ज्यादा जानकारी है। वहीं, उन्हें दिल्ली के बारे में उतना पता नहीं है इसलिए उनके हिस्से में कम 'कांड' आएंगे।

बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं।

उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं।

फिल्म 'मां बहन' की कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी जिंदगी की जिम्मेदारियों में पहले से ही उलझी हुई है। तभी उसके सामने एक ऐसी घटना घटती है, जो उसकी दुनिया पूरी तरह बदल देती है। उसके घर के किचन में एक लाश मिलने के बाद हालात और भी बदतर हो जाते हैं। इसके बाद रेखा और उसकी दोनों बेटियां जया और सुषमा इस परेशानी से निकलने की कोशिश करती हैं।

मेकर्स के अनुसार, फिल्म की कहानी में कॉमेडी, रहस्य के साथ अफरा-तफरी का मिश्रण देखने को मिलेगा। तीनों किरदार सच छिपाने, मुश्किलों से बचने और आसपास के लोगों को शक होने से रोकने के लिए कई दिलचस्प प्रयास करते नजर आएंगे।

फिल्म में माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा के अलावा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। क्राइम-कॉमेडी फिल्म 4 जून को रिलीज होगी।

बिना किसी पूर्व गवर्नर से मिले मनोज बाजपेयी बने 'आरबीआई गवर्नर', बताया क्यों रखना पड़ा नियमों का ध्यान

मुंबई। अभिनेता मनोज बाजपेयी आगामी फिल्म 'गवर्नर' की रिलीज के लिए तैयार हैं। यह फिल्म भारत के 1990 के दशक के गंभीर आर्थिक संकट और दिवालियापन जैसी स्थिति से देश को उबारने में अहम भूमिका निभाने वाले एक अपेक्षाकृत कम चर्चित अर्थशास्त्री और पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकिटरमणन की सच्ची कहानी पर आधारित एक राजनीतिक थ्रिलर है। अभिनेता ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने आरबीआई के किसी भी अधिकारी से मुलाकात नहीं की, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अत्यधिक गोपनीयता और सख्त नियमों के तहत काम करता है।

उन्होंने कहा, 'मैं आरबीआई की इमारत के अंदर नहीं गया हूं और न ही मैंने किसी भी गवर्नर से मुलाकात की है। मुझे लगता है कि यह सही भी है, क्योंकि वे देश के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक की सेवा करते हैं और आसानी से उपलब्ध नहीं होते। पूरा विभाग ही ऐसा है। हम उसके अंदर जाकर तस्वीरें भी नहीं ले सकते। यह एक अत्यंत प्रतिबंधित क्षेत्र है।'

उन्होंने आगे कहा, 'उस समय जो सामग्री हमारे लिए उपलब्ध थी, मैंने उसी का इस्तेमाल किया। मैं आज भी उससे जुड़े कुछ दस्तावेज अपने पास रखता हूं, ताकि यदि मुझे किसी बुनियादी जानकारी की जरूरत पड़े तो मैं उन्हें देख सकूं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि मेरे पास कोई गलत जानकारी न रहे।

अकेले रहना उतना मुश्किल नहीं है, जितना अक्सर लोग समझते हैं : काइली मिनोग

लॉस एंजेलिस। पॉप म्यूजिक की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं काइली मिनोग एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका कोई नया गाना या कॉन्सर्ट नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी को लेकर किया गया खुलासा है।

उन्होंने हाल ही में अपने रिश्तों, प्यार और अकेलेपन को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि फिलहाल उनकी जिंदगी में कोई बॉयफ्रेंड नहीं है। अब वह जीवन के उस दौर में हैं, जहां वह गलत इंसान के साथ रिश्ता रखने के बजाय अकेले रहना ज्यादा पसंद करती हैं।

'द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' से बातचीत के दौरान काइली ने कहा, ''इस समय मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं हैं। कुछ समय पहले मैं एक रिलेशनशिप में थीं, लेकिन जब वह खत्म हुआ तो मुझे यह समझ आया कि मैं अपने दम पर भी खुश रह सकती हूं। अकेले रहना उतना मुश्किल नहीं है, जितना अक्सर लोग समझते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस रिश्ते के खत्म होने के बाद मुझे खुद के साथ समय बिताने का मौका मिला और तब मुझे एहसास हुआ कि मैं बिना किसी साथी के भी खुश रह सकती हूं। उम्र और अनुभव के साथ मेरी सोच बदल गई है। अब मैं लोगों को परखने में ज्यादा सावधानी बरतती हूं। मैं पहले की तुलना में काफी ज्यादा चुनिंदा हो गई हैं और किसी भी व्यक्ति को अपनी जिंदगी में जगह देने से पहले उसे अच्छी तरह समझना चाहती हूं।''

बातचीत के दौरान काइली ने अपने पुराने रिलेशनशिप को भी याद किया। उन्होंने दिवंगत संगीतकार माइकल हचेंस का जिक्र करते हुए कहा, ''वह मेरी जिंदगी का सच्चा प्यार थे। मेरी लाइफ में कई रिश्ते आए, लेकिन माइकल हचेंस की जगह हमेशा खास रहेगी।''

बता दें कि दोनों का रिश्ता उस समय शुरू हुआ था जब काइली अपने करियर और जीवन के शुरुआती दौर में थीं।

इसके अलावा, उन्होंने अपने पुराने साथी जेसन डोनोवन के साथ अपने रिश्ते पर भी बात की। काइली और जेसन की मुलाकात लोकप्रिय ऑस्ट्रेलियाई टीवी शो 'नेबर्स' के सेट पर हुई थी। शो में दोनों ने टीनएज लवर की भूमिका निभाई थी।

'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' रिलीज, दिशा के डांस के बीच अक्षय ने कैटरीना को किया याद

मुंबई। अभिनेत्री कैटरीना कैफ भले ही लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता आज भी बरकरार है। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का गाना 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' रिलीज कर दिया गया है, जिसने एक बार फिर सभी को नॉस्टैल्जिया का अहसास करवाया। गाने में कैटरीना की कमी जहां फैंस को महसूस हुई, वहीं अभिनेता अक्षय कुमार भी उन्हें याद करते नजर आए।

गाने के अंत में अक्षय ने कैटरीना को लेकर ऐसी बात कही, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया।

दरअसल, फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का गाना 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' सोमवार को रिलीज कर दिया गया। गाने में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिशा पाटनी नजर आ रही हैं। नए वर्जन वाले गाने में अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेत्री दिशा पाटनी शानदार डांस मूव्स करते नजर आ रहे हैं।

हालांकि, यह गाना साल 2007 में आई फिल्म 'वेलकम' के गाने 'ऊंचा लंबा कद' का रीमिक्स वर्जन है, जिसे नए तरीके से रीक्रिएट किया गया है। इस रीमिक्स ट्रैक पर दुबई में अक्षय कुमार और दिशा पाटनी का एक डांस सीक्वेंस फिल्माया गया है। गाने के आखिरी में, अभिनेता कैटरीना को याद करते हुए बोलते हैं, 'कैटरीना हम तुम्हें याद कर रहे हैं।'

2007 में आई फिल्म 'वेलकम' के गाने 'ऊंचा लंबा कद' में कैटरीना और अक्षय कुमार नजर आए थे। गाने में कटरीना के डांस मूव्स को आज भी पसंद किया जाता है। साथ ही, यह गाना आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में टाइटल ट्रैक को भी रीमिक्स किया गया है, जिसे दर्शकों का काफी प्यार मिला है। इसके अलावा, 'घिस घिस घिस' और 'ऊंचा लंबा कद' जैसे गाने को भी दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।

'वेलकम टू द जंगल' का क्रेज फैंस में देखने को मिल रहा है। यह 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है, लेकिन इसका मिजाज पूरी तरह अलग और अतरंगी है। कहानी में एक्शन, सस्पेंस और कॉमेडी का डबल डोज देखने को मिलेगा।

फिल्म में अक्षय कुमार (डबल रोल में) सहित सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज और रवीना टंडन जैसे दिग्गज कलाकारों की भारी भरकम 'स्टारकास्ट' है।

अनुपम खेर ने मां दुलारी का वीडियो शेयर कर बताया, 'यह भारत के 90 प्रतिशत मिडिल क्लास घरों की कहानी'

मुंबई। भारतीय माताओं का स्वभाव बेहद प्यारा और व्यावहारिक होता है। वे गिफ्ट्स को संभालकर रखने, परिवार में बांटने, या किसी खास मौके पर दूसरों को देने में माहिर होती हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां को तोहफा देते हुए इसी खास आदत का जिक्र किया।

अभिनेता अनुपम खेर ने पोस्ट के जरिए उन सभी मां की भावनाओं को सलाम किया और बताया है कि कैसे हमारे घरों में माताएं तोहफों को सिर्फ वस्तु नहीं, बल्कि एक अनमोल निशानी के तौर पर सहेजकर रखती हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने सोमवार को अपनी मां के साथ खास वीडियो शेयर किया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अभिनेता अपनी मां दुलारी से बात करते हुए एक हैंडबैग गिफ्ट करते हैं, जिसे देखते हुए उनकी मां फौरन से उसकी कीमत पूछती हैं, जिस पर अभिनेता ने कहा कि किसी ने आपके लिए भेजा है। इसके बाद उनकी मां बैग लेकर रैंप-वॉक करती हैं और बैग को अंदर ले जाती हैं।

वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मां को कोई तोहफा देना थोड़ा-सा जोखिम भरा होता है। क्योंकि अगर आपने उन्हें खूबसूरत शॉल, स्वेटर, साड़ी, पर्स या कोई तोहफा दिया है, तो उसके इस्तेमाल होने की संभावना बहुत कम है। पहले वो उसे बड़े प्यार से देखेंगी, उसकी तारीफ करेंगी, सभी को दिखाएंगी और आखिर में, उसे सुरक्षित स्थान पर संभालकर रख देंगी कि शायद आने वाली दो पीढ़ियां भी उसे ढूंढ न पाएं। उन्होंने मां की ममता की अहमियत पर जोर देते हुए लिखा, 'लेकिन असली मजा किसी तोहफे में नहीं, बल्कि घर के उस माहौल में है। उन्होंने घर के मौजूदा माहौल को लेकर लिखा, 'घर में इधर-उधर निर्वैर भाग रहा है। वृंदा उसे आती-जाती हुई सब संभाल रही है। प्रणीत किसी बात पर हंस रहा है। मैं मां को तंग कर रहा हूं और मां अपने नए गिफ्ट के साथ रैंप-वॉक कर रही हैं। उन्होंने आगे लिखा, 'उस दौरान मुझे महसूस हुआ कि ये सिर्फ मेरा घर नहीं, बल्कि भारत के 90 प्रतिशत मिडिल क्लास घरों की कहानी है, जहां तोहफे से ज्यादा भावनाएं संभालकर रखी जाती हैं, जहां बच्चों के बड़े हो जाने के बाद भी मां उनकी पसंद का खाना सोचती हैं।'

म्यांमार में बड़ा हादसा : विस्फोटक रखे गोदाम में धमाके से 45 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली। म्यांमार के उत्तर-पूर्वी इलाके में रविवार को नामखाम टाउनशिप के काउंगटुप गांव की एक इमारत में हुए भीषण विस्फोट में 45 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। बचावकर्मियों और स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इमारत में खनन कार्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक पदार्थ रखे गए थे।

द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह इलाका चीन की सीमा से लगभग तीन किलोमीटर दक्षिण में स्थित है और यहां ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी का नियंत्रण है। यह एक जातीय सशस्त्र समूह है, जिसकी म्यांमार की केंद्रीय सरकार के साथ समय-समय पर झड़पें होती रही हैं।

घटनास्थल पर पहुंचे एक बचावकर्मी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि रविवार शाम तक 46 शव बरामद किए जा चुके थे, जिनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। शवों को अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया गया है। घायलों को टाउनशिप अस्पताल में भर्ती कराया गया है और राहत एवं बचाव कार्य अभी भी जारी है।नामखाम के एक अन्य बचावकर्मी ने बताया कि विस्फोट स्थल के आसपास 100 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। चीन के सरकारी टीवी चैनल सीसीटीवी ने बताया कि इस विस्फोट में कई लोगों की मौत और चोटें हुई हैं तथा आसपास के कई घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। हालांकि, चैनल ने मृतकों और घायलों की कोई आधिकारिक संख्या नहीं बताई। रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि विस्फोट उस स्थान पर हुआ, जहां खनन कार्यों में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी।

स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को राहत, इलाज और पुनर्वास संबंधी सहायता उपलब्ध करा रहा है। ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने अपने टेलीग्राम चैनल पर जारी बयान में कहा कि जेलिग्नाइट नामक विस्फोटक उसके आर्थिक विभाग द्वारा खनन और पत्थर की खदानों में उपयोग के लिए रखा गया था।

विस्फोट किस वजह से हुआ, इसकी जांच जारी है। जेलिग्नाइट विस्फोटक का उपयोग आमतौर पर खनन और चट्टानों को तोड़ने के कार्य में किया जाता है, लेकिन लंबे समय तक या गलत तरीके से भंडारण किए जाने पर यह काफी अस्थिर और खतरनाक हो सकता है।ॉ ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी, थ्री ब्रदरहुड अलायंस नामक विद्रोही गठबंधन का सदस्य है।

इटली में इबोला का संदिग्ध मामला, कांगो से लौटे मरीज को आइसोलेशन में रखा गया

रोम। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि कैग्लियारी में इबोला के एक संदिग्ध मामले की जांच चल रही है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह मरीज हाल ही में कांगो से लौटा था और इस समय सार्डिनिया की राजधानी में मौजूद है।

मरीज में बीमारी के लक्षण दिखाई दे रहे हैं और उसका इबोला टेस्ट किया गया है। इस टेस्ट के नमूनों की जांच रोम स्थित स्पालांजानी संस्थान में की जाएगी।

फिलहाल मरीज को अस्पताल में अलग (आइसोलेशन) रखा गया है। एडनक्रोनोस समाचार एजेंसी की जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह सार्डिनिया की स्थानीय स्वास्थ्य एजेंसियों और स्पालनजानी संस्थान के संपर्क में है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मरीज शहर के सैंटिसिमा ट्रिनिटा अस्पताल के संक्रामक रोग विभाग में भर्ती है। वायरस की मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए गए नमूनों को एयर एम्बुलेंस के जरिए रोम भेजा गया है।

इस मिरियोनिस अस्पताल में ऐसे मामलों के लिए तय सभी सुरक्षा उपाय लागू कर दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के कार्यालय ने जानकारी देते हुए बताया कि? इटली की सरकार ने यूरोप से भी अपील की है कि इबोला के फैलाव को रोकने के लिए अपनी सीमाओं पर निगरानी और आपसी समन्वय को और मजबूत किया जाए।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि इटली, रोम के स्पालनजानी संक्रामक रोग अस्पताल से विशेषज्ञों की एक टीम कांगो भेज रहा है। यह टीम इबोला के प्रकोप से निपटने और वायरस की निगरानी और नियंत्रण को मजबूत करने में मदद करेगी।

संक्षिप्त खबर

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, 100 से ज्यादा घायल

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सोमवार सुबह हिंसक झड़प में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस्लामिक बैंक मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार (वाटर कैनन), आंसू गैस और साउंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया था।

यह प्रदर्शन इस्लामिक बैंक के असंतुष्ट ग्राहकों के समन्वय परिषद और इस्लामिक बैंक ग्राहक फोरम के बैनर तले आयोजित किया गया था। प्रदर्शनकारी बैंक के नए चेयरमैन के रूप में पूर्व केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर मोहम्मद खुर्शीद आलम की नियुक्ति का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि यह नियुक्ति 'विवादास्पद' है और उन्हें किसी भी हालत में बैंक में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक यूएनबी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दिया और बैंक के नए चेयरमैन के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की। साथ ही, उन्होंने हाल ही में अवकाश पर भेजे गए प्रबंध निदेशक उमर फारूक खान की बहाली की मांग भी की।

जरूरत पड़ी तो ईरान पर फिर होगी सैन्य कार्रवाई : इजरायली राजदूत

नई दिल्ली। वेस्ट एशिया में हालात सामान्य करने की कोशिश वैश्विक स्तर पर जारी है। अमेरिका-ईरान में संभावित समझौते की चर्चा जोरों पर है। इजरायल एक अहम कड़ी भी है, तो फिर वह इस पूरे मामले को वो कैसे देखता है? दूसरी ओर, लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगर पर हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले का आदेश सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दिया। आखिर इसके पीछे की वजह क्या है? आईएएनएस ने नई दिल्ली स्थित इजरायली दूतावास के राजदूत रियूवेन अजार से वेस्ट एशिया के ताजा हालात को लेकर सवाल पूछे। अजार से 'ग्रेटर वेस्ट एशिया' की अवधारणा को लेकर पूछा गया कि आखिर ये सोच पारंपरिक भू-राजनीतिक संतुलन को कैसे बदल रही है? उन्होंने कहा, 'ईरानी सत्ता विगत दो दशकों से लोगों के लिए खतरा बनी हुई है। जॉर्डन समेत कई देश जो अब्राहम समझौते के समर्थक हैं, इस खतरे को दूर करना चाहते हैं। अमेरिका से भी बातचीत जारी है। हम भी इस इलाके की सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं, साथ ही आर्थिक तौर पर भी हम मदद करने को तैयार हैं ताकि ये इलाके समृद्ध हो सकें।' यूरेनियम संवर्धन प्रोग्राम को ईरानी राजदूत ने 'अपना कानूनी अधिकार' बताया था। इस पर अजार ने कहा कि जो भी कानूनी अधिकारों के तहत काम करना चाहता है, उसे उस व्यवस्था का पालन भी करना होगा।

ईरान समझौता चाहता है, जो देश हमारे साथ उनका भविष्य बेहतर होगा : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फिर कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म पर इसे लेकर अपना बयान जारी किया। इसमें लिखा है, 'ईरान समझौता चाहता है,' और यह 'अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए अच्छा होगा।'

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में विपक्षी डेमोक्रेट्स और कुछ रिपब्लिकन नेताओं पर भी निशाना साधा और बयानबाजी को वार्ता का रोड़ा बताया।

उन्होंने लिखा, 'डेमोक्रेट्स और कुछ ऐसे रिपब्लिकन (जो देशभक्ति से रहित प्रतीत होते हैं) यह नहीं समझते कि जब राजनीतिक लोग लगातार नकारात्मक टिप्पणियां करते रहते हैं जैसे मुझे तेजी से आगे बढ़ना चाहिए, धीमे चलना चाहिए, युद्ध करना चाहिए, नहीं करना चाहिए, या कुछ और तो मेरे लिए अपना काम ठीक तरह से करना और बातचीत करना कहीं अधिक कठिन हो जाता है?'

ट्रंप ने लोगों से संयम बरतने की अपील करते हुए उम्मीद जताई की सब सकारात्मक तरीके से संपन्न होगा। उन्होंने कहा, 'बस आराम से बैठिए, आखिर में सब अच्छा होगा। हमेशा ऐसा ही होता है। हालांकि ट्रंप की इस पोस्ट में सेंट्रल कमांड के आत्मरक्षा में किए गए नवीनतम हमले और आईआरजीसी के जवाबी हमले का जिक्र नहीं है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड, यानी सेंटकाम ने सोमवार को ही बताया कि उसने ईरान के गोरुक शहर और केश्म द्वीप पर आत्मरक्षा में हमले किए हैं। एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने इससे पहले अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक एमक्यू1 ड्रोन को गिराया था। सेंटकाम के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो वन-वे अटैक ड्रोन नष्ट किए।

दावा है कि ये ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री रास्तों से गुजर रहे जहाजों के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। इसके बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, यानी आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने अमेरिकी की तरफ से हमले के लिए इस्तेमाल हुए एयरबेस को निशाना बनाया है।

इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने हिज्बुल्लाह ठिकानों पर हमले का दिया आदेश

तेल अवीव। इजरायल ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सेना को आदेश दिया है कि वो बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियेह स्थित ठिकानों को निशाने पर ले।

एक्स पोस्ट में लिखा गया कि इजरायली शहरों पर हमले के जवाब में पीएम नेतन्याहू और रक्षा मंत्री ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया है।

इससे पहले अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया कि हिज्बुल्लाह की तरफ से लगातार संघर्षविराम का उल्लंघन हो रहा है और वो इजराइली शहरों पर हमले जारी रख रहा है। इसके जवाब में उन्होंने सेना को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पोस्ट में कहा, 'हिज्बुल्लाह के बार-बार हो रहे हमलों और हमारे नागरिकों को निशाना बनाने के जवाब में, मैंने रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज के साथ मिलकर आईडीएफ को बेरूत के दहियेह इलाके में आतंकी ठिकानों पर हमला करने का आदेश दिया है।'

पूर्वी अफ्रीका में इबोला प्रकोप पर आपात बैठक बुलाएगी ईस्ट अफ्रीकन कम्युनिटी

दार एस सलाम। ईस्ट अफ्रीकन कम्युनिटी (ईएसी) 1 से 2 जून तक स्वास्थ्य मंत्रियों की एक आपातकालीन वर्चुअल बैठक बुलाने जा रही है। इस बैठक का मकसद पूर्वी अफ्रीका में चल रहे इबोला प्रकोप पर मिलकर क्षेत्रीय प्रतिक्रिया तय करना है।

बयान के अनुसार, यह बैठक उस इबोला प्रकोप को रोकने की रणनीतियों पर केंद्रित होगी, जो दुर्लभ 'बुंडिबुग्यो स्ट्रेन' के कारण फैल रहा है। इस स्ट्रेन के लिए अभी तक कोई मान्य वैक्सीन या खास इलाज उपलब्ध नहीं है।

बयान के अनुसार, यह प्रकोप मुख्य रूप से पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो (डीआरसी) में देखा जा रहा है, खासकर इतुरी प्रांत में। यह इलाका बहुत ज्यादा आवाजाही वाला है, जिससे बीमारी के और देशों में फैलने का खतरा बढ़ जाता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। ईएसी के महासचिव स्टीफन बुंडी ने कहा कि संगठन निगरानी, लैब टेस्टिंग, संक्रमण रोकथाम और लोगों को जागरूक करने जैसे कामों में सहयोग बढ़ा रहा है, ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, 'हम सदस्य देशों, अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि सीमाओं के पार संक्रमण को रोका जा सके और लोगों की सेहत की रक्षा की जा सके।'

मुख्य कदमों में रणनीतिक सीमा चौकियों पर 9 मोबाइल लैब तैनात करना, 180 से ज्यादा तेज प्रतिक्रिया विशेषज्ञों की टीम को सक्रिय करना, और स्वास्थ्यकर्मियों को खास ट्रेनिंग देना शामिल है।

इसके अलावा ईएसी प्रभावित क्षेत्रों में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) भी उपलब्ध करा रहा है और इबोला वैक्सीन और डायग्नोस्टिक टेस्ट की मंजूरी को तेज करने के लिए एक क्षेत्रीय ढांचा बनाने पर काम कर रहा है।

ईरान का तर्क, 'हमने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की'

तेहरान। ईरान का कहना है कि उन पर हो रहे हवाई हमलों के जवाब में उन्होंने अमेरिका के क्षेत्रीय ठिकानों को निशाना बनाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने तर्क दिया कि आत्मरक्षा के कानूनी अधिकार के तहत कार्रवाई की गई। इसके साथ ही उन्होंने ईयू के 'सिलेक्टिव अप्रोच' पर भी सवाल खड़े किए।

बाघेई ने कहा कि ईरान को उन 'क्षेत्रीय ठिकानों और संपत्तियों' पर जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है, जिनका उपयोग उसके खिलाफ हमले करने के लिए किया जा रहा है। यह बयान कुवैत के उस बयान के बाद आया जिसमें उसने मिसाइल और ड्रोन हमलों का जिक्र किया था।

ईरानी प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा कि देशों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपनी जमीन या संसाधनों का इस्तेमाल दूसरे देशों पर हमले के लिए न होने दें।

उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) पर भी आरोप लगाया कि वह इस मामले में 'चुनिंदा नैतिक प्रतिक्रिया' दे रहा है। उन्होंने कहा कि ईयू का वह बयान, जिसमें ईरान की कार्रवाई को 'आत्मरक्षा' के नाम पर गलत बताया गया है, उनके 'पाखंड और लापरवाह' रवैए को दर्शाता है।

बाघेई ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस ईयू बयान का जिक्र कर रहे थे। हाल ही में ईयू की विदेश सेवा ने ईरान के कुवैत पर कथित हमलों की आलोचना करते हुए कहा था कि ये कुवैत की संप्रभुता का उल्लंघन हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

वहीं, विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस वार्ता में बाघेई ने लेबनान पर इजरायली हमले का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, 'हम इस बात पर जोर देते हैं कि लेबनान में संघर्ष समाप्त करने के लिए किसी भी समझौते की एक जरूरी शर्त सीजफायर है,' जबकि इजरायल लेबनान में अपना सैन्य अभियान बढ़ा रहा है।

ईरानी प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका-ईरान कूटनीतिक प्रक्रिया में देरी का कारण अविश्वास, वाशिंगटन के विरोधाभासी रुख और लेबनान पर इजरायल के हमले हैं। उन्होंने कहा, 'वार्ता गंभीर संदेह और अविश्वास के माहौल में शुरू हुई है और इसी माहौल में संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है। दूसरा पक्ष लगातार अपने विचार बदल रहा है और नए या विरोधाभासी शर्तें रख रहा है, इसलिए बातचीत लंबी खिंचना स्वाभाविक है।'

कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का अलर्ट, एयर डिफेंस सिस्टम ने संभाला मोर्चा

कुवैत। कुवैत में सोमवार को मिसाइल और ड्रोन हमलों को लेकर अलर्ट जारी किया गया। सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया कि वो सेना की ओर से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी गई। अमेरिका के ईरानी द्वीप पर हमले और आईआरजीसी की जवाबी कार्रवाई के बीच कुवैत से ये खबर आई।

कुवैत आर्मी ने एक्स पर एक बयान जारी किया। जिसके मुताबिक, कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने मिसाइलों और ड्रोन को नष्ट करने का काम किया है।

सेना के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर विस्फोट की आवाजें सुनाई दें, तो लोग समझ लें कि ये वायु रक्षा प्रणालियों की इंटरसेप्शन की वजह से हो रहा है। इसके साथ ही अपील की कि वे सुरक्षा एजेंसियों की ओर से जारी सुरक्षा और सावधानी संबंधी निर्देशों का पालन करें। सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच टकराव की जानकारी दोनों ओर से दी गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड, यानी सेंटकाम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपनी कार्रवाई का लेखा-जोखा दिया, जिसमें कहा गया कि उसने ईरान के गोरुक शहर और केश्म द्वीप पर आत्मरक्षा में हमले किए हैं। बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई।

भीषण तूफान के बाद पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर नुकसान, 70 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल

सिडनी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में सप्ताहांत के दौरान आए भीषण तूफानों के बाद हजारों घरों की बिजली गुल हो गई है। इन तूफानों से कई संपत्तियों और बिजली की लाइनों को नुकसान पहुंचा है।

बिजली कंपनी वेस्टर्न पावर के अनुसार, सोमवार सुबह तक पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में लगभग 70,000 उपभोक्ता, जिनमें पर्थ के लोग भी शामिल हैं, बिजली के बिना थे। शनिवार और रविवार को राज्य के दक्षिणी हिस्से में आए तेज तूफानों ने काफी नुकसान पहुंचाया।

दक्षिण और दक्षिण-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के कई इलाकों में सौ किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार वाली हवाएं चलीं। करीब 24 घंटे तक चले इस खराब मौसम के कारण कई जगहों पर नुकसान और जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। स्टेट इमरजेंसी सर्विस (एसईएस) ने बताया कि सोमवार सुबह तक उन्हें मदद के लिए लगभग 700 कॉल मिली थीं। ज्यादातर शिकायतें छतों के नुकसान, इमारतों को हुए नुकसान और पेड़ों के गिरने से जुड़ी थीं। अधिकारियों ने कहा कि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के अनुसार, पर्थ के समुद्र किनारे स्थित 'कॉटस्लो' इलाके में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग की छत तेज हवाओं से उड़ गई। आसपास रहने वाले लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई है।

पर्थ के पश्चिमी उपनगरों से शनिवार शाम लापता हुआ 11 साल का एक लड़का रविवार सुबह सुरक्षित मिल गया। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। वेस्टर्न पावर का अनुमान है कि ज्यादातर इलाकों में बिजली आपूर्ति सोमवार रात तक बहाल कर दी जाएगी।

कुछ क्षेत्रों में चक्रवात जैसी तेज हवाएं दर्ज की गईं। केप नैचुरलिस्ट में हवा का झोंका 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच गया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्रियों की वार्ता- सैन्य सहयोग समुद्री सुरक्षा और रक्षा उद्योग जैसे विषयों पर जोर

नई दिल्ली। नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस वार्ता में दोनों देशों के रक्षा सहयोग की पूरी रूपरेखा की समीक्षा की गई।

द्विपक्षीय वार्ता के उपरांत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ उनकी यह मुलाकात और बातचीत उत्कृष्ट रही। दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की। इसके साथ ही भारत, ऑस्ट्रेलिया ने इसे संवाद व सहयोग को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति करने के लिए तैयार है। सोमवार को हुई इस बातचीत से पहले ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स का नई दिल्ली में औपचारिक स्वागत किया गया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित रहे। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक शुरू हुई। प्रतिनिधिमंडल में शीर्ष सैन्य अधिकारी व रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

वार्ता के दौरान राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार की हाल ही में जारी 2026 नेशनल डिफेंस स्ट्रेटेजी और इंटीग्रेटेड इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम की सराहना की। रक्षा मंत्री ने इस विषय पर कहा कि वह ऑस्ट्रेलियाई सरकार को हाल ही में प्रकाशित 2026 राष्ट्रीय रक्षा रणनीति और एकीकृत निवेश कार्यक्रम के लिए बधाई देना चाहते हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री से कहा कि आज की चर्चा के दौरान वह इस नीति दस्तावेज पर उनके विचारों को सुनने और भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा संबंधों में विकास की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। बैठक में दोनों देशों ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा संबंध अभूतपूर्व रूप से मजबूत हुए हैं। दोनों पक्षों ने रक्षा और सैन्य सहयोग को और गहरा करने, संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विस्तार करने, समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने, रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी मजबूत करने तथा नई रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती सामरिक प्रतिस्पर्धा और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को देखते हुए यह वार्ता विशेष महत्व रखती है।

पश्चिम बंगाल में 35 मंत्रियों ने ली पद की शपथ

बोले-योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सुवेंदु सरकार के मंत्रिमंडल में सोमवार को 35 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। सीएम की मौजूदगी में कोलकाता के लोक भवन में राज्यपाल आरएन रवि ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद मंत्रियों ने कहा कि केंद्र और राज्य की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

राज्य कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ लेने पर भाजपा विधायक शंकर घोष ने कहा कि सबसे पहले अगर बधाई देनी है तो वह हमें नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के लोगों को दी जानी चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है जिसे हमने लोगों के आशीर्वाद से पूरा किया है। इसलिए इसका श्रेय उन लोगों को जाता है जिन्होंने इसे संभव बनाया है।'

भाजपा विधायक आनंदमय बर्मन ने कहा कि निस्संदेह अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन चुकी है। यह डबल इंजन की सरकार है। केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार की सभी योजनाएं जमीनी स्तर पर आम लोगों तक पहुंचनी चाहिए। यह हमारी प्राथमिकता है। निश्चित रूप से 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत के साथ विकास होगा।'

अजय कुमार पोद्दार ने कहा कि कैबिनेट से दिशा और शासन की झलक मिलती है। यह हमारा आजीवन सपना था कि हम श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके जीवनकाल में भी श्रद्धांजलि दे सकें। यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और 'सोनार बांग्ला' का पुनर्निर्माण करना हमारी प्राथमिकता है। हम इसे अकेले हासिल नहीं कर सकते। सभी नागरिकों के सहयोग से कंधे से कंधा मिलाकर और हाथ से काम करके सभी को साथ लेकर हम इस कार्य को पूरा करेंगे।

राज्य मंत्रिमंडल विस्तार पर राज्यसभा सांसद हर्ष वर्धन श्रृंगला ने कहा कि यह सरकार लोगों के बहुत मजबूत जनादेश के आधार पर आई है। बंगाल के लोग बदलाव चाहते थे। उन्हें वह बदलाव मिला जो वे चाहते थे। हमारे पास सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में एक बहुत मजबूत सरकार है। हमारे पास अब एक बहुत अच्छा मंत्रिमंडल है, एक मजबूत मंत्रिमंडल जिसमें 35 सदस्य हैं।

संक्षिप्त खबर

हरियाणा के सरकारी अस्पताल में नाबालिग का यौन शोषण, आरोपी डॉक्टर फरार

चंडीगढ़। हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) जिला सिविल अस्पताल में एक नाबालिग के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। आरोप एक सेवानिवृत्त डॉक्टर पर है,

जिन्हें सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्त किया गया था। मामले की जानकारी सामने आने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी डॉ. शैलेंद्र कुमार शैली अस्पताल में प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे। हालांकि, सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें सरकारी अस्पताल में सलाहकार (कंसल्टेंट) के रूप में दोबारा नियुक्त किया गया था। घटना के बाद से वह फरार बताए जा रहे हैं। पेट दर्द की शिकायत के बाद नाबालिग को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीड़िता और उसके परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के सलाहकार डॉक्टर शैलेंद्र शैली ने पहले उसे भर्ती कराया और बाद में अस्पताल के ओपीडी परिसर में उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच, राज्य सरकार ने आरोपी डॉक्टर की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। मामले के सामने आने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया है और उनकी नियुक्ति रद्द कर दी गई है। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. उपेंद्र सिंह ने मीडिया को बताया कि नाबालिग को पहले महिला वार्ड में भर्ती कराया गया था। 29 मई की रात करीब 8:30 बजे अत्यधिक रक्तस्राव की शिकायत के बाद उसे इमरजेंसी विभाग में स्थानांतरित किया गया।

दिल्ली में दहेज प्रताड़ना से परेशान 23 वर्षीय महिला की मौत, ससुराल वालों पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जैतपुर इलाके से दहेज प्रताड़ना का एक दर्दनाक मामला सामने आया है। 23 वर्षीय रोशनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसे दहेज के लिए लगातार परेशान कर रहे

थे। मामले में दिल्ली पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका के परिवार के अनुसार, रोशनी की शादी कुछ समय पहले हुई थी। शादी के बाद से ही उसे दहेज को लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। परिवार का आरोप है कि रोशनी का पति और ससुराल पक्ष समय-समय पर पैसों की मांग करते रहते थे। परिजनों ने बताया कि एक बार रोशनी के पति ने अपनी मां के कैंसर के इलाज का हवाला देकर पैसों की मांग की थी। बेटी की जिंदगी को ध्यान में रखते हुए रोशनी के पिता ने किसी तरह पैसे जुटाकर उन्हें दे दिए। हालांकि, इसके बावजूद प्रताड़ना का सिलसिला नहीं रुका। परिवार का यह भी आरोप है कि कुछ समय बाद रोशनी को पता चला कि उसके पति का किसी दूसरी महिला के साथ संबंध है। जब उसने इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। स्थिति बिगड़ने पर रोशनी के रिश्तेदार उसे अपने साथ ले गए थे। कुछ दिनों बाद पति ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी और भविष्य में ऐसा व्यवहार न करने का भरोसा दिया। इसके बाद रोशनी को वापस ससुराल भेज दिया गया। लेकिन, परिवार का कहना है कि अगले ही दिन उन्हें सूचना मिली कि रोशनी अपने कमरे में फंदे से लटकी हुई मिली है।

मणिपुर के नए डीजीपी ने मजबूत सुरक्षा और जन-केंद्रित पुलिसिंग की वकालत की

इंफाल। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मुकेश सिंह ने सोमवार को मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय मजबूत करने और जनता की सेवा में निष्पक्षता, तटस्थता और व्यावसायिकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

पदभार ग्रहण करने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुकेश सिंह ने इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच प्रभावी सहयोग, निष्पक्ष और पूर्वाग्रह रहित पुलिसिंग के साथ मिलकर, राज्य में शांति, सुरक्षा और जनता के विश्वास को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

एक अधिकारी ने बताया कि औपचारिक स्वागत समारोह के बाद डीजीपी ने इंफाल के मंत्रीपुखरी स्थित पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त परिचयात्मक बैठक की। उन्होंने पुलिसिंग की प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की और प्रोफेशनलिज्म, भारत के संविधान और कानून के शासन का पालन, सहयोगी एजेंसियों के साथ समन्वय और जनता के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन में निष्पक्षता और तटस्थता पर जोर दिया। इस अवसर पर मणिपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इससे पहले, पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर मुकेश सिंह को मणिपुर पुलिस कर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एजीएमयूटी (अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश) कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी मुकेश सिंह ने डीजीपी राजीव सिंह का स्थान लिया है, जो मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयासों के बीच राज्य पुलिस बल में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन का प्रतीक है। मणिपुर में तबादले से पहले, मुकेश सिंह लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे; यह पद उन्होंने 15 जनवरी, 2026 को ग्रहण किया था। त्रिपुरा कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव सिंह को 21 मई को कैबिनेट सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) नियुक्त किया गया था। मणिपुर के पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, राजीव सिंह त्रिपुरा में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और बाद में नई दिल्ली स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) मुख्यालय में महानिरीक्षक (संचालन) के रूप में कार्यरत थे।

जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच ने श्रीनगर में जमीन धोखाधड़ी मामले में चार्जशीट दायर की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को बताया कि उसने श्रीनगर जिले के खुशीपोरा इलाके में जमीन धोखाधड़ी के एक मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। क्राइम ब्रांच कश्मीर ने एक बयान में कहा, 'क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने श्रीनगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में एफआईआर के तहत तीन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इन पर धारा 420, 468, 167 और 120-बी आरपीसी के तहत जमीन धोखाधड़ी के मामले में शामिल होने का आरोप है।'

बयान में कहा गया है कि यह मामला खुशीपोरा, एचएमटी श्रीनगर में स्थित एक ही जमीन के टुकड़े को अलग-अलग रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेजों के जरिए कई लोगों को कथित तौर पर धोखे से बेचने से संबंधित है।

जांच में पता चला कि आरोपी मेराजउद्दीन खांडे (गुलाम अहमद खांडे के पुत्र) और शब्बीर अहमद खांडे, दोनों श्रीनगर के खुशीपोरा अबानशाह निवासी, ने तत्कालीन पटवारी (जो अब जीवित नहीं हैं) के साथ मिलीभगत करके एचएमटी श्रीनगर के खुशीपोरा इलाके में स्थित एक ही जमीन के टुकड़े के लिए धोखाधड़ी से कई बिक्री दस्तावेज (सेल डीड) तैयार किए। आरोपियों ने खरीदारों को धोखा देने और अवैध लाभ कमाने के लिए फर्जी और बदले हुए राजस्व रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया।

रांची रेलवे स्टेशन से 61 किलो गांजा बरामद, बिहार के तीन तस्कर गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 61 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में बिहार के तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 30.50 लाख रुपए बताई गई है।

आरपीएफ अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि ऑपरेशन 'नारकोस' के तहत आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची, आरपीएफ पोस्ट रांची और आरपीएफ अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चलाया।

इस दौरान ट्रेन संख्या 18309 संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस के बी-3 कोच में चार ट्रॉली बैग और तीन पिट्ठू बैग के साथ यात्रा कर रहे तीन संदिग्ध युवकों पर टीम की नजर पड़ी। पूछताछ के दौरान संदिग्धों ने बैग में गांजा होने की बात स्वीकार की। इसके बाद ट्रेन के रवाना होने पर तीनों को उनके सामान सहित नामकुम रेलवे स्टेशन पर उतारकर विधिसम्मत जांच की गई।

तलाशी के दौरान बैगों से कुल 61 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 61 किलोग्राम पाया गया। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के बक्सर जिले के रहने वाले आयुष सिंह (22), प्रिंस कुमार (21) और अंकित पाठक (19) के रूप में हुई है।

सीएम मोहन यादव बोले, 'मध्य प्रदेश में जल्दी लागू होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जल्द लागू होगी। इसके लिए प्रदेश सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि यूसीसी को लेकर समिति बना दी गई है। यह समिति धार्मिक लोगों से राय ले रही है। मध्य प्रदेश में यूसीसी को लागू किया जाएगा। क्योंकि, आज धार्मिक-सामाजिक-पारिवारिक रूप से भिन्न-भिन्न मतों की आवश्यकता नहीं है। आज जरूरत यूसीसी की ओर बढ़ने की है। जनता भी वेबसाइट पर अपने सुझाव जरूर साझा करे।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता मध्य प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही है। हमारे राज्य में चाहे बहनों के तलाक के मामले हों, चाहे पारिवारिक परंपराएं हों, चाहे भिन्न-भिन्न धार्मिक मामले हों, आज वैधानिक और सामाजिक रूप से इनमें भिन्नता की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान में हमें समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ने की जरूरत है। अभी तीन राज्यों उत्तराखंड-गुजरात और असम ने इसको अपनाया है। हम भी राज्य में यूसीसी लागू करेंगे।

उन्होंने कहा कि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में अलग-अलग विद्वानों को मिलाकर समिति भी बना दी गई है। यह समिति विभिन्न जिलों में जाकर सभी धर्मों के लोगों से सुझाव ले रही है। उनकी रिपोर्ट का संकलन करने के बाद हम चाहेंगे कि जल्दी से जल्दी समान नागरिक संहिता मध्य प्रदेश में लागू हो जाए। राज्य की भी इच्छा है कि इसे लागू होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार जन-कल्याणकारी कामों को लगातार आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश उन अनुकूल राज्यों में से एक है, जहां यूसीसी लागू होना चाहिए। यूसीसी को लेकर वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। प्रदेश की जनता अपने सुझाव जरूर दे।

हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम पुलिस स्टेशन की टीम ने एक आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है और इस दौरान एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल भी बरामद की गई है। यह पूरी कार्रवाई एक हत्या के मामले की जांच के दौरान हुई है।

वेलकम पुलिस स्टेशन में पहले दर्ज एफआईआर के तहत धारा 103(1), 109(1), 61(2)(ए), 3(5) बीएनएस और 25/27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मामला चल रहा था। यह मामला 23 जनवरी को किंग्स कैफे में हुई एक हत्या से जुड़ा हुआ है। जांच के दौरान पुलिस को रुहैल उर्फ साहिल नाम के 25 वर्षीय युवक की संलिप्तता का पता चला। वह हबीब का बेटा है और जनता मजदूर कॉलोनी, वेलकम, दिल्ली में रहता है। पुलिस ने आरोपी रुहैल उर्फ साहिल को हिरासत में लेकर रिमांड पर पूछताछ की। लगातार पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

उसने बताया कि उसने पचास हजार रुपए में एक पिस्टल किसी को बेची थी।

वेतन न मिलने से नाराज झारखंड के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल रिम्स के कर्मियों ने किया प्रदर्शन

रांची। झारखंड के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के कर्मचारी महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किए जाने के विरोध में आंदोलन पर उतर आए हैं। उन्होंने सोमवार को निदेशक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया।

नर्सिंग और पारा मेडिकल कर्मियों ने रिम्स प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और जल्द वेतन भुगतान तथा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन में शामिल कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें पिछले तीन महीने से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे आर्थिक संकट गहरा गया है।

संस्थान के 1,500 से अधिक स्थायी कर्मचारी इस स्थिति से प्रभावित हैं। कर्मियों

के अनुसार, वेतन नहीं मिलने के कारण परिवार का खर्च चलाने, बच्चों की फीस जमा करने और बैंक ऋण की किस्तें चुकाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उन्होंने कार्य बहिष्कार नहीं किया है। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वार्डों और अन्य आवश्यक सेवाओं में कर्मचारियों की तैनाती जारी है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर कई बार प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि रिम्स में कार्यरत पीजी प्रथम वर्ष के कई जूनियर डॉक्टरों को पिछले लगभग छह महीने से स्टाइपेंड का भुगतान नहीं किया गया है।

वेतन भुगतान के अलावा कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और उससे संबंधित विसंगतियों को दूर करने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जा सकता है।

14 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर गैलेक्सी को चमकदार तारे ने किया ओवरशैडो, हबल टेलीस्कोप ने कैद किया अनोखा नजारा

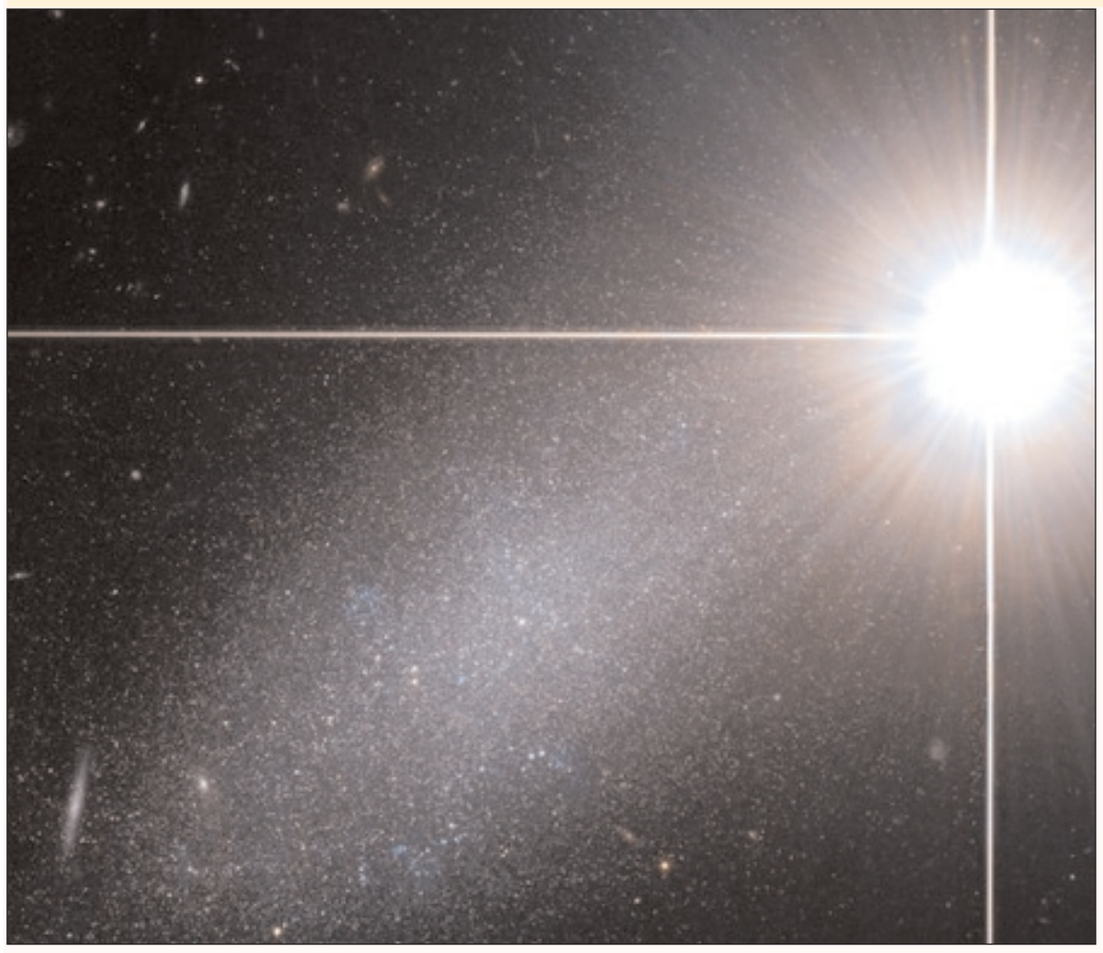

नई दिल्ली। स्पेस की दुनिया अनगिनत रहस्यों से भरी पड़ी है, जिसे जानने के लिए आम लोग उत्साहित रहते हैं। ऐसा ही एक सवाल है कि क्या होता है जब 14 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक गैलेक्सी और पृथ्वी के बीच कोई चमकदार तारा आ जाता है? यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) के हबल टेलीस्कोप ने इसका जवाब अपनी एक शानदार तस्वीर में कैद कर लिया है।

ईएस ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को पोस्ट किया, तस्वीर में पास का एक तारा इतना चमकदार दिख रहा है कि दूर स्थित पीजीसी 39058 नाम की गैलेक्सी लगभग छिप सी गई है। ईएस ने बताया, खगोलविदों के लिए गैलेक्सी का अध्ययन करना आमतौर पर चुनौती भरा होता है, लेकिन पीजीसी 39058 के मामले में मुश्किल और बढ़ गई। क्योंकि पृथ्वी और इस गैलेक्सी के बीच एक चमकीला तारा ठीक बीच में आ गया। हबल की तस्वीर में यह तारा इतनी तेज चमक के साथ दिख रहा है कि दूर की गैलेक्सी को देखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है।

इसके बाद भी हबल के पावरफुल ऑप्टिक्स ने दोनों को साफ-साफ कैद कर लिया। पीजीसी 39058 एक ड्वार्फ गैलेक्सी (बौनी गैलेक्सी) है, जो पृथ्वी से लगभग 14 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर ड्रेको (ड्रैगन) तारामंडल में स्थित है।

इसमें लाखों तारे हैं, जिनमें से कई सामने वाले चमकीले तारे जैसे ही हो सकते हैं। लेकिन इसकी छोटी आकार और दूरी के कारण यह धुंधली दिखती है।

हबल की तस्वीर में गैलेक्सी को उसके अलग-अलग तारों में पूरी तरह बिखरा हुआ देखा जा सकता है।

साथ ही बैकग्राउंड में और भी कई दूर की गैलेक्सी दिख रही हैं। यह चमकदार तारा पृथ्वी से काफी करीब है, इसलिए यह बहुत तेज चमकता है। हालांकि, आम लोग इसे नंगी आंखों से नहीं देख सकते। इसे देखने के लिए छोटे टेलीस्कोप या दूरबीन की जरूरत पड़ती है।

हबल ने इस तस्वीर को एडवांस्ड कैमरा फॉर सर्वेज के जरिए ली है। इसमें पीले और निकट इंफ्रारेड फिल्टर का इस्तेमाल किया गया। ड्रेको तारामंडल उत्तरी गोलार्ध में आसमान के बड़े हिस्से पर फैला हुआ है। प्राचीन यूनानी पौराणिक कथाओं में इसे 100 सिर वाले ड्रैगन से जोड़ा जाता है, जिसकी रखवाली सुनहरे सेबों पर की जाती थी।

मई 2026 में यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड, 23.20 अरब ट्रांजैक्शन के साथ डिजिटल भुगतान में नई ऊंचाई

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल भुगतान का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ साबित की है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा साझा किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में यूपीआई के जरिए कुल 23.20 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

एनपीसीआई ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि मई 2026 के दौरान यूपीआई के माध्यम से कुल 29.90 लाख करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन हुए, जो कि पिछले साल की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। इससे साफ है कि देश में न केवल यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़ रही है, बल्कि बड़े मूल्य के लेनदेन भी तेजी से डिजिटल माध्यमों से किए जा रहे हैं। एनपीसीआई के आंकड़ों के मुताबिक, मई में प्रतिदिन औसतन 748 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए। वहीं, रोजाना औसतन 96,465 करोड़ रुपए का भुगतान यूपीआई प्लेटफॉर्म के जरिए किया गया। यह दर्शाता है कि यूपीआई अब आम लोगों की दैनिक वित्तीय गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वहीं, अप्रैल 2026 में यूपीआई के जरिए 22.35 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए थे, जबकि मई में यह संख्या बढ़कर 23.20 अरब हो गई। इसी तरह अप्रैल में कुल ट्रांजैक्शन राशि 29.03 लाख करोड़ रुपए थी, जो मई में बढ़कर 29.90 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई।अप्रैल 2026 में औसतन 745 मिलियन दैनिक ट्रांजैक्शन और 96,766 करोड़ रुपए का दैनिक लेनदेन दर्ज किया गया था। मई में ट्रांजैक्शन संख्या में वृद्धि देखने को मिली, जबकि दैनिक लेनदेन राशि लगभग इसी स्तर पर बनी रही।

मार्च 2026 में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या 22.64 अरब रही थी और कुल लेनदेन राशि 29.53 लाख करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। इसके बाद अप्रैल और मई दोनों महीनों में ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में लगातार वृद्धि देखने को मिली, जो भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है।

यूपीआई की लगातार बढ़ती लोकप्रियता यह संकेत देती है कि भारत तेजी से कैशलेस और डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। आसान, सुरक्षित और त्वरित भुगतान सुविधा के कारण यूपीआई आज छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं तक की पहली पसंद बन चुका है।

गर्मी में त्वचा की समस्याएं हो सकती हैं खतरनाक, समय रहते पहचानें लक्षण, ऐसे करें बचाव

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में इस समय भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। लगातार बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं के कारण लोगों को कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। चिलचिलाती धूप के साथ उमस भरी हवा लोगों को परेशान कर रही है। ऐसे मौसम में त्वचा संबंधी समस्याएं बहुत आम हो जाती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट आगाह करते हैं कि गर्मी में त्वचा की समस्याओं को नजरअंदाज न करें।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, ज्यादा गर्मी और पसीने के कारण त्वचा पर छोटी-छोटी परेशानियां शुरू हो जाती हैं, जिस पर अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो यह बड़ी समस्या बन सकती है। गर्मी के मौसम में पसीना ज्यादा आता है। जब पसीना त्वचा की सिलवटों या बंद रोमछिद्रों में फंस जाता है तो त्वचा में सूजन और जलन पैदा हो जाती है। इसे आम भाषा में घमौरियां या प्रिकली हीट कहा जाता है। यह समस्या खासकर बच्चों, मोटापे से ग्रस्त लोगों और ज्यादा पसीना आने वाले व्यक्तियों को होती है। घमौरियों के मुख्य लक्षणों पर नजर डालें तो त्वचा पर छोटे-छोटे लाल दाने या फुंसियां निकलना, तेज खुजली और चुभन जैसा महसूस होना, गर्दन, छाती, कमर, कांख और त्वचा की सिलवटों वाले हिस्सों में ज्यादा समस्याएं और कभी-कभी हल्का बुखार या जलन भी हो सकती है। एनएचएम ने गर्मी में त्वचा की देखभाल के लिए कुछ आसान उपाय बताए हैं। सबसे जरूरी है ठंडी और कम नमी वाली जगह पर रहना, जहां पंखा या कूलर चल रहा हो, वहां ज्यादा समय बिताएं। प्रभावित त्वचा को हमेशा साफ और सूखा रखें। नहाने के बाद शरीर को अच्छी तरह पोंछ लें। आराम के लिए सादा टैल्कम पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन इसमें कोई तेज खुशबू या केमिकल न हो। प्रभावित जगह पर कोई क्रीम या मलहम खुद से न लगाएं, क्योंकि इससे समस्या बढ़ सकती है। इसके साथ ही ढीले और सूती कपड़े पहनें जो हवा आने-जाने दें। बाहर निकलते समय छाता या स्कार्फ का इस्तेमाल करें।

एक्सपर्ट्स कुछ सावधानियां बरतने की सलाह देते हैं। जैसे ज्यादा देर धूप में न रहें, दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। ज्यादा तेल-मसाला वाले या भारी भोजन से बचें और बच्चों की त्वचा पर खास नजर रखें।स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी का यह मौसम त्वचा के लिए चुनौती भरा है, लेकिन थोड़ी सी सावधानी और सही देखभाल से इन समस्याओं से बचा जा सकता है।

हाथ में दर्द से चेहरा पीला पड़ने तक, हार्ट अटैक के इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। दिल से जुड़ी बीमारियां आज तेजी से बढ़ रही हैं और हार्ट अटैक के मामले भी पहले के मुकाबले अधिक देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हार्ट अटैक अक्सर अचानक आता हुआ नजर आता है, लेकिन कई बार शरीर पहले से कुछ संकेत देने लगता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए और तुरंत इलाज शुरू कर दिया जाए तो मरीज की जान बचाई जा सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, लोगों को हार्ट अटैक के शुरुआती संकेतों के प्रति जागरूक रहना बेहद जरूरी है। हार्ट अटैक का सबसे सामान्य लक्षण सीने में दर्द, दबाव या जकड़न महसूस होना है। कई बार यह दर्द केवल सीने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हाथों, विशेष रूप से बाएं हाथ, कंधे, गर्दन, जबड़े, पीठ या कोहनी तक भी फैल सकता है। कुछ लोगों को सांस लेने में परेशानी या अचानक सांस फूलने की शिकायत भी हो सकती है। इसके अलावा, मतली, उल्टी, पेट में बेचैनी और असामान्य थकान जैसे संकेत भी हार्ट अटैक का इशारा हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि चक्कर आना, शरीर में कमजोरी महसूस होना, बिना किसी मेहनत के ठंडा पसीना आना और चेहरे का पीला पड़ना भी गंभीर संकेत माने जाते हैं। कई मामलों में महिलाओं और बुजुर्गों में ये लक्षण सामान्य रूप से दिखाई नहीं देते, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। यदि इनमें से कोई भी परेशानी पांच मिनट से अधिक समय तक बनी रहे तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए।

हालांकि, ऐसा नहीं है कि इस समस्या का समाधान नहीं है। हार्ट अटैक के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि करने से हृदय स्वस्थ रहता है। भोजन में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए। वहीं तले-भुने और अधिक नमक व चीनी वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनानी चाहिए।

विशेषज्ञ धूम्रपान छोड़ने, शराब का सीमित सेवन करने और वजन नियंत्रित रखने की भी सलाह देते हैं। साथ ही ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर की नियमित जांच करवाना जरूरी है। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान और पर्याप्त नींद भी लाभदायक मानी जाती है। खासतौर पर 30 वर्ष की आयु के बाद नियमित स्वास्थ्य जांच करवाना हृदय संबंधी जोखिमों को समय रहते पहचानने में मदद कर सकता है।

घड़ा ही नहीं, मिट्टी के बोतल और गिलास भी खास, प्राकृतिक ठंडक के साथ स्वाद भी बढ़ाए

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है और चिलचिलाती धूप लोगों का जीना मुश्किल कर रही है। ऐसे में बिजली वाले कूलर या फ्रिज पर निर्भर रहने के बजाय पारंपरिक मिट्टी के बर्तन एक बार फिर लोकप्रिय हो रहे हैं। घड़े के अलावा, मिट्टी के बोतल, कुल्हड़ और गिलास भी प्राकृतिक ठंडक देने के साथ ही पानी और पेय पदार्थों का स्वाद बढ़ाने में कारगर होते हैं।

मिट्टी के बर्तन गर्मी के मौसम में प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखते हैं। मिट्टी की नमी के कारण वाष्पीकरण होता है, जो पानी के तापमान को कम करता है। इसमें रखा पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि मिट्टी के खनिजों से भरपूर भी हो जाता है। प्लास्टिक या स्टील के बर्तनों के मुकाबले मिट्टी के बर्तन पानी को केमिकल-मुक्त और स्वादिष्ट बनाते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) मिट्टी के बर्तनों के इस्तेमाल के फायदों के बारे में जानकारी देता है। मिट्टी के बर्तन प्राकृतिक ठंडक देते हैं, यह बिना बिजली के पानी को 8-10 डिग्री ठंडा रख सकते हैं। मिट्टी का पानी क्षारीय होता है, जो पेट की अम्लता कम करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, कुल्हड़ में चाय, छाछ या जूस पीने पर मिट्टी की सौंधी खुशबू स्वाद को और भी खास बना देती है।

गर्मी के इस मौसम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों सलाह देते हैं कि कोल्ड ड्रिंक्स की जगह मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी या पेय ज्यादा फायदेमंद है। इससे गर्मी से होने वाली डिहाइड्रेशन और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव होता है। मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी शरीर को ठंडक पहुंचाता है, गर्मी से होने वाली थकान और जलन कम करता है। साथ ही ये बर्तन पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल हैं और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं।

मिट्टी की बोतल या क्ले बॉटल बाहर घूमने या ऑफिस ले जाने के लिहाज से भी बहुत सुविधाजनक है। यह पानी को लंबे समय तक ठंडा और ताजा रखती है। कुल्हड़ एक बार इस्तेमाल के बाद फेंकने योग्य होते हैं, जिससे स्वाद के साथ स्वच्छता भी बनी रहती है। वहीं, मिट्टी का घड़ा परिवार के लिए ठंडा पानी उपलब्ध

अमेरिकी एफडीए ने डाबर इंडिया के प्लांट में मैन्युफैक्चरिंग और डेटा इंटीग्रिटी संबंधी खामियों को लेकर आपत्ति जताई

नई दिल्ली। अमेरिकी फूड एवं ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने दादरा और नगर हवेली स्थित डाबर इंडिया की एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में गंभीर मैन्युफैक्चरिंग, रखरखाव और डेटा इंटीग्रिटी संबंधी खामियों को लेकर आपत्ति उठाई।

यूएस एफडीए ने यह आपत्ति ऐसे समय में उठाई है, जब भारतीय दवा और स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद निर्माता गुणवत्ता मानकों और मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस को लेकर अमेरिकी नियामकों की बढ़ती जांच का सामना कर रहे हैं। यूएस एफडीए की निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, नियामक ने डाबर के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में कई कमियों की पहचान की, जिससे संभावित सूक्ष्मजीवी अशुद्धि और मैन्युफैक्चरिंग मानकों के अनुपालन न होने को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।जांच एजेंसी ने प्लांट में उपकरण सफाई, रखरखाव और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं में कमियां पाईं। साथ ही, यह भी आरोप लगाया कि कुछ मैन्युफैक्चरिंग डेटा में हेराफेरी की गई थी ताकि उन उपकरणों का उपयोग छिपाया जा सके जिनका उपयोग उनके निर्धारित उत्पादों के अलावा अन्य उत्पादों के लिए किया जा रहा था।

रिपोर्ट में बताया गया कि एफडीए निरीक्षकों को पैकेजिंग सामग्री के पास स्थित कच्चे माल के गोदाम में एक जीवित पक्षी और पक्षी की बीट मिली। निरीक्षकों ने कच्चे माल और तैयार उत्पाद भंडारण क्षेत्रों में छत की सतहों के बड़े हिस्से पर एक अज्ञात काले पदार्थ को भी देखा।

पीठ-गर्दन में अकड़न और गड़बड़ रहता है पेट? 'सरलमत्स्यासन' से मिलेगी राहत

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 (21 जून) को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए लोगों से लगातार अपील कर रहा है। मंत्रालय ने आम समस्याओं जैसे पीठ और गर्दन में लगातार अकड़न, पेट की तकलीफ के साथ पाचन संबंधी दिक्कतों के समाधान के लिए सरलमत्स्यासन के अभ्यास की सलाह दी है।

सरलमत्स्यासन या ईजी फिश पोज के रोजाना अभ्यास से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। आजकल की व्यस्त और तनावपूर्ण जिंदगी में बहुत से लोग पेट में गैस, अपच, कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं। साथ ही सांस लेने में तकलीफ, अस्थमा या ब्रोंकाइटिस की शिकायत भी आम हो गई है। कई लोगों को पीठ दर्द, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस और गर्दन में लगातार अकड़न की समस्या भी सताती है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार इन समस्याओं से निपटने में सरलमत्स्यासन बेहद कारगर साबित हो सकता है। सरलमत्स्यासन के अभ्यास से एक-दो नहीं कई फायदे मिलते हैं। यह आसन पेट के अंगों को अच्छी तरह स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत होती है और पेट संबंधी तकलीफें कम होती हैं। छाती के क्षेत्र को खोलने से सांस लेने की क्षमता बढ़ती है और फेफड़ों की कार्यक्षमता सुधरती है। गर्दन के आसपास खिंचाव से थायरॉइड ग्लैंड सक्रिय रहता है। पीठ और गर्दन की मांसपेशियों को आराम मिलता है, जिससे पुरानी अकड़न और दर्द में राहत मिलती है।

अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: 'यह उपलब्धि भारत की अदम्य खेल क्षमता का प्रतीक', केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय दल को सराहा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय दल के प्रदर्शन को सराहा है, जिसने इस प्रतियोगिता में कुल 19 पदक (जिनमें 10 स्वर्ण पदक शामिल हैं) जीते। उन्होंने इस उपलब्धि को भारत की अदम्य खेल क्षमता का प्रतीक बताया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हांगकांग में आयोजित 22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में भारतीय दल को बहुत-बहुत बधाई। 10 गोल्ड मेडल सहित कुल 19 मेडल जीतने की आपकी यह उपलब्धि भारत की अदम्य खेल क्षमता का प्रतीक है, जो पूरे देश में अनगिनत एथलीट्स को प्रेरित करेगी।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारतीय खिलाड़ियों की सराहना करते हुए एक्स पर लिखा, '22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 19 पदक (जिनमें 10 स्वर्ण शामिल हैं) जीतने के लिए भारतीय दल को बधाई। यह शानदार प्रदर्शन भारत के युवा एथलीट्स के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है। आशा है कि ये उपलब्धियां आने वाले वर्षों में और भी कई युवा भारतीयों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। 'भारतीय दल ने प्रतियोगिता के आखिरी दिन अपने मेडल्स की संख्या में तीन और गोल्ड जोड़कर शानदार अंदाज में अपने अभियान का समापन किया। भारत कुल मिलाकर 19 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर रहा। 10 गोल्ड के अलावा, भारतीय टीम ने 5 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज भी जीते।

प्रतियोगिता के आखिरी दिन, मुस्कान ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ 16:53.08 का समय निकालकर गोल्ड जीता।

इसके बाद निश्चय ने मेंस डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) इवेंट में 60.10 मीटर का नेशनल अंडर-20 रिकॉर्ड बनाते हुए सिल्वर जीता। मोगली वेंकटराम रेड्डी ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ 1:48.27 के समय में पूरी करके गोल्ड हासिल किया। अंत में, नीरू पाठक ने भारतीय महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम को गोल्ड दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम (संजय नेहते, तहूरा खातून और सेहनूर बावा) ने 3:38.07 सेकंड का समय निकालकर प्रतियोगिता का रिकॉर्ड तोड़ा। भारतीय पुरुषों की 4×400 मीटर रिले टीम (पीयूष राज, सैयद सबीर, रंजीत कुमार एस और मोहम्मद अशफाक) ने भी 3:07.38 के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया।

महिलाओं की 4×100 मीटर रिले टीम (काजल हीराभाई वाजा, भावना, आरती और निपम) ने 45.05 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता।

नॉर्वे चेस 2026: कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत, गुकेश और दिव्या हारे

ओस्लो। नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है।

पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही।

एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू वेनजुन ने धैर्य के साथ खेलते हुए एंडगेम में बढ़त हासिल की और मुकाबला अपने नाम किया।

दूसरी ओर, बिबिसारा असौबायेवा ने आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और महिला वर्ग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। छह राउंड के बाद असौबायेवा 9.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 8.5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई हैं।

एना मुजिचुक और झू जिनर के बीच खेला गया मैच काफी बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया और कोई भी बढ़त नहीं बना सका, इसलिए क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ। इसके बाद आर्मागेडन गेम खेला गया।

आईपीएल 2026: आरसीबी की जीत के बाद सड़कों पर उतरे फैंस, कोहली के साथ लगाए टीम के नारे

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के खिताबी मैच में गुजरात टाइटंस (जीटी) के विरुद्ध 5 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। फैंस ने आरसीबी की लगातार दूसरी खिताबी जीत का जमकर जश्न मनाया।

कर्नाटक में फैंस ने पटाखों के साथ आरसीबी की जीत का जश्न मनाया। इस दौरान फैंस 'कोहली-कोहली' और 'आरसीबी-आरसीबी' के नारे लगाते नजर आए। इन फैंस ने बताया कि उन्हें आरसीबी के फाइनल में पहुंचने के बाद से ही यकीन था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम करेगी। धारवाड़ में फैंस ने एक विशाल ट्रॉफी के साथ इस जीत का जश्न मनाया।

दिलखुश परमार ने 'आईएएनएस' से कहा, 'आरसीबी के लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतने पर हम बेहद खुश हैं। हमें विराट कोहली के ट्रॉफी जीतने की ज्यादा खुशी है। विराट कोहली ने फाइनल मैच में शानदार पारी खेली। उन्हें यूं ही चेज मास्टर नहीं कहा जाता है।'

पर्व पांड्या ने कहा, 'गुजरात टाइटंस के होम ग्राउंड पर हमें आरसीबी के जीतने की कम ही उम्मीदें थीं, लेकिन आरसीबी ने खुद को फिर से चैंपियन साबित किया है। विराट कोहली सच में किंग हैं। जीटी की तरफ से वेंकटेश अय्यर ने सभी का दिल जीता है।'

एक महिला फैन ने कहा, 'फाइनल मैच बहुत शानदार था। आरसीबी ने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। यह एकतरफा मैच रहा। हम यहां आरसीबी की बल्लेबाजी देखने ही आए थे। जीटी को आगे अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है।'

आणंद से इस मैच को देखने पहुंची तुलसी ने कहा, 'विराट कोहली ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। आरसीबी की पूरी टीम ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। गिल ने काफी मशक्कत की। जीटी ने भी अपना शत प्रतिशत दिया है। 'रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में जीटी ने 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए।

अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन के लिए पीएम मोदी ने दी भारतीय टीम को बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में दमदार रहा, और टीम ने 10 गोल्ड समेत कुल 19 मेडल जीते। प्रधानमंत्री ने इस सफलता को युवा एथलीटों के पक्के इरादे और बेहतरीन प्रदर्शन की झलक बताया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, '22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 गोल्ड समेत 19 मेडल जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई। यह शानदार प्रदर्शन भारत के युवा एथलीटों के पक्के इरादे और बेहतरीन काम को दिखाता है। उम्मीद है कि ये कामयाबियां आने वाले वर्षों में और भी युवा भारतीयों को खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।'

भारतीय टीम ने आखिरी दिन अपनी गिनती में तीन गोल्ड मेडल जोड़कर अपने अभियान का शानदार अंत किया और कुल मिलाकर 19 मेडल जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया। 10 गोल्ड मेडल के अलावा, भारतीय टीम ने पांच सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल भी जीते। हालांकि, मेडल की संख्या के हिसाब से यह भारत का टूर्नामेंट में अब तक का बेस्ट प्रदर्शन नहीं है। भारत ने साल 2024 में दुबई में आयोजित हुए संस्करण में 7 गोल्ड, 11 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज के साथ कुल 29 मेडल अपने नाम किए थे।

प्रतियोगिता के आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुस्कान ने महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 16 मिनट 53.08 सेकंड में पूरी की। वहीं, निश्चय ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में 60.10 मीटर का थ्रो करके सिल्वर मेडल जीता।

इस दौरान उन्होंने नया नेशनल अंडर-20 रिकॉर्ड भी बनाया। पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में मोगली वेंकटराम रेड्डी ने 1 मिनट 48.27 सेकंड का समय निकालते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा, नीरू पाठक ने भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम का हिस्सा रहते हुए टीम को गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता और नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। टीम ने 3 मिनट 38.07 सेकंड में दौड़ पूरी की, जो पिछले रिकॉर्ड 3 मिनट 38.20 सेकंड से बेहतर रही। यह पुराना रिकॉर्ड 2018 में जापान की टीम ने बनाया था। इस विजेता भारतीय टीम में नीरू पाठक के अलावा भूमिका संजय नेहाते, ताहुरा खातून और सहनूर बावा शामिल थीं। वहीं, भारतीय पुरुष 4×400 मीटर रिले टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। टीम ने 3 मिनट 05.54 सेकंड का समय निकाला, जो पुराने मीट रिकॉर्ड 3 मिनट 07.38 सेकंड से बेहतर था। हालांकि, अन्य टीमों के बेहतर प्रदर्शन के कारण भारत को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। टीम में पीयूष राज, सैयद सबीर, रंजीत कुमार एस और मोहम्मद अशफाक शामिल थे।

आईपीएल 2026 : 776 रन, 5 अवॉर्ड और कई बड़े रिकॉर्ड्स, वैभव सूर्यवंशी के लिए यादगार सीजन

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का खिताब भले ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने नाम किया हो, लेकिन इस सीजन को वैभव सूर्यवंशी के दमदार प्रदर्शन के लिए याद रखा जाएगा। 15 साल की उम्र में वैभव ने आतिशी बल्लेबाजी से हर किसी को अपना मुरीद बना दिया। वह ऑरेंज कैप को जीतने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने।

आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ही हर कोई वैभव सूर्यवंशी के इस सीजन के प्रदर्शन पर निगाहें लगाए बैठा हुआ था। हालांकि, वैभव ने अपनी तूफानी और सूझबूझ भरी बल्लेबाजी से यह साबित करके दिखाया कि पिछले साल का प्रदर्शन कोई तुक्का नहीं था, बल्कि इस स्टेज पर छा जाने की काबिलियत उनके अंदर मौजूद है। राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए वैभव ने आईपीएल 2026 में खेले 16 मुकाबलों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। वैभव ने इस सीजन एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए।

आईपीएल 2026 में वैभव की बल्लेबाजी में परिपक्वता नजर आई। उन्होंने इस सीजन सूझबूझ से बल्लेबाजी की और हर गेंद को सिर्फ बाउंड्री के पार पहुंचाने की होड़ में नहीं रहे।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, हेटमायर की वापसी

एंटीगुआ। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है।

माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज़ में नहीं खेल पाए थे।

जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा।

वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए अपने खेल का स्तर तय करने का अच्छा मौका है। टीम फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन दिखाना चाहती है।

सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है। कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य घरेलू मैदान को टीम का मजबूत किला बनाना है, जहां विरोधी टीमों के लिए जीत हासिल करना मुश्किल हो। इसके लिए वह चाहते हैं कि पूरी टीम मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करे और जीत में अहम योगदान दे। टीम किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक प्रयास से सफलता हासिल करना चाहती है।

आईपीएल 2026 का सीजन बेहद रोमांचक रहा, कई युवा टैलेंट सामने आए: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का सीजन इस बार बेहद रोमांचक और कड़ी टक्कर वाला रहा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि सभी टीमों के बीच बहुत कम अंतर होने की वजह से यह सीजन आखिरी मैच तक अप्रत्याशित बना रहा और दर्शकों के लिए काफी मनोरंजक साबित हुआ।

उन्होंने चैंपियन टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भी तारीफ की और कहा कि टीम ने पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया।

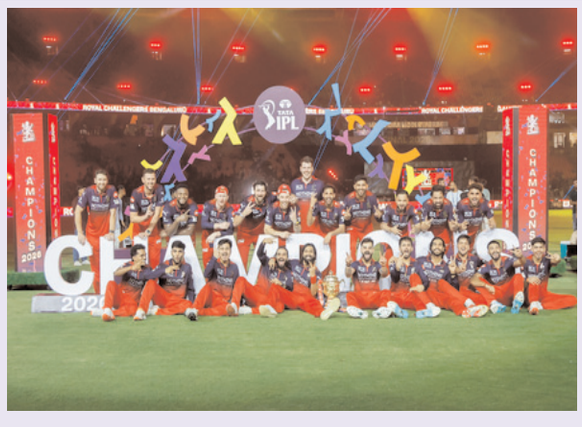

फाइनल मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जहां आरसीबी ने 156 रनों के लक्ष्य को 12 गेंदें शेष रहते हुए हासिल किया। इस जीत के साथ आरसीबी खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली तीसरी टीम बनी। सैकिया ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए कहा, 'चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और इस सीजन को बहुत रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए हिस्सा लेने वाली सभी टीमों को बधाई। भारतीय क्रिकेट लगातार बढ़ रहा है, टूर्नामेंट के जरिए कई युवा टैलेंट सामने आ रहे हैं। सीजन आसानी से चला और फैंस ने इसका पूरा मजा लिया।

डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर उतरी आरसीबी अपने खिताब का बचाव करने में सफल रही। हालांकि, प्लेऑफ तक पहुंचने का रास्ता सभी फ्रेंचाइजी के बीच कांटे की टक्कर वाला रहा। बीसीसीआई के उच्च अधिकारी का मानना है कि यह भारतीय क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने कहा, 'हर टीम बराबर प्रतिस्पर्धी थी, और प्लेऑफ तक यह अंदाजा लगाना मुश्किल था कि आखिर में कौन विजेता होगा। उस स्तर की स्पर्धा ने इस सीजन को और भी रोमांचक बना दिया।'

आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में विराट कोहली ने फाइनल मैच में अहम भूमिका निभाई। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 42 गेंदों में 75 रनों की दमदार पारी खेली।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415